



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
 भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
 प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 193]
 No. 193]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 1, 2017/श्रावण 10, 1939
 NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 1, 2017/SRAVANA 10, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
 (वाणिज्य विभाग)
 (पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
 अधिसूचना
 नई दिल्ली 1 अगस्त, 2017
 (अंतिम जांच परिणाम)

विषय : चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायरों" के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 14/14/2015-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां बाद में अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-प्रशुल्क (पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क तथा क्षति के निर्धारण की पहचान, मूल्यांकन और संग्रहण) नियमावली (जिसे बाद में यहां पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (एटीएमए) (जिसे यहां आगे "याचिकाकर्ता" कहा गया है) ने अपोलो टायर लिमिटेड, जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि., और सीएट लि., जो एटीएमए के सदस्य हैं (जिन्हें आगे यहां "याचिकाकर्ता कंपनियां" कहा गया है), की ओर से निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद "प्राधिकारी" भी कहा गया है) के समक्ष समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां बाद में अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क तथा क्षति के निर्धारण की पहचान, मूल्यांकन और संग्रहण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे यहां नियमावली कहा गया है) के तहत चीन जन गण (जिसे आगे यहां संबंद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम

के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायरों" (जिसे आगे यहां संबद्ध सामान भी कहा गया है) के आयात संबंधी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने तथा पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने के लिए आवेदन पत्र जारी किया।

2. जबकि प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर कथित देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामान के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने और पाटनरोधी शुल्क, जो यदि लगाया जाता है तथा जो घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की धनराशि की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के अनुसार विषयगत जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित 03 मई, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/14/2015-डीजीएडी द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी की।

क. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी ने इस विषयगत जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया को अपनाया है:

i. प्राधिकारी को उपर्युक्त नियमावली के तहत घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक से एक लिखित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायरों" (जिसे आगे यहां संबद्ध सामान भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।

ii. आवेदन पत्र की प्राथमिक जांच से कई कमियां सामने आई हैं, जिनको आवेदक द्वारा बाद में ठीक कर लिया गया था। अतः आवेदन पत्र को उचित रूप से दस्तावेजयुक्त माना गया है।

iii. प्राधिकारी ने ऊपर नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसरण में जांच आरंभ करने की कार्रवाई से पहले पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया है।

iv. प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 03 मई, 2016 को एक अधिसूचना जारी की।

v. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार, भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग तथा अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच आरंभ अधिसूचना की एक प्रति भेजी है और उनसे जांच शुरूआत अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से परिचित कराने का अनुरोध किया है।

vi. प्राधिकारी ने ऊपर नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में भारत में संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति उपलब्ध कराई।

vii. प्राधिकारी ने चीन जन गण में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में संगत सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों की प्रश्नावली भेजी और उन्हें लिखित में अपने ज्ञात विचार देने का अवसर प्रदान किया:

- क. शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- ख. शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- ग. एयोलस टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- घ. ज्ञाओयुआन लियाओ रबर प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- ड. किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- च. हांगझोउ झोंगसे रबर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- छ. हाओयू टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- ज. ट्रायंगल टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण
- झ. शानडोंग वांडा बोटो टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

अ. शंघाई टाइप एंड रबर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ट. जियांगसू जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ठ. डबल स्टार - डोंगफेंग टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ड. गिटी रेडियल टायर (अनहुई) कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ढ. शेनज़ेन युएनियनक्सियांग ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ण. किंगदाओ येलो सी रबर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

त. केंडा रबर (चाइना) कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

थ. शेंगताई ग्रुप कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

द. पिरेली टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ध. शान डोंग जिन यु इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

न. दिंगइंग झोंगई रबर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

प. कुपो चेंगशान (शानडोंग) टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

फ. शेन झेन सिटी होंग युन काई ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

ब. शेनज़ेन ड्रिओलोन ट्रेड कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

भ. गोंगझोऊ पर्ल रिवर रबर टायर लिमिटेड, चीन जन गण

म. मिकलिन (शेनयांग) टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

य. पिरेली टायर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

कक. किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

खख. किंगदाओ येलो सी रबर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

गग. शानडोंग जिंगयुआन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी, चीन जन गण

viii. भारत में संबद्ध देश के दूतावास से भी अनुरोध किया गया था कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पतों सहित उन्हें भी भेजी गई है।

ix. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए:

क. शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि.

ख. एयोलस टायर कं. लि.

ग. शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.

घ. किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.

ड. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.

च. झोंगसी रबर ग्रुप कं. लि.

छ. शानडोंग कोंक्री टायर कं. लि.

ज. किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि.

झ. जियांगसू जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कं. लि.

ज. शानडोंग योंगटाई ग्रुप कं. लि.

ट. शानडोंग हेंगयु साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि.

ठ. शेंगटाई ग्रुप कं. लि.

ड. शानडोंग जिंगयुआन टायर ग्रुप कं. लि.

ढ. गुड फ्रेंड टायर कं. लि.

ण. ट्रायंगल टायर कं. लि.

त. शानडोंग वांडा बोटो टायर कं. लि.

x. संबद्ध देश के निम्नलिखित व्यापारियों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए:

क. केनटॉप इंटरनेशनल

ख. टायरमार्ट (किंगदाओ) आईएनसी

ग. कोरयो इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल लिमिटेड

घ. किंगदाओ इंडस्ट्रियल कं. लि.

ड. विनशाइन इंडस्ट्रियल कं. लि.

च. किंगदाओ चैंपियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.

छ. बेस्ट चॉइस इंटरनेशनल ट्रेड कं. लिमिटेड

ज. शानडोंग जिंगयुआन इंट. कं. लि.

झ. किंगदाओ जिनहाओयांग इंट. कं. लि.

xii. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में गैर-बाजार व्यवहार का खंडन करते हुए निर्यातक प्रश्नावली दायर की:

क. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि.

ख. किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि.

xiii. संबद्ध देश में अधिसंख्य उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तर को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 17(3) के संदर्भ में नमूना देने का सहारा लिया और पाटन की मात्रा तथा सीमा की विस्तृत जांच के लिए निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों को नमूने के तौर पर पक्षकार के रूप में चुना:

क्रम सं.	उत्पादक	निर्यातक
1.	मैसर्स शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं.लि .	शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि.
		मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल
		मैसर्स टायरमार्ट (किंगदाओ)
2.	मैसर्स शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं.लि.	शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं.लि.
3.	मैसर्स एयोलस टायर कं.लि .	एयोलस टायर कं.लि .
4.	मैसर्स किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.
		मैसर्स टायरमार्ट किंगदाओ
5.	मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं.लि.	मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि.

xiii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें:

- i. ए. जी. इंडस्ट्रीज, हरियाणा
- ii. ए. एस. एंड कंपनी, दिल्ली
- iii. आदित्य सेल्स कारपोरेशन, दिल्ली
- iv. एजीके डिजीटल प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली,
- v. अखिल इम्पैक्स बिल्डिंग, पंजाब
- vi. अलियांस ट्रेडर्स, दिल्ली
- vii. अमित इंटरप्राइजेज, पंजाब
- viii. अरोरा इंटरप्राइजेज, उत्तर प्रदेश
- ix. असिस इंटरप्राइजेज, महाराष्ट्र
- x. भगवती इम्पैक्स, दिल्ली
- xi. केपटाउन ओवरसीज, दिल्ली
- xii. सेलाइट टायर कारपोरेशन, गुजरात
- xiii. चधा टायर ट्रेडर्स, दिल्ली
- xiv. छाबड़ा सेल्स कारपोरेशन, दिल्ली
- xv. दशमेश ट्रेडिंग कं., महाराष्ट्र
- xvi. दीप इंटरप्राइजेज, उत्तर प्रदेश
- xvii. दिल्ली टायर शॉपी, दिल्ली
- xviii. एकनूर टायर्स प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र
- xix. इलैक्ट्रो लिंक, केरल
- xx. ऐस इंफ्राप्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र
- xxi. फाइन ट्रेडर्स, दिल्ली
- xxii. फिश एक्स्प्रेस होम, दिल्ली
- xxiii. गणपति ओवरसीज, दिल्ली
- xxiv. जेनेटिक सेल्स कारपोरेशन, दिल्ली
- xxv. ग्लोबस कारपोरेशन, महाराष्ट्र
- xxvi. गुसा टायर हाउस, हरियाणा
- xxvii. एच. डी. इंटरनेशनल, पंजाब
- xxviii. एच. एस. अरोरा एंड कं., दिल्ली
- xxix. एच. एस. इंटरनेशनल, दिल्ली
- xxx. हरप्रीत इंटरनेशनल, दिल्ली
- xxxi. हेयर ट्रेडिंग कं., महाराष्ट्र
- xxxii. हिंद ट्रेडर्स, महाराष्ट्र
- xxxiii. हिंद ट्रेडर्स, दिल्ली
- xxxiv. इंडियन रबर मैन्युफैक्चर्स रिसर्च एसोसिएशन, महाराष्ट्र

xxxv. इंडो चाइना इम्पैक्स, दिल्ली

xxxvi. इंडो सिलिकॉन इलैक्ट्रोनिक्स पी. लि., दिल्ली

xxxvii. इंटरनेशनल बिजनेस ग्रुप, महाराष्ट्र

xxxviii. जे. एम. शमा डिजाइन्स, महाराष्ट्र

xxxix. जेपेक्स, महाराष्ट्र

xl. जितेंद्र ओवरसीज, दिल्ली

xli. जुनेजा एजेंसीज, पंजाब

xlii. के. सी. इम्पैक्स, दिल्ली

xliii. कबीर कम्पोनेंट्स प्रा. लि., दिल्ली

xliv. कक्स एंड बिल्स प्रा. लि., दिल्ली

xlv. किंगस्टन इंटरप्राइजेज, दिल्ली

xlvi. लोकेश इम्पैक्स, राजस्थान

xlvii. एम. एस. इंटरनेशनल, दिल्ली

xlviii. मानकेश ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली

xlix. मीनाक्षी इम्पॉर्टर्स, महाराष्ट्र

i. मोहन इंटरप्राइजेज, दिल्ली

ii. नंद रबर प्रा. लि., हरियाणा

iii. नेशनल ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली

liii. न्यू विकास टायर्स, दिल्ली

liv. पाहबा डिस्ट्रीब्यूटर्स, उत्तर प्रदेश

lv. पारस ऑटो पार्ट्स, गुजरात

lvi. प्रदीप इम्पॉर्ट एक्सपोर्ट, महाराष्ट्र

lvii. पायोनियर ट्रेडिंग कारपोरेशन, महाराष्ट्र

lviii. प्रिकोन इंजीनियरिंग सर्विसेज, महाराष्ट्र

lix. प्रेम ट्रेडिंग कंपनी, मध्य प्रदेश

lx. प्रिकोन इंजीनियरिंग सर्विसेज, दिल्ली

lx. आर. सी. इंटरनेशनल, महाराष्ट्र

lxii. आर. एस. इंटरप्राइजेज, महाराष्ट्र

lxiii. राधे किशन इंटरप्राइजेज, दिल्ली

lxiv. राजपाल रोडलाइन्स प्रा. लि., महाराष्ट्र

lxv. रामेश्वर दास एंड कं., हरियाणा

lxvi. रंगी रोड कैरियर, महाराष्ट्र

lxvii. रेणु राज ट्रेडिंग, महाराष्ट्र

lxviii. रोडलाइन इंटरनेशनल, दिल्ली

lxix. रॉयल ट्रेडर्स, दिल्ली

lxx. राइना ओवरसीज (इंडिया), महाराष्ट्र

lxxi. एस. आर. इंटरप्राइजेज, दिल्ली

lxxii. एस. एस. एंड सन्स, दिल्ली

Ixxiii. एस. के. इंटरनेशनल, दिल्ली

Ixxiv. सारवन इंटरप्राइजेज, दिल्ली

Ixxv. सब्बरवाल ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली

Ixxvi. सचिन प्रसाद यादव, पश्चिम बंगाल

Ixxvii. समर ट्रेडर्स, दिल्ली

Ixxviii. संजोग इम्पैक्स, मध्य प्रदेश

Ixxix. सनमति पोर्टेक्स प्रा. लि., दिल्ली

Ixxx. सतगुरु ट्रेडर्स, उत्तर प्रदेश

Ixxxii. सवीर इंटरनेशनल, दिल्ली

Ixxxiii. शिव शक्ति इंटरप्राइजेज, दिल्ली

Ixxxiv. सिमरन इंडिया इंक., दिल्ली

Ixxxv. सिमरन ट्रेडर्स, दिल्ली

Ixxxvi. सोम प्रोजेक्ट्स एंड एसोसिएट्स, दिल्ली

Ixxxvii. श्री एंड कॉ., कर्नाटक

Ixxxviii. श्री कुमारन ट्रेडर्स, कर्नाटक

Ixxxix. श्री टायर्स, कर्नाटक

xc. सुमंत बछावट, पश्चिम बंगाल

xcii. सन ट्रेडर्स, दिल्ली

xciii. सुप्रीम ट्रेडिंग कारपोरेशन, दिल्ली

xciv. ट्रांस टायर्स (इंडिया) प्रा. लि., महाराष्ट्र

xcv. उनिग्लोरी इंटरनेशनल, दिल्ली

xcvi. वान सेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

xcvii. विकास रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

xcviii. वोर्टेक्स रबर इंडस्ट्रीज प्रा. लि., दिल्ली

xcix. वृदा ओवरसीज, दिल्ली

c. जफको इंडिया प्रा. लि., दिल्ली

xiv. उत्पाद के किसी भी आयातक अथवा उपभोक्ता ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया।

xv. अखिल भारतीय टायर डीलर्स फेडरेशन, जो कि अपने आप को टायर डीलरों का फेडरेशन होने का दावा करता है, ने अपने अनुरोध दायर किए।

xvi. जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना संबद्ध सामानों के भारत में निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों को भेजी गई थी:

- क. एमआरएफ लि.
- ख. मिकसिल इंडिया प्राइवेट लि.
- ग. ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लि.
- घ. कांटीनेंटल इंडिया लि.
- ङ. केसोराम इंडस्ट्रीज लि. (बिरला टायर्स)

xvii. तथापि, किसी भी अन्य घरेलू उत्पादक ने उत्तर नहीं दिया।

xviii. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराए।

xix. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत और गैर क्षतिकारक कीमत निकालने के लिए अनुबंध-III में उल्लिखित दिशा निर्देशों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xx. यह याचिका जांच की अवधि के रूप में जुलाई, 2014 – जून, 2015 को मानते हुए दायर की गई थी। तथापि, वर्तमान जांच के प्रयोजन से जांच की अवधि जुलाई, 2014 – दिसंबर, 2015 (18 माह) मानी गई है। तथापि, क्षति अवधि अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 – मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 – मार्च, 2015 और जांच की अवधि मानी गई है। इसके अतिरिक्त, चूंकि जांच की अवधि 18 माह की अवधि है, अतः जांच की अवधि के लिए सभी आंकड़े उसी वर्ष के आधार पर (अर्थात् वास्तविक आंकड़ों को 18 से भाग देकर और 12 से गुणा करके) माना गया है।

xxi. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से यथा-आवश्यक सीमा तक अतिरिक्त/पूरक सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग और निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक मानी गई सीमा तक किया गया था।

xxii. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III और सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और बिक्री की लागत तथा उत्पादन की इष्टतम लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत (एनआईपी) तैयार की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन की तुलना में निम्न पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

xxiii. वाणिज्यिक आसूचना और सांचियकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) द्वारा प्रस्तुत सूचना भारत में संबंधित उत्पाद की मात्रा और आयात के मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाई गई है। याचिकाकर्ता ने चीन सीमा-शुल्क और डीजीसीआईएंडएस से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में लेन-देन वार सूचना प्राप्त की है। तथापि, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आंकड़ों को अपनाया है।

xxiv. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसरण में मौखिक रूप से संगत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर उपलब्ध कराने के लिए 24 मार्च, 2017 को एक मौखिक सुनवाई की जिसमें घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचार मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से प्रस्तुत किए थे, उन्हें सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त विचारों को लिखित रूप में दायर करें। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों के प्रति अपने अनुरोध पेश करने का अवसर भी प्रदान किया गया था।

xxv. जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का, जहां भी संगत पाए गए, प्राधिकारी द्वारा इस प्रकटन विवरण में समाधान किया गया।

xxvi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार को निर्देश दिया जाता है कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें।

xxvii. जहां भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान पहुँच से इंकार किया है या अन्यथा रूप से आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है या उल्लेखनीय रूप से जांच को बाधित किया है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकार को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर इस प्रकटन विवरण में रिकार्ड किया है।

xxviii. इस जांच में आवश्यक तथ्यों, जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बनेंगे, को शामिल करते हुए एक प्रकटन विवरण 18.07.2017 को हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात विवरण संबंधी अनुरोधों पर इस अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना में उस सीमा तक विचार किया गया है जहां तक इसे संगत पाया गया है।

xxix. *** इस प्रकटन विवरण में हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इसी प्रकार विचार किया गया है।

xxx. पीओआई के लिए प्राधिकारी द्वारा विषयगत जांच के लिए अपनाई गई विनिमय दर 63.65 रुपए = 1 अमेरिकी डॉलर है।

xxxi. इस प्रकटन विवरण में निम्नलिखित संक्षेपों का प्रयोग किया गया है:

क्रम सं.	संक्षेप	विवरण
1	प्राधिकारी	निर्दिष्ट प्राधिकारी
2	अधिनियम	सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975
3	नियमावली	सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, उसका निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995
4	टीबीबी टायर	ट्रक और बस ब्यास टायर्स
5	टीबीआर टायर	ट्रक और बस रेडियल टायर्स
6	पीयूसी	विचाराधीन उत्पाद
7	डीआई	घरेलू उद्योग
8	एडी	पाटनरोधी
9	एडीडी	पाटनरोधी शुल्क
10	एलसीवी	हल्के वाणिज्यिक वाहन
11	पीसीआर	पैसेंजर कार रेडियल
12	जीओसी	चीन की सरकार

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए विचाराधीन उत्पाद "वसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायर" हैं।

ख.1 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

i. टीबीबी और टीबीआर, विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, भौतिक और तकनीकी विशेषताओं, विशिष्टियों, प्रकार्यों, प्रयोगों और कीमत की दृष्टि से भिन्न-भिन्न उत्पाद हैं। टीबीबी और टीबीआर के सामान्य अभिलक्षण केवल विनिर्माण प्रक्रिया में प्रयुक्त कद्दी सामग्री हैं।

ii. इस संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा कोई साक्ष्य नहीं दिया गया कि टीबीबी और टीबीआर समान उत्पाद हैं और यह कि टीबीबी और टीबीआर का उत्पादन और बिक्री करने वाले घरेलू उद्योग को टीबीआर के आयात से क्षति हो रही है और यह कि टीबीबी और टीबीआर, दोनों "पूर्णतः प्रतिस्थापनीय" हैं।

iii. टीबीबी और टीबीआर का भिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरण है जो सिद्ध करता है कि वे भिन्न उत्पाद हैं। टीबीबी और टीबीआर के बीच अंतर तथाकथित विकिरण द्वारा भी उल्लिखित किया जाता है। रेडियल टायरों द्वारा पेश किए गए लाभ व्यास टायरों के लाभों से अधिक हैं। परिणामस्वरूप ग्राहक व्यास टायरों से रेडियल टायरों की ओर चले गए हैं। यात्री वाहनों के लिए रेडियलीकरण 1995 और 2004 के बीच आया था और वह 85 प्रतिशत के अंतर्वेधन स्तर तक पहुँच गया है। तथापि, ट्रक और बस वाहनों के लिए रेडियलीकरण केवल भारत में हाल ही में शुरू हुआ है और टीबीआर के लिए बाजार इस समय उभर रहा है।

iv. कुछ टीबीआर का निरसन किया जाना अपेक्षित है क्योंकि घरेलू उद्योग खनन उद्योग में प्रयुक्त खनन ट्रकों के लिए रेडियल टायर का उत्पादन नहीं करता तथा 20 इंच अथवा 22.5 इंच से अधिक के व्यास वाले टीबीआर, जिनका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, का उत्पादन भी नहीं करता।

v. ऑल इंडिया टायर डीलर्स फेडरेशन ने अनुरोध किया है कि घरेलू पुराने टायर विनिर्माताओं को विदेशी टायर विनिर्माताओं की तुलना में गुणवत्ता और निष्पादन में वास्तविक आत्मविश्वास नहीं है और वे विदेश से, विशेष रूप से चीन से आयात करते हैं।

vi. एआईटीडीएफ ने अनुरोध किया कि यद्यपि विदेशी व्यापारी, यथा-मिकलिन, ब्रिजस्टोन, कांटीनेंटल, योकोहामा और मैक्सिस रेडियल टायर्स की ईंधन बचतकारी गुणवत्ताओं की प्रतिधारक आरंभिक सीमाओं को पूरा कर रहे हैं तथा कुछ एशियाई देशों में और यूरोप में उस स्तर के कारणों को पूरा कर रहे हैं, तथापि, पाटनरोधी शुल्क की मांग करने वाले अन्य घरेलू टायर विनिर्माता भारत में समान सङ्क प्रतिधारकता और स्तरीय मानदंडों में काफी रुचि नहीं दर्शा रहे हैं जो कि अंतिम उपभोक्ता को सुरक्षा देने के लिए संगत है।

vii. एआईटीडीएफ ने अनुरोध किया कि 10.00 आर 20 टायर का आकार चीन जन गण से आयातित कुल रेडियल टायरों का 98 प्रतिशत है और जांच के अधीन 22.5 इंच रिम डाया रेडियल टायर 2 प्रतिशत आयात से कम है, दूसरी ओर 17.5 इंच के ट्रक/बस रेडियल टायर अर्थात् 7.50 आर 17.5 आकार, 7.50 आर 20, 8.25 आर 20, 9.00 आर 20, 11.00 आर 20, 12.00 आर 20 और 12.00 आर 24 तथा उससे अधिक के ट्रक रेडियल टायरों का उत्पादन जांच की अवधि के दौरान नहीं किया जा रहा था। अतः 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम डाया कोड का उल्लेख करना अस्पष्ट है और अनुचित रूप से विभिन्न टायर आकारों को शामिल करता है जो कि भारत में आयातित अथवा विनिर्मित नहीं किए गए हैं हैं।

viii. घरेलू उद्योग रेडियल टायरों के लिए भारी क्षमता निर्माण की बात करता है, परंतु 10.00 आर 20 टायर आकार तथा आंशिक रूप से 11.00 आर 20 टायर आकार को छोड़कर हल्के, मध्यम और भारी ट्रकों और बसों के लिए टायरों का प्रयोग करने हेतु घरेलू प्रतिस्थापन बाजार को कहीं भी नहीं ले पाया है। यह दर्शाता है कि घरेलू टायर उद्योग की रेडियलीकरण के प्रति ट्रायल बहुत चुनिंदा और मंद है।

ix. याचिकाकर्ता टीबीआर और टीबीबी को विचाराधीन उत्पाद के रूप में दर्शकर प्राधिकारी को भ्रम में डाल रहे हैं तथा दावा कर रहे हैं कि चीन जन गण से टीबीआर के आयातों से टीबीबी का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। उनका यह करने का उद्देश्य टीबीआर के लिए केवल क्षति की मौजूदगी निर्धारित करना है।

x. निर्दिष्ट प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के लिए प्रयुक्त एक विश्लेषण से क्षति विश्लेषण के लिए भिन्न-भिन्न मानदंड और क्षेत्र का प्रयोग करने के लिए घरेलू उद्योग के तर्क को स्वीकार नहीं करना चाहिए।

xi. सभी प्रकार के टायरों को शामिल करने के लिए बहुत ही खुले रूप में "16 इंच से अधिक के डाया कोड वाले" शब्द का प्रयोग, चाहे वे उनके द्वारा उत्पादित किए जा रहे हों और ट्रक तथा बस में पारंपरिक प्रयोग के अलावा विभिन्न प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त किया जा रहा हो, इस बात को ध्यान में न रखकर, किया गया है।

ख.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

6. इस संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

i. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली छ्यूबों और/अथवा रबर (छ्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायर" हैं।

ii. छ्यूब किस्म के उत्पाद में टायर का प्रयोग एक छ्यूब के साथ किया जाता है और वाहन में एक फ्लेप के साथ किया जाता है। एक टायर, एक छ्यूब और एक फ्लेप "टायर सेट" के रूप में साथ-साथ बेचे जाते हैं। उद्योग में "टायर सेट" बताने के लिए "टीटीएफ" शब्द प्रचलित है। वाहन में टायर, छ्यूब और फ्लेप संयुक्त रूप से "टायर" का कार्य करते हैं। टायर के भीतर छ्यूब में हवा भरी जाती है और पहियों में उसके क्षण के कारण छ्यूब के विस्फोट होने से बचने के लिए पहिये और छ्यूब के बीच में फ्लेप का इस्तेमाल किया जाता है। टायर, छ्यूब और फ्लेप का उत्पादन उत्पादकों द्वारा अलग-अलग किया जाता है। टायर, छ्यूब और फ्लेप की बिक्री प्रमुख रूप से "टीटीएफ" अथवा "टायर सेट" के आधार पर की जाती है। बस तथा लॉरियों और ट्रकों में प्रयुक्त रेडियल टायर, छ्यूब और फ्लेप विचाराधीन उत्पाद हैं, जिसमें यह ध्यान नहीं दिया जाता कि वे टीटीएफ रूप में हैं अथवा अलग-अलग टायर, छ्यूब और फ्लेप के रूप में हैं। जहां छ्यूब और फ्लेप की आवश्यकता नहीं होती है, वहां छ्यूब रहित रेडियल टायर भी इस जांच के क्षेत्र के अंतर्गत हैं।

iii. आयातित उत्पाद के क्षेत्र में केवल बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त रेडियल टायर शामिल हैं। टायरों का उत्पादन ट्रकों, बसों, लॉरियों, हल्के वाणिज्यिक वाहनों, यात्री कार, जीप, ट्रैक्टर, दोपहिया वाहन, तिपहिया वाहन, जानवरों द्वारा खींचे जाने वाले वाहन, अर्थ मूवर, औद्योगिक टायरों, वायुयानों आदि जैसे वाहनों में प्रयोग के लिए किया जाता है अन्य सभी प्रकार के टायर इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं।

iv. टायरों, छ्यूबों और फ्लेपों का उत्पादन अलग-अलग किया जाता है। तथापि, वे ऑटोमोटिव अनुप्रयोगों में साथ-साथ इस्तेमाल किए जाते हैं। टायरों को सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 40112010 के अंतर्गत तथा छ्यूबों और फ्लेपों को क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच की क्षति के संबंध में किसी भी तरह बाध्यकारी नहीं है।

v. वस्तुतः चीनी टीबीआर घरेलू टीबीबी के बाजार का स्थान ले रहा है। चीनी टीबीआर वस्तुतः घरेलू टीबीबी को क्षति पहुँचा रहा है क्योंकि इसके आयात पहले ही पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं।

vi. समान वस्तुओं के संबंध में, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध सामान में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान और चीन से आयातित संबद्ध सामान भौतिक और तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं।

vii. टीबीआर और टीबीबी कभी भी भिन्न उत्पाद नहीं थे। (क) भारत में बढ़ता हुआ रेडियलीकरण, (ख) टीबीआर और टीबीबी की कीमतों के बीच कम होते हुए अंतर, (ग) चीन में टीबीआर के लिए बढ़ती हुई क्षमताओं,

(घ) घरेलू टीबीबी की अपेक्षा सस्ते हो रहे चीनी टीबीआर की वजह से टीबीआर अब भारतीय टीबीबी का स्थान ले रहा है।

viii. जहां तक तकनीकी तथ्यों का संबंध है, टीबीआर और टीबीबी पूर्णतः प्रतिस्थापनीय हैं। कोई भी उत्पादक टीबीआर और टीबीबी में परस्पर परिवर्तनीय रूप से जा सकता है। तुलना यह दर्शाती है कि (क) घरेलू टीबीबी चीनी टीबीआर से सस्ता है, (ख) घरेलू टीबीबी घरेलू टीबीआर से सस्ता है।

ix. टीबीआर की मांग बढ़ रही है और टीबीबी की मांग घट रही है। यह अपने आप सिद्ध करता है कि दोनों एक ही वस्तु हैं।

x. जहां तक विरोधी पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग यूरोप में और कुछ एशियाई देशों में बदलते हुए प्रतिधारक मानक को पूरा नहीं करता, यह उल्लेखनीय है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाया जा रहा मानक उन मानकों के बराबर है। इसके अतिरिक्त, यह तर्क कि घरेलू उद्योग वैश्विक रूप से स्वीकृत सङ्क प्रतिधारक मानदंडों को शीघ्रता से करने में काफी रुचि नहीं दर्शा रहा है, वास्तव में गलत है और इसका कोई आधार नहीं है। घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्ट यह दर्शाती है कि उद्योग वैश्विक मानदंडों के अनुसार लागू सभी मानदंडों को शामिल करने के लिए सतत रूप से प्रयास कर रहा है।

xi. याचिकाकर्ता विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से निकाले जाने के लिए सभी अनुरोधों पर विवाद करते हैं और अनुरोध करते हैं कि याचिका में और जांच शुरू करने की सूचना में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में आयातित उत्पाद का विवरण नहीं आता है, उसे शामिल किए जाने की आवश्यकता है। बसों अथवा लॉरियों में प्रयुक्त किस्म के रबर के नए न्यूमैटिक टायरों के लिए सीमा शुल्क वर्गीकरण, रेडियल 40112010 है तथा विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र बसों अथवा लॉरियों में प्रयुक्त टायरों पर सीमित/प्रतिबंधित है। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम डाया मीटर कोड वाले सभी ट्रक एवं बस टायर शामिल हैं। विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा में "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली छूटों और/अथवा रबर (छूट रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायर" उल्लिखित हैं। हल्के, मध्यम, भारी, खनन, औद्योगिक, निर्माण आदि वाहन के अंतिम प्रयोग अर्थात् इस मामले में ट्रक एवं बस के आधार पर वर्गीकृत हैं। अंतिम अनुप्रयोग के आधार पर प्रयोक्ता ट्रक एवं बस के विभिन्न आकार के टायरों में से चुनने के लिए स्वतंत्र है, जो कि विशिष्ट रूप से 16 इंच से अधिक हो।

xii. 16 इंच से अधिक के सामान्य डाया मीटर वाले सभी ट्रक एवं बस टायर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत हैं, जिनमें वाहन के अनुप्रयोग को ध्यान में नहीं रखा गया है कि वे भारी वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए हैं, हल्के वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए हैं, खनन प्रयोजन के लिए हैं, अन्य औद्योगिक प्रयोजनों आदि के लिए हैं।

xiii. यह तर्क कि 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम डाया कोड अस्पष्ट है तथा अनुचित रूप से विभिन्न आकार के टायर शामिल करता है, जो न तो आयातित किए जाते हैं और न ही भारत में विनिर्मित किए जाते हैं, वास्तविक रूप से और कानूनी रूप से गलत है। 16 इंच से अधिक के सभी तकनीकी रूप से संभव तथा वाणिज्यिक रूप से अर्थक्षम ट्रक एवं बसों के सभी आकार के टायर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जाते हैं। 10.00 आर 20 तथा रिम डाया 22.5 इंच के अलावा, अन्य आकारों के आयात भी होते हैं। घरेलू उद्योग की विशिष्ट सूची तथा आयात सूची यह दर्शाती है कि उद्योग पूरी श्रृंखला का उत्पादन कर रहा है तथा 10.00 आर 20 और रिम डाया 22.5 इंच के अलावा अन्य टायर आकार श्रृंखलाओं में भी आयात हैं।

xiv. देश में पूरे टीएंडबी क्षेत्र में रेडियलीकरण रहा है। घरेलू उद्योग की विशिष्ट सूची में हल्के, मध्यम और भारी टीएंडबी टायर वाले वाहन की श्रेणी में रेडियल टायरों के ब्यौरे दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, क्षमता निर्माण मांग के आधार पर है; (क) मध्यम एवं भारी ट्रक तथा बस टायरों की मांग में पर्याप्त वृद्धि तथा हल्के टीएंडबी टायरों में कमी, (ख) ब्यास हल्के टीएंडबी टायरों की पर्याप्त मांग रही है। जांच की अवधि के दौरान भारत में आयात भी यह दर्शाते हैं (क) सभी देशों से कुल टीएंडबी टायरों के आयात में से 95 प्रतिशत ब्यास टायर हैं, (ख) चीन से टीएंडबी ब्यास टायरों का कोई आयात नहीं है, (ग) चीन से लगभग केवल 0.006 प्रतिशत टीएंडबी टायर हल्के ट्रक और बसों के लिए हैं।

ख.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. जांच की आरंभन की अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद को निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था: "वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायर" है। यह विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 40112010 के तहत अध्याय 40 में वर्गीकृत है तथा ट्यूब और फ्लेप्स सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के तहत वर्गीकृत है। नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायरों के बिना आयातित ट्यूब और/अथवा फ्लेप्स विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

8. विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अन्य अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित नोट करते हैं:

- वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमैटिक रेडियल टायर" है। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में ट्यूब किस्म और ट्यूब रहित दोनों शामिल हैं। ट्यूब टाइप टायर में एक वाहन में एक ट्यूब और एक फ्लेप के साथ किया जाता है। एक टायर, एक ट्यूब और एक फ्लेप "टायर सेट" के रूप में साथ-साथ बेचे जाते हैं और "टीटीएफ" के रूप में वर्णित हैं। "टीटीएफ" शब्द उद्योग में "टायर सेट" दर्शाने के लिए प्रचलित है। वाहन में टायर, ट्यूब और फ्लेप संयुक्त रूप से "टायर" का कार्य करते हैं। टायर, ट्यूब और फ्लेप की विक्री प्रमुख रूप से "टीटीएफ" अथवा "टायर सेट" के आधार पर की जाती है। जहां ट्यूब और फ्लेप की आवश्यकता नहीं होती है, वहां ट्यूब रहित रेडियल टायर भी इस जांच के क्षेत्र के अंतर्गत हैं।
- आयातित उत्पाद के क्षेत्र में केवल बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त रेडियल टायर शामिल हैं। टायरों का उत्पादन ट्रकों, बसों, लॉरियों, हल्के वाणिज्यिक वाहनों, यात्री कार, जीप, ट्रैक्टर, दोपहिया वाहन, तिपहिया वाहन, जानवरों द्वारा खींचे जाने वाले वाहन, अर्थ मूवर, औद्योगिक टायरों, वायुयानों आदि जैसे वाहनों में प्रयोग के लिए किया जाता है, अन्य सभी प्रकार के टायर इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं।
- यह संबद्ध सामान अध्याय 40 में वर्गीकृत है। टायरों का वर्गीकरण सीमा प्रशुल्क उप शीर्ष संख्या 40112010 के अंतर्गत तथा ट्यूबों और फ्लेपों का वर्गीकरण क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के तहत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर किसी तरह बाध्यकारी नहीं है।
- प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि टीबीबी के आयात पर पहले से ही चीन से आयात पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है और वह विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है। तथापि, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीनी टीबीआर के आयात से घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टीबीबी और टीबीआर को क्षति पहुँच रही है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि पूरे देश में टायर उद्योग में रेडियलीकरण बढ़ रहा है। रेडियलीकरण का मतलब है कि ब्यास टायरों के स्थान पर रेडियल टायर बढ़ती हुई मात्रा में आ रहे हैं। यद्यपि, यह सच हो सकता है कि टीबीआर और टीबीबी तकनीकी रूप से भिन्न उत्पाद हैं, तथापि, इसमें कोई विवाद नहीं है कि टीबीआर बढ़ती हुई दर से टीबीबी का स्थान ले रहा है। वस्तुतः हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं ही उसका विरोध किया है। घरेलू उद्योग का यह तर्क कि टीबीआर और टीबीबी समान लॉरियों में प्रयोग किए जा रहे हैं, का हितबद्ध पक्षकारों ने खंडन नहीं किया है, जिसका अभिप्राय है कि यह प्रतिस्थापन ओईएम के स्तर पर नहीं हुआ है (अर्थात् नए ट्रक/बस बेचे जाते समय), परंतु यह उस समय हुआ जब उपभोक्ता द्वारा टायर बदले जा रहे हैं। जहां तक खनन उद्योग में प्रयुक्त खनन ट्रकों के लिए 20 इंच से अधिक डाया मीटर वाले रेडियल टायरों के निरसन के लिए अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग 20 इंच से अधिक डाया मीटर वाले टायरों का उत्पादन करता है और आपूर्ति करता है।

विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में बसों और लॉरियों में प्रयुक्त टायर हैं। ये टायर विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा को पूरा करते हैं तथा सीमा शुल्क वर्गीकरण के तहत आते हैं। अतः वे विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में आते हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि अध्याय 40 के अंतर्गत वर्गीकृत अधिसंख्य आयात आते हैं। सभी प्रकार के टायर सीमा शुल्क उप शीर्ष संख्या 40112010 और ट्यूब एवं फ्लेप्स सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I के उप शीर्ष क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के तहत वर्गीकरण योग्य विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्रों में पड़ने वाले सभी टायर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में हैं तथा अन्य सभी प्रकार के टायर, ट्यूब और फ्लेप्स इन सीमा प्रशुल्क वर्गीकरणों के तहत वर्गीकरण योग्य नहीं हैं एवं विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं।

9. रिकार्ड में सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह मानने का विचार करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों और चीन से निर्यातित संबद्ध सामानों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान और चीन से आयातित संबद्ध सामान उत्पाद विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण की दृष्टि से सामूहिक रूप से और संचयी रूप से तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टीबीआर टायर आयातित टीबीआर टायरों में तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित टीबीआर चीन से आयातित टीबीआर के समान वस्तु हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु हैं।

ग. घरेलू उद्योग का स्कोप और स्थान

10. घरेलू उद्योग को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखितानुसार परिभाषित किया गया है: "ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

ग.1 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

11. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

i. ऑल इंडिया टायर डीलर्स फेडरेशन (जिन्हें यहां बाद में एआईटीडीएफ कहा गया है), ने अनुरोध किया कि संबद्ध सामानों के कुल 11 उत्पादक/ विनिर्माताओं में से एटीएमए और उसके सदस्यों में केवल अपोलो टायर्स लि., जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि. और सीएट लि., जो ट्रक तथा बस, हल्के वाणिज्यिक वाहनों और यात्री कारों सहित विभिन्न श्रेणियों के टायरों के लिए रेडियल तथा गैर-रेडियल दोनों टायरों का विनिर्माण करते हैं, ने पाटनरोधी जांच की मांग चुनी है जबकि भारत में मिकलिन, ब्रिजस्टोन जैसे नए निवेश के साथ अन्य घरेलू टायर निर्माता दूर रहे हैं। इस संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई विशेष टिप्पणी नहीं की है।

ग.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

12. घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

i. वर्तमान याचिका संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के लिए अपोलो टायर्स लि., जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि. और सीएट लि. की ओर से एटीएमए द्वारा दायर की गई है।

ii. भारत में बिरला टायर, ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लि., कांटीनेंटल इंडिया लि., मिकलिन इंडिया प्रा. लि. और एमआरएफ लि. जैसे संबद्ध सामानों के अन्य घरेलू उत्पादक हैं।

iii. तथापि, याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादन भारतीय उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक है।

iv. याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन तदनुसार भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात रखता है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ता कंपनियों ने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है, न ही वे विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित हैं।

v. अतः याचिकाकर्ता कंपनियां घरेलू उद्योग हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और 5(3) के अंतर्गत आधार की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. वर्तमान आवेदन पत्र एटीएमए द्वारा अपोलो टायर्स लि., जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि. और सीएटी लि., विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों और जिन्होंने चीन जन गण से संबद्ध सामानों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के मामले में वर्तमान जांच के लिए विस्तृत सूचना प्रदान की है, की ओर से दायर किया गया है।

14. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी को यह जांच करनी है कि क्या -

क. घरेलू उत्पादक, घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक के लिए आवेदन पत्र में दी गई बात के पक्ष में जोर-शोर से समर्थन करते हैं, और

ख. इस आवेदन पत्र का समर्थन उन घरेलू उत्पादकों ने किया है जिनका सामूहिक उत्पादन आवेदन पत्र के समर्थन में अथवा विरोध में विचार व्यक्त करने वाले घरेलू उद्योग के उस भाग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादन भारतीय उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक है।

ख. इस याचिका का विशेष रूप से एमआरएफ लि. ने समर्थन किया है। जांच शुरू करने के बाद प्राधिकारी ने एमआरएफ से भी सूचना मांगी। तथापि, कंपनी ने अपनी क्षति संबंधी सूचना नहीं दी।

ग. इस याचिका का भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी भी उत्पादक ने विरोध नहीं किया है।

घ. याचिकाकर्ता ने भारत में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों के रूप में निम्नलिखित कंपनियों की पहचान की और उनके उत्पादन के संबंध में सूचना दी:

क्रम सं.	नाम
1	एमआरएफ लि.
2	केसोराम इंडस्ट्रीज लि.
3	ब्रिजस्टोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
4	मिकलिन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
5	कांटीनेंटल इंडिया लि.

ड. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार, कोई भी घरेलू उत्पादक पाटनरोधी नियमावली के अभिप्राय के भीतर विचाराधीन उत्पाद का घरेलू उत्पादक होने के लिए अपात्र नहीं है। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि सीएट और अपोलो टायर्स द्वारा आयात किए गए हैं। सीएट द्वारा किए गए आयात टीबीबी के हैं न कि विचाराधीन उत्पाद के। अपोलो टायर्स द्वारा किए गए आयात अनुसंधान एवं विकास प्रयोजनों के लिए हैं न कि पुनः बिक्री के लिए। आयात की मात्रा भी बहुत ही कम है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के सभी घरेलू उत्पादकों को नियम 2(ख) के अभिप्राय के भीतर पात्र घरेलू उद्योग माना है।

च. याचिकाकर्ता कंपनियों ने घोषणा की है कि न तो उन्होंने जांच की अवधि के दौरान चीन से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और न ही वे भारत में संबद्ध सामानों के किसी आयातक अथवा चीन के संबद्ध सामानों के किसी निर्यातक से संबंधित हैं।

छ. याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का 65.05 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त, इस याचिका का उन घरेलू उत्पादकों ने समर्थन किया है जिनका सामूहिक उत्पादन भारतीय उत्पादन के 21.40 प्रतिशत है। इस प्रकार, याचिकाकर्ता का समर्थकों सहित भारतीय उत्पादन का 86.45 प्रतिशत नियंत्रण है।

16. नियमों को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी मानते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनियों का भारत में संबद्ध सामानों के उत्पादन में बहुत बड़ा अनुपात है तथा इस जांच के प्रयोजन के लिए वे नियम 5(3) के संदर्भ में आधारभूत आवश्यकता को पूरा करते हैं तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

घ. गोपनीयता

17. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 तथा डब्ल्यूटीओ के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.5 को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावों पर विचार किया है।

घ.1 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

18. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- घरेलू उद्योग अनिवार्य सूचना प्रदान करने में विफल रहा है और उसने घरेलू उद्योग की कुल टीबीआर (ट्रक और बस रेडियल टायर) बिक्री; भारतीय उत्पादकों की कुल टीबीआर बिक्री; भारतीय उत्पादकों के टीबीआर के कुल उत्पादन; प्रतिस्थापन क्षेत्र के लिए टायरों के उत्पादन, ओईएम (मूल उपस्कर विनिर्माता) क्षेत्र के उत्पादन; निर्यात उत्पादन; घरेलू ओईएम बिक्री; घरेलू प्रतिस्थापन बिक्री; निर्यात बिक्री; कुल बिक्री; घरेलू बिक्री मूल्य; निर्यात बिक्री मूल्य; स्टॉक की मात्रा; बिक्री की लागत; बिक्री कीमत; प्रति यूनिट लाभ; कुल लाभ; नकद लाभ; ब्याज और कर पूर्व लाभ; कर्मचारियों की संख्या; मजदूरी; मजदूरी प्रति यूनिट और लगाई गई पूंजी पर आय के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- याचिकाकर्ता कतिपय अनिवार्य तथ्यों के संबंध में गोपनीयता का दावा करने के प्रयोजन से अच्छा कारण नहीं बता पाए। वह याचिका में गोपनीय मानी जाने वाली सूचना का गैर-गोपनीय सार देने में विफल रहे।
- निर्यात कीमत का समर्थन करने वाले साक्ष्य नहीं हैं।
- टीबीआर के लिए कुल मांग अथवा जांच की अवधि के बाद घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता को याचिकाकर्ता ने छिपाया है।

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

19. घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सभी शर्तों का पालन किया है। याचिकाकर्ताओं ने वह समस्त सूचना प्रकट की है जो कानून के तहत प्रकट की जानी होती है। याचिकाकर्ताओं द्वारा ऐसी कोई सूचना प्रकट न किए जाने का कोई विशेष उदाहरण नहीं है जो कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रकट की जानी हो।
- निर्यात कीमत का परिकलन अगोपनीय रूपांतर में प्रकट किया गया है। निर्यात कीमत में समायोजन दर्शने वाले साक्ष्य व्यापार संवेदनीय सूचना है और सारकरण के लिए अतिसंवेदनशील नहीं है।
- याचिकाकर्ताओं ने केवल उसी सूचना को गोपनीय माने जाना का दावा किया है जिसकी गोपनीयता कानून के तहत सुरक्षित रखी जाए। सूचना का पर्याप्त अगोपनीय सार उनको छोड़कर गोपनीय आधार पर दिया गया है जो सार के लिए अतिसंवेदनशील नहीं है। वस्तुतः उत्तरदायी हितबद्ध पक्षकारों ने अत्यधिक गोपनीय सूचना का सहारा लिया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान

करने वाले पक्षकार को निर्देश दिया जाता है कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए।

21. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सार्वजनिक किए जाने के लिए अपेक्षित सूचना को नोट करते हैं और प्राधिकारियों द्वारा जारी सार्वजनिक सूचनाओं को सीधे ही गोपनीयता के प्रावधानों के तहत रखा जाता है। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की गोपनीयता की सुरक्षा करने के लिए नियम बनाए गए हैं ताकि उनके व्यापार संवेदनीय सूचना के प्रकटन से उस पक्षकार की सुरक्षा की जाए अथवा जहां सूचना देने वाले को ऐसी सूचना के संबंध में गोपनीयता की व्यवहार रखने की आवश्यकता हो।

22. प्राधिकारी मानते हैं कि यद्यपि ऐसी कोई सूचना, जो सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध है, गोपनीय नहीं मानी जा सकती, तथापि, किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रकटन की गई कोई सूचना जांच में भाग लेने वाले दूसरे हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की जा सकती।

23. कानूनी दायित्व के मद्देनजर और हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और मानते हैं कि केवल उसी सारी सूचना, जो अन्यथा सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं की गई है, को ही गोपनीय सूचना माना गया है।

ड. विविध अनुरोध

ड. 1 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

24. उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- भारतीय सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा प्रयुक्त निर्धारण योग्य मूल्य - सीमा शुल्क टीबीआर के सीमा शुल्क मूल्य पर ही लगाया जाना चाहिए, जैसा कि वाणिज्यिक बीजक में सूचित किया गया है।
- चीनी सीमा शुल्क आंकड़े संगत नहीं हैं, क्योंकि वे केवल निर्यातित टीबीआर की मात्रा और मूल्य दर्शाते हैं, न कि उस टीबीआर की मात्रा और मूल्य, जिनका भारत में आयात किया गया था। आयात आंकड़ों के लिए चीनी सीमा शुल्क का प्रयोग विवादास्पद है और प्राधिकारी से अनुरोध करते हैं कि वे केवल डीजीसीआईएंडएस द्वारा दिए गए आयात आंकड़ों को ही लें।
- अपोलो टायर लि., एमआरएफ लि., सीएट लि., जे. के. टायर इंडस्ट्रीज लि., बिरला टायर लि. का साथ-साथ *** प्रतिशत टायर पर नियंत्रण है और वे अपनी एसोसिएशन के तत्वाधान में घरेलू टायर बाजार के संघ में शामिल हुए हैं तथा कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि के बहाने टायर की कीमतें बढ़ा दी हैं, परंतु जब कच्ची सामग्री की कीमतें गिर गई तो उन्होंने अपनी कीमतें कम नहीं कीं। एटीएमए ने स्पष्ट किया है कि विरोधी पक्षकार 2010-11 में प्राकृतिक रबर और अन्य प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतों में काफी वृद्धि तथा उनके प्रचालन मार्जिन पर उसके प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में चिंतित थे। साक्ष्य से यह बात सामने आई है कि विरोधी पक्षकारों ने अपनी एसोसिएशन (एटीएमए) के तत्वाधान में "टायर कीमत वृद्धि" की तुलना में "कच्ची सामग्री लागत" में वृद्धि तथा फरवरी, 2011 में "अंतराल" के वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील विषय पर विचार-विमर्श किया। बाजार के अग्रणी व्यापारियों अर्थात् एमआरएफ और अपोलो के बीच मई, 2011 के ई-मेल पत्राचार से यद्यपि कीमत नीति के संबंध में डीजी, एटीएमए में घरेलू टायर बाजार में टायर की कीमत निर्धारित करने के लिए एक करार के रूप में साफ तौर पर सक्रिय टकराहट सामने आई है।
- कीमत संचलन के विश्लेषण से 2009-14 के 5 वर्षों की अवधि के दौरान प्रबल कीमत समानतरता प्रदर्शित हुई और यह दर्शाया कि विरोधी पक्षकारों की टायर की कीमतें 3 वर्ष की अवधि में बीच में रह गई। इसके अतिरिक्त, निवेश लागत में, विशेषकर 2012-13 और 2013-14 में, काफी कमी के बावजूद आयात की कीमतें उच्चतर स्तर पर रखी गईं।
- सेसटेट की पाटनरोधी बैंच ने अपने दिनांक 02.08.2011 के आदेश में टीबीआर टायरों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अलग कर दिया।

vi. टीबीआर टायरों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का कोई मामला नहीं है जिससे अन्यथा घरेलू टायर संघ और अधिक सुदृढ़ होगा जो कि कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि की आड़ में टायर की कीमतें निरंतर बढ़ा रहा है, परंतु कच्ची सामग्री की कीमतों में भारी गिरावट के बावजूद जांच की अवधि के दौरान उन्होंने टायर की कीमतें नहीं घटाई।

vii. विश्व भर के टायर विनिर्माताओं और विशेषकर चीन जन गण के विनिर्माताओं ने जांच की अवधि के दौरान कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के मद्देनजर टायर की कीमतें घटाई हैं और इसीलिए चीन जन गण से भारत में आयातित ट्रक एवं बस रेडियल टायरों की सस्ती कीमतों की तुलना में घरेलू टायर कीमतें अत्यधिक रही हैं।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

25. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

i. निर्यातकों ने स्वयं ही कुछ चीनी सीमा शुल्क को कुछ निर्यात घोषित किए हैं और अब वे चीनी सीमा शुल्क को किए गए उन दावों से दूर रहना चाहते हैं। यदि उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष झूठे दावे नहीं किए हैं तो निर्यातक अपने सीमा शुल्क प्राधिकारियों के आंकड़ों से दूर रहने की कोशिश क्यों कर रहे हैं। चीनी सीमा शुल्क में सूचित किए गए निर्यात कुछ नहीं हैं, परंतु निर्यातकों द्वारा स्वयं ही अपने सीमा शुल्क प्राधिकारियों को घोषित किए गए निर्यात की मात्रा तथा मूल्य हैं। चीनी सीमा शुल्क में सूचित की गई निर्यात मात्रा और मूल्य उत्तरदायी निर्यातकों के पास आंकड़ों से भिन्न होने का प्रश्न कैसे उठ सकता है। इसके अतिरिक्त, भारत में आयात न किए जा रहे चीन के निर्यातित सामान की संभावना का जहां तक संबंध है, यह नमूने वाली कंपनियों के लिए खुली बात है कि वे उन उदाहरणों को रिकार्ड में लाएं जहां भारत के लिए सामानों के आरंभिक बीजक बनाए गए थे, चीनी सीमा शुल्क के तहत भारत को निर्यात के रूप में सूचित किए गए थे, परंतु वे भारतीय सीमा शुल्क तक नहीं पहुँचे।

ii. एआईटीडीएफ को वर्तमान जांच में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि यह एक हितबद्ध पक्षकार नहीं है, न ही उपभोक्ताओं की कोई एसोसिएशन है और न ही आयातकों अथवा निर्यातकों अथवा घरेलू उत्पादकों की कोई एसोसिएशन है तथा इसीलिए वे किसी भी शर्त को पूरा नहीं करते हैं।

iii. एआईटीडीएफ मंच का प्रयोग/दुरुपयोग कुछ अन्य पक्षकारों द्वारा उनके वाणिज्यिक लाभों के लिए किया जा रहा है। घरेलू उद्योग के संदेह को सुनवाई के समय श्री एस. पी. सिंह द्वारा दिए गए विवरण से ही ताकत मिल जाती है कि उनके सदस्य विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

26. जहां तक घरेलू उत्पादकों में संभावित अनुसूचित प्रतिस्पर्द्धा से संबंधित आरोपों और मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि यह मुद्दा वर्तमान प्राधिकारी और जांचों के क्षेत्र से बाहर है तथा इस पर पृथक निकाय अर्थात भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग द्वारा विचार किया जाना है।

27. वर्तमान जांच में एआईटीडीएफ की प्रतिभागिता के संबंध में, प्राधिकारी निम्नलिखित रूप में नियम 2(ग) को नोट करते हैं:

(ग) "हितबद्ध पक्षकार" में शामिल हैं-

(i) भारत में पाटित किए जाने हेतु जांचाधीन किसी वस्तु का कोई आयातक अथवा कोई विदेशी उत्पादक अथवा आयातक अथवा ऐसा कोई व्यापारी या व्यापार एसोसिएशन जिसके अधिकांश सदस्य ऐसी किसी वस्तु के उत्पादक, निर्यातक अथवा आयातक है;

(ii) निर्यातक देश की सरकार; और

(iii) भारत में समान वस्तु का कोई उत्पादक अथवा ऐसी कोई व्यापार तथा व्यावसायिक एसोसिएशन जिसके अधिकांश सदस्य भारत में समान वस्तु का उत्पादन करते हैं;

28. नियमों में प्रावधान है कि किसी निर्यातक, विदेशी उत्पादक, अथवा आयातक को हितबद्ध पक्षकार माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त, किसी व्यापारी अथवा व्यापारिक एसोसिएशन को हितबद्ध पक्षकार माना जा सकता है, यदि उसके अधिकतर सदस्य उस वस्तु के उत्पादक हों, निर्यातक हों अथवा आयातक हों। निर्यातक देश की सरकार, भारत में समान वस्तु के उत्पादक, अथवा व्यापारिक एसोसिएशन, भारत में समान वस्तु का उत्पादन करने वाले अधिकतर सदस्यों को भी किसी पाटनरोधी जांच में हितबद्ध पक्षकार माना जाना अपेक्षित है।

29. अखिल भारतीय टायर डीलर्स फेडरेशन (एआईटीडीएफ) ने अपनी स्थिति निम्नलिखित रूप में व्यक्त की है:

- क. यह व्यापार एसोसिएशन का एक संघ है।
- ख. इसके संघटक देश में चार भागों में विभाजित हैं। उत्तरी जोन का समन्वय दिल्ली टायर डीलर्स एसोसिएशन द्वारा किया जाता है और इसके नेमी खर्चे दिल्ली टायर डीलर्स एसोसिएशन द्वारा पूरे किए जाते हैं।
- ग. एआईटीडीएफ का विभिन्न सरकारी एजेंसियों तथा मंचों के समक्ष प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वेतन आधारित सचिव नहीं है।
- घ. इस समय, एआईटीडीएफ और उसके संघटकों का ध्यान जीएसटी अपनाने तथा भारत सरकार के डिजीटल इंडिया अभियान पर केंद्रित है।
- ङ. एआईटीडीएफ "अपिशिष्ट टायर प्रबंधन नियमावली, 2017" को अंतिम रूप देने में औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग की सहायता कर रहा है तथा ऑटोमोबाइल्स के लिए टायरों, छूबों, फ्लेपों, पहियों के लिए मानक तैयार करने में विभिन्न क्षमता में टीईडी-7 (बीआईएस) का सहयोग कर रहा है।

च. बाजार अर्थव्यवस्था आशोधन (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन सामान्य मूल्य

30. 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
- (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत; परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

च.1 विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

31. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में गैर बाजार व्यवहार का खंडन करते हुए निर्यातक प्रश्नावली दायर की।

- क. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि.
- ख. किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि.

32. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि. एक विनिर्माता है और किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि. एक व्यापारी/निर्यातक है।

33. सामान्य मूल्य के संबंध में विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. याचिकाकर्ताओं द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-I के पैरा 7 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है और उसके समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं है। याचिकाकर्ता का यह दावा है कि बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस स्तर पर चीन जन गण में टीबीआर का सामान्य मूल्य इस कारण निर्धारित नहीं किया जा सका कि याचिकाकर्ता के पास संगत सूचना उपलब्ध नहीं है।
- ii. चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित सिद्धांत के आधार पर उत्पादन की संरचित लागत के आधार पर किया गया है जो कानूनी रूप से सही नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय कीमतें कहुँ भी सामग्री, जहां भी उपलब्ध है, के लिए अपनाई गई हैं। इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित घटकः भारत, चीन जन गण और ताइवान में आयात कीमतों के अनुसार कहुँ सामग्री; घरेलू उद्योग में प्रचलित दरों के अनुसार विद्युत की दरें; खपत मानदंड, परिवर्तन लागत, बिक्री, जांच में प्रतिभागी सबसे अधिक दक्ष उत्पादक के सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय, कारक, जो भारत सरकार द्वारा मानक इनपुट, आउटपुट मानदंडों के अनुसार हैं, घरेलू उद्योग के अनुसार, तथा प्रतिशत उपयुक्त लाभ मार्जिन हैं।
- iii. याचिकाकर्ता तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपयोग की गई पद्धति दो कारणों से सही नहीं है:
 - क. उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबंधित देश के विकास स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त तरीके से किया जाना चाहिए तथा चयन के समय उपलब्ध किसी विश्वसनीय सूचना को ध्यान में रखा जाना चाहिए। लेखा समय सीमाओं के भीतर लिए जाने चाहिए, जहां किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में किसी समान मामले में जांच की गई हो। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने शेनयांग मत्सुशिता एस. बैट्री कं. लि. बनाम एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. तथा अन्य [(2005) 3 एससीसी 39] में दृढ़ता से यह टिप्पणी की कि निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल अंतिम विकल्प को ही अपना सकते हैं, जब पहले दो सिद्धांत समाप्त हो गए हों। याचिकाकर्ता और निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए पहले और दूसरे सिद्धांत का प्रयोग करें तथा जब पहले दो सिद्धांतों से काम न चले तो तभी तीसरे सिद्धांत को अपनाएं।
 - ख. दूसरा, याचिकाकर्ता का यह दावा, जिसके अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए संगत सूचना उपलब्ध नहीं है, गलत तथा झूठा है। वास्तव में याचिका का समर्थन करने वाली तीन कंपनियों में से दो (यथा अपोलो टायर्स और जे. के. टायर) के पास तीसरे देशों ने विनिर्माण की सुविधाएं हैं तथा इसीलिए समस्त संगत सूचना उनके पास है। अपोलो टायर की नीदरलैंड, साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे में उत्पादन सुविधाएं हैं तथा जे. के. टायर के मैक्सिको में तीन उत्पादन स्थल हैं।

च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

34. घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- i. चीन को पिछले मामलों में प्राधिकारी द्वारा ली गई स्थिति के अनुरूप तथा अन्य देशों में जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा ली गई स्थिति के अनुरूप गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए। चीनी उत्पादकों की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता। बाजार अर्थव्यवस्था वाला स्तर उसे तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक निम्नलिखित शर्तें पूरी न हों:
 - क. सरकारी हस्तक्षेप पूर्णतः नकारा जाना चाहिए।
 - ख. प्रमुख इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य प्रदर्शित करें।
 - ग. लेखा बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप की जानी चाहिए।

घ. बाजार अर्थव्यवस्था वाला स्तर प्रदान करने के लिए सभी अपेक्षित मानदंडों को पूरा किया जाना चाहिए।

ङ. बाजार अर्थव्यवस्था वाला स्तर सिद्ध करने का दायित्व उत्तरदायी चीनी निर्यातिकों पर है न कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पर।

च. उत्तरदायी कंपनी और उसके समूह को समग्र रूप से दावा करना चाहिए।

ii. भारत और अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर की जांच के संबंध में की गई विभिन्न घोषणाओं के संबंध में निम्नलिखित अधिकार क्षेत्र स्पष्ट रूप से उभरा है। बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान करते समय निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया जाना चाहिए:

क. सरकारी हस्तक्षेप पूर्णतः नकारा जाना चाहिए।

ख. प्रमुख इनपुट की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य प्रदर्शित करें।

ग. लेखा बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानकों के अनुरूप की जानी चाहिए।

घ. बाजार अर्थव्यवस्था वाला स्तर प्रदान करने के लिए सभी अपेक्षित मानदंडों को पूरा किया जाना चाहिए।

ङ. उत्तरदायी निर्यातिकों को स्वयं ही यह सिद्ध करना है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।

च. बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक उत्तरदायी कंपनी तथा उसका समूह समग्र रूप में दावा न करे यदि उस समूह के भाग में आने वाली एक या अधिक कंपनियां तथा उत्पादन या विक्री में शामिल कंपनी ने उत्तर दायर न किया हो तो बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर नहीं दिया जा सकता।

छ. ऐसी स्थिति में, जब वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं ही अपनी उत्पादन सुविधाएं स्थापित न की हों, परंतु किसी अन्य पक्षकार से वे प्राप्त की हों, तो बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से रूपांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह से स्थापित न कर दी गई हो।

iii. तदनुसार, चीन में सामान्य मूल्य निम्नलिखित आधारों में से किसी एक आधार पर निर्धारित किया जा सकता है:

क. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी देश में कीमत,

ख. बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी देश में निर्मित मूल्य,

ग. भारत सहित किसी अन्य देश में ऐसे तीसरे देश से कीमत,

घ. कोई अन्य तर्कसंगत आधार या जिसमें भारत में वास्तव में दी गई अथवा देय कीमत शामिल हो और जो उपर्युक्त लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए समायोजित की गई हो।

iv. याचिकार्ता, उनके पास संगत सूचना उपलब्ध न होने के कारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर चीन में टीबीआर का सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं कर पाए। यह नोट किया जाता है कि यह सामान्य मूल्य "समान वस्तु के लिए व्यापार की सामान्य अवधि में तुलनीय होनी चाहिए जब वह ऐसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में उपभोग के लिए हो।" इस आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसे तीसरे देश में सहकारी उत्पादक द्वारा सभी घरेलू विक्रियों, उत्पादन लागत तथा अन्य संबद्ध सूचना और साक्ष्यों (व्यापार की सामान्य अवधि में समस्त सूचना सहित) सहित, के संबंध में पूर्ण एवं सत्यापन योग्य सूचना की आवश्यकता होगी। करार के अनुच्छेद 2.4 में उल्लिखित स्पष्ट तुलना के सिद्धांत भी इस संबंध में संगत हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर चीन के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन की निर्मित लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है। अपनाया गया सिद्धांत नीचे दिया गया है:

क. कच्ची सामग्री की कीमतें नीचे दिए व्यौरे के अनुसार हैं:

क्रम सं.	कच्ची सामग्री	स्रोत
1	प्राकृतिक रबर	चीन में आयात कीमत
2	स्टाइरिन बुटाडीन रबर	भारत में आयात कीमत

3	पॉलीबुटाडीन रबर	भारत में आयात कीमत
4	नाइलॉन टायर कोर्ड फैब्रिक	ताइवान से आयात कीमत
5	रबर केमिकल्स	पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद चीन से भारत में आयात कीमत
6	स्टील कोर्ड फैब्रिक	भारत में आयात कीमत
7	कार्बन ब्लैक	पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद चीन से भारत में आयात कीमत
8	बीड वायर	अपोलो घटाएं सीमा शुल्क

ख. घरेलू उद्योग में प्रचलित दरों के अनुसार विद्युत दरें;

ग. भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानक इनपुट आउटपुट मानदंडों के अनुसार खपत के कारक;

घ. घरेलू उद्योग के अनुसार परिवर्तन लागत, बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय;

ड. 5 प्रतिशत उपयुक्त लाभ मार्जिन।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

35. चाइना एसेशन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार प्रावधान है :

"गैट 1994 का अनुच्छेद VI, जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार ('पाटनरोधी करार') तथा एससीएम करार उन कार्यवाहियों में लागू होगा जिनमें डब्ल्यूटीओ सदस्य में चाइनीज मूल का आयात निम्नलिखित से संगत हो:

(क) गैट 1944 के अनुच्छेद VI तथा पाटन रोधी करार के अंतर्गत तुलनीयता कीमत निर्धारित करने में आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य जांचाधीन उद्योग अथवा किसी पद्धति के लिए चीनी कीमत अथवा लागतों का प्रयोग करेगा जो निम्नलिखित नियमावली पर आधारित चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ कड़ाई से तुलना हेतु आधारित नहीं है।

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि विनिर्माण उत्पादन और उस उत्पाद की बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति उपलब्ध है, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य कीमत तुलनीयता निर्धारित करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों अथवा लागतों का प्रयोग करेगा;

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का प्रयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ कड़ाई से तुलना पर आधारित नहीं है यदि जांचाधीन उत्पाद स्पष्ट रूप से नहीं दर्शा सकता है कि उक्त उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद उत्पादित करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियां विद्यमान हैं।

(ख) जब अनुच्छेद 14(क), 14 (ख), 14 (ग) और 14(घ) में उल्लिखित सब्सिडी का पता लगाने के लिए एससीएम करार के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में एससीएम करार के संबंधित प्रावधान लागू होंगे। यदि उस आवेदन में विशेष कठिनाइयां हैं तो आयात डब्ल्यूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ जो उस संभावना जो चीन में विद्यमान निबंधन एवं शर्तें हैं, को ध्यान में रखते हुए सब्सिडी के लाभ अभिचिन्हित करने और मापने के लिए पद्धतियों का प्रयोग कर सकते हैं जो उपयुक्त बैंचमार्क के लिए सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती। इस प्रकार की पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयातक सदस्यों को चीन से बाहर विद्यमान निबंधन एवं शर्तों के प्रयोग पर विचार करने से पूर्व प्रचलित इस प्रकार की निबंधन एवं शर्तों को समायोजित करना चाहिए।

(ग) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य पाटनरोधी प्रक्रियाओं संबंधी समिति के लिए उप पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयोग की कई पद्धतियां अधिसूचित करेंगे तथा सब्सिडी और प्रतिकारी उपायों संबंधी समिति के लिए उप-पैरा (ख) के अनुसार पद्धतियां अधिसूचित करेंगे।

(घ) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत एक बार चीन में प्रमाणित हो जाता है और यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है तो पैराग्राफ (क) के प्रावधान समाप्त हो जाएंगे, बशर्ते कि आयातक सदस्य का राष्ट्रीय कानून अभिवृद्धि की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था मानदण्डों से युक्त हो। किसी भी स्थिति में उप-पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान की अभिवृद्धि की तारीख के 15 वर्ष पश्चात समाप्त होंगे। इसके अतिरिक्त चीनी आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में यह प्रमाणित करेगा कि किसी विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियां उपलब्ध हैं तो उप-पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए अब लागू नहीं होंगे।

36. अनुच्छेद 15 का अभिप्राय है कि एक उप पैरा के प्रावधान चीनी एसेशन की तारीख से 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इस पैरा के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए थे। चूंकि, घरेलू उद्योग को धृति पहुँचाने वाला पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए संगत, उपयुक्त तथा आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) जुलाई, 2014 से दिसंबर, 2015 है। चूंकि, जांच की अवधि के दौरान अनुच्छेद 15 का उप पैरा अस्तित्व में था, अतः प्राधिकारी उस सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो यदि जांच के अधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह न दर्शाएं कि विनिर्माण, उत्पादन और उस उत्पाद की बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियां विद्यमान हैं तो चीन में घरेलू कीमत अथवा लागत की कठोरता से तुलना के आधार पर नहीं है।

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत तथा विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन गण को इस नियमावली के संबंध में निर्यात करने वाले देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा पूर्वानुमान के खंडन के अध्यधीन एक गैर अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।

38. प्राधिकारी नोट करते हैं निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है और प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है:

- क. शानडोंग हेंग्यु साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लिमिटेड
- ख. बेस्ट चॉइस इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.
- ग. शेंगताई ग्रुप कं. लि.
- घ. शानडोंग जिंग्युआन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.
- ड. जियांगसु जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कं. लि.
- च. शानडोंग योंगताई ग्रुप कं. लि.
- छ. शानडोंग जिंग्युआन टायर ग्रुप कं. लि.
- ज. किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि.
- झ. शानडोंग कोक्री टायर कं. लि., चीन
- अ. शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.
- ट. किंगदाओ चैंपियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.
- ठ. ट्रायांगल टायर कं. लि.
- ड. शानडोंग वांडा बोटोटायर कं. लि.
- ढ. किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि., चीन जन गण

ण. टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक.

त. कोरयो इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल लिमिटेड

थ. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि., चीन जन गण

द. विनशाइन इंडस्ट्रियल कं. लि.

ध. किंगदाओ नामा इंडस्ट्रियल कं. लि.

न. एयोलस टायर कं. लि., चीन जन गण

प. शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि., चीन जन गण

फ. केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि.

ब. झांगसी रबर ग्रुप कं. लि., चीन जन गण

भ. किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि.

म. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि.

39. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों का उनके संगत व्यापारी/निर्यातकों के साथ प्राधिकारी द्वारा नमूना दिया गया है:

क्रम सं.	उत्पादक	निर्यातक
1.	मैसर्स शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि.	शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि.
	--वही---	मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल
	--वही---	मैसर्स टायरमार्ट (किंगदाओ)
2.	मैसर्स शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.	शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.
3.	मैसर्स एयोलस टायर कं. लि.	मैसर्स एयोलस टायर कं. लि.
4.	मैसर्स किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.
	--वही---	मैसर्स टायरमार्ट (किंगदाओ)
5.	मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि.	मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि.

40. इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित पक्षकारों, जिनका नमूना नहीं दिया गया है, ने भी इस नियमावली के नियम 17 के संबंध में अलग-अलग बर्ताव की मांग करते हुए निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

क. शानडोंग हेंग्यु साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लिमिटेड

ख. बेस्ट चॉइस इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.

ग. शेंगताई ग्रुप कं. लि.

घ. शानडोंग जिंग्युआन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.

ड. जियांगसु जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कं. लि.

च. शानडोंग योंगताई ग्रुप कं. लि.

छ. शानडोंग जिंग्युआन टायर ग्रुप कं. लि.

ज. शानडोंग कोक्री टायर कं. लि., चीन

- झ. किंगदाओ चैंपियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.
- ज. ट्रायंगल टायर कं. लि.
- ट. शानडोंग वांडा बोटोटायर कं. लि.
- ठ. टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक.
- ड. कोरयो इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल लिमिटेड
- ढ. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि., चीन जन गण
- ण. विनशाइन इंडस्ट्रियल कं. लि.
- त. किंगदाओ नामा इंडस्ट्रियल कं. लि.
- थ. केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि.
- द. झोंगसी रबर ग्रुप कं. लि., चीन जन गण
- ध. किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि.
- न. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि.

बाजार अर्थव्यवस्था दावों की जांच

41. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांच में गैर बाजार बर्ताव का खंडन करते हुए निर्यातक की प्रश्नावली को प्रस्तुत किया है:

- क. मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि.
- ख. किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि.

मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि., चीन जन गण के उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था (एमईटी) की प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत तथा विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। इस कारण से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के संबंध में, चीन जन गण को उपर्युक्त नियमावली के संबंध में निर्यात करने वाले देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त पूर्वानुमान के खंडन के अध्यधीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।

43. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8, जिसमें संशोधन किया गया है, के अनुसार, यदि चीन जन गण के निर्यातक पैरा 8 में उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करते हैं तथा ठीक इसके विपरीत यह सिद्ध करते हैं, तब एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान का खंडन किया जा सकता है। चीन के संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षित है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित मानदंडों पर विचार करने में सक्षम बनाने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें कि क्या:

- (क) कच्चा माल, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित कीमतों, लागतों और इनपुट्स के संबंध में चीन जन गण में संबंधित प्रतिष्ठानों का निर्णय इस संबंध में बिना राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के और आपूर्ति एवं मांग को दर्शाते हुए बाजार के संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप किया जाता है और क्या प्रमुख इनपुट्स लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य को दर्शाती हैं;
- (ख) इस प्रकार के प्रतिष्ठानों के उत्पादन और वित्तीय स्थिति क्रृण के मुआवजे के माध्यम से भुगतान, परिसंपत्ति का ह्रास, अन्य बढ़े खाते डालना, वाटर व्यापार के विशिष्ट संबंध में पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से लिए गए पर्याप्त परिवर्तनों के अध्यधीन हैं।
- (ग) इस प्रकार के प्रतिष्ठान दिवालियापन और संपदा कानून के अध्यधीन हैं जो इन प्रतिष्ठानों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता एवं स्थायी की गारंटी देते हैं; तथा

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण के गुड फ्रेंड टायर कंपनी और किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे तथा निर्यातक की प्रश्नावली के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच प्रारंभ करने संबंधी सूचना और गैर बाजार अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान का खंडन किए जाने के परिणामस्वरूप उत्तर दिया है। प्रश्नावली का उत्तर तथा उत्तर देने वाले उत्पादकों तथा निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर की जांच संबद्ध वस्तुओं के उत्तर देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य के मूल्य के निर्धारण के लिए की गई थी।

45. प्राधिकारी ने मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि. और मैसर्स किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि. नामक उत्तर देने वाली कंपनियों, जिन्होंने एमईटी का उत्तर दायर किया है, जिसके साथ उन्होंने अपनी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिए जाने के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथा उल्लिखित पूर्वानुमानों का खंडन करने की मांग की, द्वारा दी गई सूचना का संज्ञान लिया है। मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि. उत्पादक और निर्यातक है जबकि मैसर्स किंगदाओ जिनहाओयांग इंटरनेशनल लि. एक निर्यातक है जो मैसर्स गुड फ्रेंड टायर कं. लि. से संबद्ध वस्तु की खरीद करता है। हालांकि, प्राधिकारी आगे एमईटी के दावे की जांच नहीं कर सका क्योंकि इन कंपनियों ने कच्चे माल के कीमत निर्धारण में राज्य के हस्तक्षेप न किए जाने के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य प्रदान नहीं किए हैं। कच्चे माल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता संयुक्त राज्य अमेरिका की एक कंपनी को छोड़कर चीन की कंपनियां हैं। इस प्रकार से, उत्तर देने वाली कंपनियों द्वारा वर्तमान जांच में दावा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था वर्तवाने को स्वीकार नहीं किया गया है। उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी वर्तमान जांच में ऊपर में उल्लेख की गई चीन की कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं देते हैं।

46. चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित के आधार पर किया गया है:

- (क) प्राकृतिक रबर, सिथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक, नाइलोन कोर्ड फैब्रिक, स्टील कोर्ड फैब्रिक और बीड वायर नामक कच्चे मालों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत (विश्व व्यापार एटलस के अनुसार चीन जन गण से/ने निर्यात/आयात कीमत अपनाई गई है)।
- (ख) रासायनिक पदार्थों और फिर से प्राप्त किए गए रबर की कीमतों पर विचार घरेलू उद्योग के आंकड़ों के आधार पर किया गया है।
- (ग) घरेलू उद्योग के सर्वाधिक कार्यक्षम घटक का खपत मानदंड।
- (घ) घरेलू उद्योग के सर्वाधिक कार्यक्षम घटक के आधार पर परिवर्तन की लागतें।
- (ङ) घरेलू उद्योग के सर्वाधिक कार्यक्षम घटक के आधार पर बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चें।
- (च) 5 प्रतिशत की दर से राष्ट्रीय लाभ पर विचार किया गया है।

निर्यात कीमत का आकलन

47. इस अधिनियम की धारा 9क(1)(घ) तथा इस नियमावली के नियम 10 में अन्य बातों के साथ-साथ किसी वस्तु के सापेक्ष "निर्यात कीमत" का निर्धारण शासित होता है:

"किसी वस्तु के संबंध में "निर्यात कीमत" का तात्पर्य निर्यातिक देश या क्षेत्र से निर्यातित वस्तु की कीमत से है अथवा ऐसे मामलों में जहां कोई निर्यात कीमत नहीं है अथवा जहां निर्यातिक और आयातिक अथवा किसी तीसरे पक्षकार के बीच सहयोग या किसी प्रतिपूरक व्यवस्था के कारण निर्यात कीमत अविश्वसनीय है, वहां निर्यात कीमत का परिकलन उस कीमत के आधार पर किया जा सकता है जिस कीमत पर आयातित वस्तुओं की प्रथम पुनः बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को की जाती है अथवा यदि उक्त वस्तु की बिक्री किसी स्वतंत्र क्रेता को नहीं की जाती है अथवा आयातित रूप में उसकी पुनः बिक्री नहीं की जाती है, वहां उसका परिकलन ऐसे उचित आधार पर किया जाता है जैसा कि उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाए;"

क. विदेशी उत्पादकों/निर्यातिकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

48. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार हैं:

- याचिकाकर्ता ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अपनाकर निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। कीमत का समायोजन कमीशन, पत्तन संबंधी खर्च, बैंक प्रभार, रख-रखाव प्रभार, अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और मूल्यवर्धित कर के आधार पर किया गया है।
- इस याचिका के अनुबंध-3.3 में यह उल्लेख किया गया है कि निम्नलिखित समायोजनों को समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन संबंधी खर्च, अंतर्देशीय भाड़ा संबंधी खर्च, बैंक प्रभार और मूल्यवर्धित कर की हानि जैसे व्यापार के उसी स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करने के उद्देश्य से किया गया है।
- याचिका में आवश्यक साक्ष्य नहीं दिए गए हैं जो निर्यात कीमत के निर्धारण का समर्थन करते हों।

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

49. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्न प्रकार से हैं:

- पाटनरोधी संबंधी विश्व व्यापार संगठन का करार और भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर की जानी चाहिए। इस प्रकार से, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना हेतु यह आवश्यक है कि व्यापार के उसी स्तर पर इन दोनों की तुलना की जाए। चूंकि, निर्यात कीमत सीआईएफ है, जबकि सामान्य मूल्य कारखानागत स्तर पर होता है, अतः निर्यात कीमतों का समायोजन समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा संबंधी खर्च, पत्तन संबंधी खर्च, बैंक प्रभार और मूल्यवर्धित कर के लिए किया गया है।
- याचिकाकर्ताओं ने निर्यात कीमत को सिद्ध करने के लिए सभी संगत सूचना उपलब्ध कराई है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने नमूने को अपनाया है और यह इन उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और साक्ष्य पर विचार कर सकता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

50. निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना उचित तुलना ही होनी चाहिए। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत, दोनों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया है और ये उसी अवधि से संबंधित हैं। विक्री की शर्तों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों कीमतें कर से मुक्त हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों कीमतों में अन्य कोई अंतर नहीं है। इस प्रकार से, याचिकाकर्ता द्वारा की गई तुलना उचित तुलना है।

51. पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से अधिक है बल्कि पर्याप्त भी है।

नमूना लिए गए उत्पादकों/निर्यातकों की निर्यात कीमत

व्यापारियों मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि. और टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक. के साथ-साथ शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

52. शानडोंग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि. (यिंबाओ) द्वारा दायर किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि यिंबाओ संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक है। जांच की अवधि के दौरान, यिंबाओ ने प्रत्यक्ष रूप से तथा दो असंबद्ध व्यापार कंपनियों अर्थात मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि. और टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक. के माध्यम से भी संबद्ध वस्तुओं का 204,09,071 किग्रा. का निर्यात किया। दोनों व्यापार कंपनियों ने अलग-अलग उत्तर दायर किया है। यिंबाओ ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, कमीशन, रख-रखाव एवं सीमा संबंधी प्रभार, बीमा, ऋण लागत, मूल्यवर्धित कर समायोजन और बैंक प्रभार के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक व्यापारी ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारत में उस कीमत पर किया है जिसमें व्यापारी के खर्च शामिल नहीं हैं। इस कारण से प्राधिकारी ने व्यापारी के खर्च के आधार पर भी उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, यिंबाओ (प्रत्यक्ष निर्यात) तथा कारखानागत स्तर पर असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है।

एयोलस टायर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

53. मैसर्स एयोलस टायर कं. लि. (एयोलस) द्वारा दायर किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि एयोलस संबद्ध वस्तुओं का एक संबंधित निर्माता किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) एयोलस ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, रख-रखाव एवं सीमा संबंधी प्रभार, बीमा, ऋण लागत, मूल्यवर्धित कर समायोजन और बैंक प्रभार के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। तदनुसार, एयोलस के लिए कारखानागत स्तर पर इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका साथ में किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) दर्शाई गई है।

शानडॉग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

54. शानडॉग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि. (हेंगफेंग) द्वारा दायर किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि हेंगफेंग संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक है। हेंगफेंग ने अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, रख-रखाव एवं सीमा संबंधी प्रभार, बीमा, ऋण लागत, मूल्यवर्धित कर समायोजन और बैंक प्रभार के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। तदनुसार, हेंगफेंग के लिए कारखानागत स्तर पर इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है।

व्यापारी मैसर्स टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक. के साथ-साथ किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

55. किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. (येलो सी) द्वारा दायर किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि येलो सी संबद्ध वस्तुओं संबंधित निर्माता एयोलस टायर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) का एक उत्पादक और निर्यातक है। जांच की अवधि के दौरान, येलो सी ने प्रत्यक्ष रूप से तथा असंबद्ध व्यापारी टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक. के माध्यम से भी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। येलो सी ने अंतर्देशीय भाड़ा, रख-रखाव एवं सीमा संबंधी प्रभार, ऋण लागत, मूल्यवर्धित कर समायोजन और बैंक प्रभार के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति प्राधिकारी द्वारा दी गई है। तदनुसार, येलो सी (प्रत्यक्ष निर्यात) तथा मैसर्स टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक. के माध्यम से कारखानागत स्तर पर इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका साथ में एयोलस टायर कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक) दर्शाई गई है।

किंगदाओ टायर इंडस्ट्रियल कं. लि. (उत्पादक/निर्यातक)

56. किंगदाओ टायर इंडस्ट्रियल कं. लि. (डबल स्टार) द्वारा दायर किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि डबल स्टार संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक है। डबल स्टार ने भारत में सामूहिक रूप से टायरों और फ्लेप, दोनों का निर्यात किया है, परंतु अपने उत्तर में फ्लेप के संबंध में सूचना नहीं दी है। इसके अलावा, डबल स्टार ने कुछ लेन-देन में सही बीजक मूल्य की सूचना नहीं दी है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी डबल स्टार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, निर्यात कीमत को स्वीकार करने में सक्षम नहीं है और यह डबल स्टार द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करते हैं। तदनुसार, डबल स्टार के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

नमूना न लिए गए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

57. उत्पादकों और निर्यातकों, जिन्होंने इस प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया था, परंतु प्राधिकारी द्वारा जिसका नमूना नहीं लिया गया था, के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार इस नियमावली के नियम 18(2) के संबंध में उपर्युक्त के अनुसार नमूना लिए गए गए निर्यातकों और उत्पादकों के पाटन मार्जिन का भारित औसत के रूप में किया गया है:

(2) उन मामलों में, जहां निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियम 17 के उप नियम (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार किसी विशिष्ट देश से इन निर्यातकों की मात्रा का प्रतिशत चयन किया है, किसी पाटनरोधी शुल्क, जो निर्यातकों अथवा उत्पादकों से किए गए आयातों पर लागू होता है और जिसे इस जांच में शामिल नहीं किया गया है, निम्नलिखित से अधिक नहीं होगा-

(i) चयन किए गए निर्यातकों अथवा उत्पादकों के संबंध में सिद्ध किए गए पाटन का भारित औसत मार्जिन अथवा

(ii) जहां पाटनरोधी शुल्कों के भुगतान के लिए दायित्व की गणना भावी सामान्य मूल्य/चयन किए गए नियर्यातकों/उत्पादकों का भारित औसत सामान्य मूल्य तथा अलग-अलग जांच न किए गए नियर्यातकों अथवा उत्पादकों की नियर्यात कीमतों के बीच के अंतर के आधार पर किया जाता है।

चीन से सभी अन्य उत्पादकों/नियर्यातकों के लिए नियर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

58. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी अन्य उत्पादक/नियर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। चीन में सभी गैर सहयोगी उत्पादकों/नियर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर नियर्यात कीमत का निर्धारण किया है और उसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है। इस प्रयोजन से, प्राधिकारी ने नमूना ली गई कंपनियों द्वारा दिए गए प्रश्नावली के उत्तर से प्राप्त आंकड़ों पर विचार किया है।

59. निर्धारित निवल एक्स वर्क्स सामान्य मूल्य की तुलना नीचे दिए गए अनुसार नमूना लिए गए इन उत्पादकों और नियर्यातकों के पाटन मार्जिन को तय करने के लिए ऊपर में निर्धारित किए गए अनुसार नमूना लिए गए उत्पादकों और नियर्यातकों की नियर्यात कीमतों से की गई है। गैर-सहकारी उत्पादक / नियर्यातक के डंपिंग मार्जिन नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आ चुके हैं।

क्रम सं.	कंपनी	सामान्य मूल्य	निवल नियर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	भारतीय रुपए/मी. टन	%
1.	नमूना न लिए गए सहयोगी उत्पादक और नियर्यातक	***	***	***	***	10-30%
2.	गैर सहयोगी उत्पादक और नियर्यातक	***	***	***	***	20-40%

60. इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

61. याचिकाकर्ताओं ने यह आरोप लगाया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण भारत में समान उत्पाद वाले घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। यह निर्धारित करने के बाद कि इन वस्तुओं का प्रवेश संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर हो रहा है, प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति, यदि कोई हो, की मात्रा और सीमा की जांच करने की कार्रवाई करते हैं।

62. इस नियमावली के नियम 11 के साथ पठित अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ... "ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

उत्पादकों/नियर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

63. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातिकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्न प्रकार से हैं:

- i. टीबीआर की बिक्री में उच्च मांग और रेडियलीकरण के साथ क्षति अधिक के दौरान 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।
- ii. आर्थिक कारक यह दर्शाते हैं कि यह सकारात्मक घटनाक्रम का अनुभव कर रहा है और यह मजबूती की स्थिति में है।
- iii. घरेलू उद्योग कच्चे मालों का आयात बहुत अधिक सीमा शुल्क के कारण उच्च कीमत पर करता है जो संरचित सामान्य मूल्य में वृद्धि करता है।
- iv. प्राकृतिक रबर की कीमत में बहुत अधिक गिरावट आई है।
- v. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट, यदि कोई हो, चीन जन गण के मूल के टीबीआर के आयातों से नहीं होती है बल्कि अन्य कारकों के कारण होती है। चीन के मूल की वस्तुओं के बाजार हिस्से में वृद्धि अपरिणामी है। जहां तक भारतीय उद्योग के कार्य निष्पादन का संबंध है और इस कारण से यह क्षति के निर्धारण के लिए यह संगत तथ्य नहीं है।
- vi. भारत में कुल टीबीआर की खपत का 7.4 प्रतिशत से कम टीबीआर का कुल आयात होता है।
- vii. हुई क्षति अनुचित प्रथाओं के कारण हुई है।
- viii. प्रतिस्थापन बाजार में टीबीआर के लिए घरेलू उद्योग द्वारा वसूली जाने वाली उच्च कीमत आयातों के कारण नहीं होता है बल्कि यह उनके द्वारा अपनाई जाने वाली कीमत निर्धारण नीति का परिणाम है।
- ix. हुई क्षति, यदि कोई हो, अन्य घरेलू उत्पादकों से प्रतिस्पर्द्धा के कारण होती है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि अन्य घरेलू प्रतियोगियों के आक्रामक कीमत निर्धारण आचरण से होती है।
- x. टीबीआर के आयात से टीबीबी को क्षति नहीं होती है क्योंकि सर्वप्रथम टीबीआर और टीबीबी आपस में परिवर्तनीय नहीं हैं और यह बाजार टीबीआर की ओर जा रहा है क्योंकि वे "उच्चतर जीवनकाल/माइलेज, निम्नतर ईंधन खपत और उन्नत सुरक्षा और राइड गुणवत्ता" प्रदान करते हैं। दूसरे, टीबीबी के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क अभी भी लागू है। तीसरे, टीबीबी के लिए बाजार रेडियलीकरण के कारण संकुचित हो रहा है।
- xi. टीबीआर के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित के विरुद्ध होगा।
- xii. याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन की क्षमता, टीबीआर के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन और क्षमता उपयोग के संबंध में नए आंकड़े, जांच के बहुत बाद के चरण में इस सूचना के संशोधन के लिए कारण का उल्लेख किए बिना लिखित अनुरोध में प्रस्तुत किया है। यह संशोधन इन सभी वर्षों के लिए किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच विशेष ध्यान देकर करेंगे।
- xiii. इसके संबंध में कोई विवाद नहीं है कि चीन जन गण से टीबीआर का आयात बढ़ता रहा है। हालांकि, जहां तक इसके कार्य निष्पादन का संबंध है, इन आयातों का घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। घरेलू उद्योग बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और घरेलू उद्योग का कोई भी आर्थिक मानदंड नकारात्मक नहीं है।
- xiv. यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है कि कीमत में कटौती का स्तर बहुत अधिक है।
- xv. टीबीआर के लिए घरेलू मांग घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता से अधिक है और यह कि इस कारण से आयात भारत में टीबीआर की बढ़ती हुई मांग का मुकाबला करने के लिए आवश्यक है।

xvi. घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता भारत में टीबीआर की सम्पूर्ण मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि भारत में टीबीआर के लिए इसकी उत्पादन क्षमता और कुल मांग के बीच 37,137 मी. टन का अंतर है।

xvii. वारंटी संबंधी खर्चे और घरेलू उद्योग द्वारा वितरकों को भुगतान किए गए ब्याज को कीमत में कटौती के निर्धारण के लिए घरेलू बिक्री कीमत से घटाया जाना चाहिए क्योंकि चीन के उत्पादक उन प्रथाओं का पालन नहीं करते हैं।

xviii. घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। तदनुसार, वे जांच की अवधि के दौरान अपने लेखा खाताओं में अपनी अतिरिक्त क्षमता का लाभ उठा लिए होते और उसकी जांच किए जाने की आवश्यकता है कि क्या जांच की अवधि के दौरान नियोजित पूंजी में ट्रायल रन खर्चे, विदेशी मुद्रा हानि और ट्रायल रन की अवधि के दौरान दिया गया ब्याज जैसे राजस्व खर्चे शामिल हैं जिसका लाभ जांच की अवधि के दौरान उठाया गया होता। यदि इस प्रकार के राजस्व खर्चे का लाभ जांच की अवधि के दौरान नहीं उठाया गया होता तब निर्दिष्ट प्राधिकारी की सतत प्रथा के अनुसार इस प्रकार के लाभ उठाए गए खर्चे पर कोई लाभ नहीं दिया जाना चाहिए।

xix. उठाई गई क्षति अनुचित प्रथाओं के कारण हुई है। उठाई गई क्षति, यदि कोई हो, अन्य घरेलू उत्पादकों से प्रतिस्पर्द्धा के कारण हुई है।

xx. आयात में वृद्धि के बावजूद, याचिकाकर्ताओं और अन्य भारतीय विनिर्माताओं ने आधार वर्ष की तुलना में 61 प्रतिशत तक उच्चतर और बढ़ी हुई उत्पादन मात्रा प्राप्त की है, 26 प्रतिशत तक उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है, 27 प्रतिशत तक उच्चतर संयंत्र/क्षमता प्राप्त की है और 60 प्रतिशत तक बिक्री की मात्रा में वृद्धि प्राप्त की है, 54 प्रतिशत तक बिक्री के मूल्य में वृद्धि प्राप्त की है। आयात की गई वस्तुओं की कीमतों का न तो घरेलू उद्योग की मात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और न ही इसने भारतीय विनिर्माताओं अथवा याचिकाकर्ताओं के कीमत निर्धारण पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

xxi. याचिकाकर्ता सहित भारतीय उत्पादकों का कार्य निष्पादन संबद्ध देश से भारत में संबद्ध आयातों की कीमतों से बिल्कुल अलग प्रवृत्ति दर्शा रहा है।

xxii. चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के आयात के कारण कथित पाटन और कीमत में कटौती एवं कीमत पर दबाव/ह्रास के बावजूद, याचिकाकर्ता एवं भारतीय विनिर्माताओं ने लाभ, नकद लाभ, ब्याज एवं कर पूर्व लाभ और नियोजित पूंजी पर आय की बहुत अधिक दर प्राप्त की है।

xxiii. ओई एवं प्रतिस्थापन क्षेत्र, दोनों में टीबीआर का उत्पादन और बिक्री में क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

छ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

64. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्न प्रकार से हैं:

- टीबीआर के आयात के कारण टीबीआर और टीबीबी का उत्पादन करने वाले और बिक्री करने वाले घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। वास्तव में टीबीआर का आयात टीबीबी की आवश्यकता को प्रतिस्थापित कर रहा है। घरेलू उद्योग को टीबीबी में बहुत अधिक क्षति हुई है और यह कि टीबीआर और टीबीबी के संबंध में घरेलू उद्योग का समग्र कार्य निष्पादन भी बिक्री की मात्रा और बाजार के हिस्से के संबंध में गिरावट को दर्शाते हैं। यह इस तथ्य के बावजूद है कि टीबीबी का कोई ज्ञात आयात नहीं होता है (जो इसके अलावा यह दर्शाता है कि देश में टीबीआर के पाटन के कारण मिश्रित कार्य निष्पादन में गिरावट हुई है)।

- ii. अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात बहुत अधिक कीमत पर होता है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य प्रतिस्थानापन्न नहीं है। संबद्ध वस्तुओं की मांग बहुत अधिक वृद्धि को दर्शा रही थी और यह एक कारक नहीं हो सकता था जिसका प्रतिकूल प्रभाव घरेलू कीमतों पर पड़ता हो।
- iii. भारत में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू मांग में सतत वृद्धि हुई है। भारत में स्वतंत्र रूप में तथा इस उत्पाद के कुल आयात, खपत/मांग और उत्पादन की तुलना में पाठित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- iv. टीबीआर की मांग बढ़ रही है और इसके फलस्वरूप आयात में वृद्धि हुई है। टीबीआर के लिए बढ़ती हुई मांग के बावजूद जांच की अवधि में क्षमता के उपयोग का निम्न स्तर यह दर्शाता है कि इस उत्पाद के पाटन ने इस उत्पाद के लिए क्षमताओं के उपयोग को रोका है।
- v. भारित औसत आयात कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से बहुत कम रही है जिसके फलस्वरूप कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है।
- vi. कीमत में कटौती का स्तर पाटनरोधी शुल्क लगाने को न्यायोचित ठहराने के लिए परस्पर बहुत अधिक है। आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में हासकारी प्रभाव पड़ा है। हालांकि, आयातों की पहुँच कीमत प्रस्तावित जांच की अवधि के दौरान बिक्री की लागत के स्तर से कम रही है। इस संबंध में यह अनुरोध किया गया है कि वर्तमान उद्योग की विचित्र प्रकृति पर विचार किए जाने की आवश्यकता है।
- vii. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन और घरेलू बिक्री के संबंध में सुधार आया है। हालांकि, घरेलू उद्योग अप्रयुक्त क्षमता धारित किए हुए हैं। घरेलू उद्योग के पास की क्षमताओं की तुलना भारत में टीबीआर की मांग से नहीं की जा सकती।
- viii. संबद्ध देश के बाजार हिस्से में क्षति की समग्र अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मांग और क्षमता में वृद्धि के बावजूद गिरावट आई है।
- ix. घरेलू उद्योग के पास माल भंडार में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। यह स्पष्ट रूप से पाटन के प्रभाव के कारण हुआ है क्योंकि संबद्ध उत्पाद के लिए इस देश में मांग में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- x. रोजगार एवं मजदूरी अन्य अनेक कारकों पर निर्भर करती है और यह घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव को नहीं दर्शाती है।
- xi. नए निवेश जुटाने की क्षमता पर इस उत्पाद के पाटन का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है क्योंकि निवेश के संबंध में निर्णय दीर्घावधि निर्णय हैं और इन पर विचाराधीन उत्पाद के लिए वर्तमान और संभावित मांग पर विचार करते हुए निर्णय लिया जाता है।
- xii. विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को इतनी अधिक क्षति हुई है कि उससे घरेलू उद्योग के समग्र ट्रक एवं बस के टायरों के प्रचालन के संबंध में बहुत अधिक क्षति हो रही है। टीबीआर और टीबीबी के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई मिश्रित सूचना उसे दर्शाती है।
- xiii. घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रतिकूल प्रभाव इतना अधिक है कि कुल ट्रक एवं बस के टायरों के प्रचालन (टीबीआर + टीबीबी) के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रतिस्थापन बाजार के लिए उत्पादन, प्रतिस्थापन बाजार में घरेलू बिक्री मात्रा और भारत में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्से के संबंध में बदतर स्थिति को दर्शाता है।
- xiv. भारत में ट्रक एवं बस के टायरों के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को टीबीआर और टीबीबी, दोनों के मामले में बहुत अधिक वास्तविक क्षति हुई है।

xv. "प्रतिस्थापन की आंशिक दर" की घटना यह सिद्ध करती है कि टीबीआर और टीबीबी स्पष्ट रूप से ग्राहकों के लिए प्रतिस्थापन योग्य हैं।

xvi. टीबीआर और टीबीबी की मांग का सह संबंध विपरीत रूप में आगे बढ़ रहा है अर्थात् टीबीआर की मांग में वृद्धि होती है तब टीबीबी की मांग में गिरावट आती है और जब टीबीबी की मांग में वृद्धि होती है तब टीबीआर की मांग में गिरावट आती है।

xvii. चीन के सीमा शुल्क आयात के आंकड़ों का उपयोग विवादित है और यह अनुरोध करता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी केवल डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात संबंधी आंकड़ों पर ही विचार करें।

xviii. हितबद्ध पक्षकार यह मानते हैं कि (क) आयात की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि हुई है, और (ख) कीमत में कटौती सकारात्मक है।

xix. सेसटेट ने टीबीआर के संबंध में पूर्व की जांच में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने को रद्द कर दिया, परंतु उच्चतम न्यायालय ने सेसटेट के आदेश के विरुद्ध दायर की गई अपील का निपटारा नहीं किया है और इस प्रकार से इसमें कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

xx. टीबीआर की विक्री की मात्रा में उच्च मांग और रेडियलीकरण के साथ क्षति की अवधि के दौरान 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। टीबीबी और टीबीआर एक वस्तु है जिसके फलस्वरूप प्रतिस्थापन हो सकता है, टीबीबी द्वारा उठाई गई क्षति की उपेक्षा नहीं की जा सकती है।

xxi. पाटित आयातों के प्रभाव को सर्वप्रथम मात्रा संबंधी मानदंड पर महसूस किया गया और जब प्रतिकूल मात्रा संबंधी प्रभाव का सामना करना पड़ा तब यह उद्योग आयात की प्रतिस्पर्द्धा के अनुरूप कीमत निर्धारण करने के संबंध में कदम उठाने तथा इनपुट की कीमतों पर विचार करने के लिए मजबूर हो जाता है।

xxii. मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आयातों के कारण हुई है जबकि आयात की मात्रा में क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध देश से लगभग 48,000 मी. टन तक वृद्धि हुई है, तीसरे देशों से आयातों की मात्रा में 10,000 मी. टन तक ही गिरावट हुई है। इसके अलावा, यह सिद्ध करता है कि चीन के उत्पादकों ने इस मांग पर कब्जा कर लिया जिस पर अगर चीन द्वारा पाटन नहीं किया गया होता तो भारतीय उद्योग द्वारा कब्जा कर लिया गया होता।

xxiii. यदि ओईएम खपत को बाहर निकाल दिया जाए तो पाटित आयातों का बाजार हिस्सा बहुत अधिक है। कुल मिलाकर चीन के उत्पाद ने पहले ही बहुत बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

65. घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करने के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, की जांच की है।

66. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥। में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में स्वतंत्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

67. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II का पैरा (iv) में निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:

“संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का मूल्यांकन शामिल है, जिनमें लाभ, आउटपुट, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर वापसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, वास्तविक पाटन मार्जिन की मात्रा और नकदी प्रवाह पर संभावित ऋणात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता सम्मिलित है।”

68. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार एवं मात्रा आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सूचकांकों पर विचार किया गया है।

घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव

(क) कीमत प्रभाव

69. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या भारत में स्वतंत्र रूप में अथवा उत्पादन या खपत की तुलना में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित प्रावधान है:

“पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय, उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में स्वतंत्र रूप में अथवा उत्पादन या खपत की तुलना में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।”

i. मांग/प्रत्यक्ष खपत का आकलन

70. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन से सभी स्रोतों से आयातों तथा भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री के योग के रूप में भारत में इस उत्पाद की मांग/प्रत्यक्ष खपत को परिभाषित किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस उत्पाद की मांग बढ़ती हुई प्रवृत्ति को दर्शाती है।

क्रम सं.	विवरण	यूआर्एम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई (ए)
(i)	संबद्ध देश - चीन	मी. टन	4,146	12,500	30,665	52,092
	सूचीबद्ध		100	301	740	1,256
(ii)	अन्य देश	मी. टन	21,724	21,124	13,875	11,809
	सूचीबद्ध		100	97	64	54
(iii)	घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री	मी. टन	1,37,402	1,56,918	1,99,358	2,18,442
	सूचीबद्ध		100	115	146	160
(iv)	अन्य भारतीय उत्पादक	मी. टन	57,505	76,117	1,20,971	1,20,659
	सूचीबद्ध		100	132	210	210
(V)	समग्र रूप में घरेलू उत्पादक	मी. टन	1,94,907	2,33,035	3,20,329	3,39,101
	सूचीबद्ध		100	120	164	174
	कुल मांग	मी. टन	2,20,777	2,66,659	3,64,869	4,03,002
			100	122	166	183

ii. स्वतंत्र रूप में वृद्धि

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का आयात क्षति की पूरी अवधि के दौरान स्वतंत्र रूप में बहुत अधिक बढ़ गया है। इसके अलावा, जबकि चीन के आयातों में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई, गैर चीनी आयातों में क्षति की अवधि के दौरान बहुत तेजी से गिरावट आई। भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में चीन के हिस्से में क्षति की अवधि के दौरान बहुत तेजी से वृद्धि हुई है।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई (ए)
1	आयात मात्रा					
(i)	संबद्ध देश - चीन	मी. टन	4,146	12,500	30,665	52,092
(ii)	अन्य देश	मी. टन	21,724	21,124	13,875	11,809
	कुल	मी. टन	25,870	33,624	44,540	63,901
2	आयात में हिस्सा					
(i)	संबद्ध देश - चीन	%	16.03%	37.18%	68.85%	81.52%
(ii)	अन्य देश	%	83.97%	81.65%	53.63%	45.65%
	कुल	%	100	232	430	509

iii. बाजार हिस्सा

72. विभिन्न स्रोतों से आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्री पर विचार करते हुए, भारत में मांग के संबद्ध आयातों में बाजार हिस्से की जांच की गई थी। चीन से पाटित आयातों के हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई। इसके फलस्वरूप, घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई (ए)
(i)	संबद्ध देश - चीन से आयात का बाजार हिस्सा	%	1.88	4.69	8.40	12.93
	सूचीबद्ध		100	250	448	688
(ii)	अन्य देश	%	9.84	7.92	3.80	2.93
	सूचीबद्ध		100	81	39	30
(iii)	घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री का हिस्सा	%	62.24	58.85	54.64	54.20
	सूचीबद्ध		100	95	88	87
(iv)	अन्य भारतीय उत्पादक	%	26.05	28.54	33.15	29.94
	सूचीबद्ध		100	110	127	115
(V)	समग्र रूप में घरेलू उत्पादक	%	88.28	87.39	87.79	84.14
	सूचीबद्ध		100	99	99	95
	कुल	%	100	100	100	100

(ख) कीमत प्रभाव

73. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित निर्धारण किया गया है:

"नियम 18 के उप-नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के कारण कीमतों का अत्यधिक हास हुआ है अन्यथा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।"

74. तदनुसार, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती, कीमत पर दबाव/हास तथा कम कीमत पर बिक्री के विशेष संदर्भ में की गई है।

i. कीमत कटौती

75. कीमत में कटौती का निर्धारण चीन से निर्यात कीमत की तुलना भारत में घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमत से करते हुए किया गया है। भारित औसत आयात कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से बहुत कम कीमत पर हुई हैं जिसके फलस्वरूप 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि के दौरान कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है। हालांकि, 2012-13 के दौरान कीमत में कटौती नकारात्मक थी। इसके अलावा, 2014-15 और जांच की अवधि के दौरान कीमत में कटौती की गिरती हुई प्रवृत्ति दृष्टिगत है।

76. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि कीमत में कटौती का निर्धारण उत्पाद शुल्क पर विचार करते हुए किया जाए। हालांकि, प्राधिकारी ने कीमत में कटौती का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सतत पद्धति के अनुसार आयात किए गए उत्पाद तथा घरेलू वस्तु के आकलन योग्य मूल्य पर प्रतिकारी शुल्क/उत्पाद शुल्क नहीं जोड़ते हुए किया है।

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत में कटौती का स्तर घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रतिकूल कीमत प्रभाव के बारे में जांच करने तथा इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए परस्पर बहुत अधिक है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आयात मात्रा	मी. टन	4,146	12,500	30,665	52,092
आयातों की पहुँच कीमत	रु./मी. टन	241289	172269	168577	166306
निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	रेंज	(10)-(15)	20-25	20-25	20-25

ii. कीमत दबाव/मंदी

78. घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री की कीमत तथा आयातों की पहुँच कीमत की तुलना यह दर्शाती है कि ये आयात घरेलू उद्योग की कीमतों पर बहुत अधिक मात्रा में दबाव नहीं बना रहे थे। हालांकि, आयातों की पहुँच कीमत 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री की कीमत के स्तर से कम स्तर पर हुई है। हालांकि, 2012-13 के दौरान पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री की कीमत से अधिक कीमत पर हुई है। यह भी नोट किया गया है कि जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत और बिक्री की कीमत में क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है, बिक्री की लागत में कमी की दर बिक्री कीमत से अधिक है। घरेलू और आयात किए गए उत्पादों को अपना रहे हैं।

मानदंड	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	99	87	85
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	101	97	95
आयातों की पहुँच कीमत	रु./मी. टन	241289	172269	168577	166306
सूचीबद्ध		100	71	70	69

iii. कम कीमत पर बिक्री

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हुई है:

विवरण	यूनिट	पीओआई
आयातों की पहुँच कीमत	रु./मी. टन	166306
क्षति रहित कीमत (टीटीएफ)	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज%	10-20

मात्रा प्रभाव और कीमत प्रभाव का अवलोकन

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में स्वतंत्र रूप में और उत्पादन एवं खपत, दोनों की तुलना में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। आयातों से घरेलू कीमतों में बहुत अधिक मात्रा में कटौती हो रही है, जबकि आयातों से आंशिक रूप से बाजार में घरेलू उद्योग कीमतों पर दबाव पड़ रहा था। आयातों की पहुँच कीमत जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत के स्तर से बहुत कम पर हुआ है।

ज. घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले आर्थिक मानदंड

81. इस नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में इस प्रकार के उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। इस प्रकार के उत्पादों पर घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आया अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों, संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाठन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।

82. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच की है।

(क) क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा

83. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री की मात्रा पर विचार किया है और वे नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं:

- i. घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि की है। इस उत्पाद के लिए वर्तमान एवं संभावित मांग पर विचार करते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार के पास क्षमता बढ़ाने के लिए पर्याप्त अवसर हैं।
- ii. घरेलू उद्योग का उत्पादन और घरेलू बिक्री में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है। विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के क्षमता के उपयोग में भी सुधार आया है। हालांकि, आयात और मांग में वृद्धि घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि से अधिक थी।

मानदंड	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
क्षमता	मी. टन	205,259	239,859	249,387	263,741
उत्पादन	मी. टन	146,986	183,014	215,528	236,290
सूचीबद्ध		100	125	147	161
क्षमता उपयोग	%	71.61	76.30	86.42	89.59
घरेलू बिक्री	मी. टन	136,560	157,516	199,358	218,443
सूचीबद्ध		100	115	146	160

(ख) लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ

84. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ के संबंध में की गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक सुधार हुआ है। पाटित आयातों का लाभ, नकद लाभ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था। घरेलू उद्योग की नियोजित पूंजी पर लाभ में भी क्षति की अवधि और जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है। यद्यपि, पूर्व वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में आंशिक गिरावट आई है। हालांकि, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को देश में इस उत्पाद के पाटन न होने की स्थिति में उच्चतर लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर लाभ हुआ होता।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए
प्रति यूनिट लाभ	रु./मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	690	2047	2224
नकद लाभ	रुपए करोड़	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	203	426	501
नकद लाभ	रु./मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	163	291	312
ब्याज पूर्व लाभ	रुपए करोड़	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	180	350	394
निवेश पर लाभ	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	181	322	312

(ग) भंडार/मालसूची

85. घरेलू उद्योग के पास माल भंडार में क्षति की अवधि तथा जांच की अवधि के दौरान कुछ हद तक वृद्धि हुई है।

स्टॉक (मात्रा)	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए
प्रारंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	101	133	104
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	131	101	162
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	116	117	133

(घ) रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

86. रोजगार तथा घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी एवं उत्पादकता में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस कारण से ऐसा प्रतीत होता है कि पाठित आयातों ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता की प्रवृत्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डाला है। हालांकि, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ये मानदंड अनेक अन्य मानदंडों पर निर्भर करते हैं और ये घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव को नहीं दर्शते हैं।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई-ए
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	125	136	143
मजदूरी	रुपए करोड़	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	145	177	204
प्रति यूनिट मजदूरी	रु./मी. टन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	117	121	127
उत्पादकता					
प्रति कर्मचारी	मी. टन/संख्या	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	100	107	113
प्रति दिन	मी. टन/दिन	***	***	***	***
सूचीबद्ध		100	125	147	161

(ङ) वृद्धि

87. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के वृद्धि मानदंडों की जांच यह दर्शाती है कि जबकि पाठित आयातों का बाजार हिस्से के संबंध में घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, घरेलू उद्योग ने उत्पादन,

विक्री, विक्री की लागत, लाभ, लाभ की दर आदि जैसे विभिन्न मानदंडों के संबंध में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

विवरण	यूआएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
उत्पादन	%		24.5	17.76	9.63
विक्री	%		14.20	27.05	9.57
आरओआई	%		80.84%	77.83%	-2.93%
बाजार हिस्सा – घरेलू उद्योग	%		-1.47	-1.3	-0.09
बाजार हिस्सा-कुल घरेलू उद्योग	%		-0.91	-0.86	-1.96

(च) पाटन मार्जिन का निर्धारण

88. नमूने लिए गए उत्तर देने वाले उत्पादक/निर्यातक का प्रत्येक के संबंध में पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है, बल्कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाए गए अनुसार बहुत अधिक भी है।

उत्पादक	निर्यातक	भारत को निर्यात (मी. टन)	सामावन्य मूल्य अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	निर्यात कीमत अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	पाटन मार्जिन अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	पाटन मार्जिन भारतीय रूपए प्रति मी. टन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेज
शानडोग यिंवाओ टायर ग्रुप कं. लि.	त्र. शानडोग यिंवाओ टायर ग्रुप कं. लि. प. मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि. फ. टायरमार्ट (किंगदा ओ) इंक.	***	***	***	***	***	***	10-30%
एयोलस टायर कं. लि.	एयोलस टायर कं. लि.							
किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	6. किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. 7. टायरमार्ट (किंगदा ओ) इंक.	***	***	***	***	***	***	0-20%
शानडोग हेंगफेंग रबर एंड	शानडोग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक	***	***	***	***	***	***	0-20%

प्लास्टिक कं. लि.	कं. लि.						
----------------------	---------	--	--	--	--	--	--

(छ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयात की गई सामग्री की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमत से बहुत कम है जिसके कारण प्रतिस्थापन बाजार में बाजार हिस्से की हानि हो रही है क्योंकि उपभोक्ता घरेलू टायरों के स्थान पर चीन के टायरों को बढ़ते हुए रूप में अपना रहे हैं। इसके अलावा, अन्य देशों से संबद्ध देशों का आयात अपेक्षाकृत अधिक कीमतों पर होता है।

(ज) नए निवेश जुटाने की क्षमता

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नए निवेश जुटाने की क्षमता पर इस उत्पाद के पाठन का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि निवेश संबंधी निर्णय दीर्घावधि निर्णय होते हैं और इनके लिए विचाराधीन उत्पाद हेतु वर्तमान एवं संभावित मांग पर विचार करते हुए निर्णय लिया जाता है। हालांकि, विचाराधीन उत्पाद की दीर्घावधि व्यवहार्यता मजबूत लाभप्रद व्यापार पर निर्भर करती है।

क्षति के संबंध में निष्कर्ष

91. वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदंडों पर विचार करते हुए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- क. संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों में स्वतंत्र रूप में वृद्धि हुई है।
- ख. जबकि संबद्ध आयातों के हिस्से में बहुत अधिक वृद्धि हुई है लेकिन तीसरे देशों से आयातों के हिस्से में गिरावट आई है।
- ग. संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों में भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।
- घ. संबद्ध वस्तुएं बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रही हैं।
- ड. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- च. घरेलू उद्योग के पास माल भंडार में कुछ सीमा तक वृद्धि हुई है।
- छ. लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूँजी पर लाभ में इस अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से सुधार हुआ है।
- ज. चीन से आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमत और बिक्री की लागत से कम है।

क्षति का आकार और क्षति मार्जिन

92. संबद्ध देश से आयातों की पहुँच मूल्य से तुलना करने पर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक क्षति मार्जिन को दर्शाती है। घरेलू उद्योग की निर्धारित एनआईपी की तुलना नमूने लिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के पहुँच मूल्य से की गई है ताकि नीचे दिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन को नीचे दिए गए अनुसार तय किया जा सके। निम्नलिखित तालिका जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक क्षति मार्जिन को दर्शाती है: गैर-सहकारी उत्पादक / निर्यातक की क्षति मार्जिन नीचे दिए गए विवरण के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आ चुके हैं:

उत्पादक	निर्यातक	भारत को निर्यात (मी. टन)	क्षति रहित कीमत अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	पहुँच मूल्य अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	क्षति मार्जिन अमेरिकी डॉलर प्रति मी. टन	क्षति मार्जिन भारतीय रुपए प्रति मी. टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज
शानडोग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि.	1. शानडोग यिंबाओ टायर ग्रुप कं. लि. 2. मैसर्स केनटॉप इंटरनेशन ल (यिंगदाओ) कं. लि. 3. टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक.	***	***	***	***	***	***	15- 30%
एयोलस टायर कं. लि.	एयोलस टायर कं. लि.							
किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	1. किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि. 2. टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक.	***	***	***	***	***	***	10- 25%
शानडोग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.	शानडोग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.	***	***	***	***	***	***	10- 25%

93. नमूने न लिए गए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण नमूने लिए गए उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारित औसत क्षति मार्जिन के आधार पर किया गया है और गैर सहयोगी उत्पादक और निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

क्रम सं.	कंपनी	एनआईपी	पहुँच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	भारतीय रुपए/मी. टन	%
3.	नमूना न लिए गए सहयोगी उत्पादक और निर्यात	***	***	***	***	20-30
4.	गैर सहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	30-40

94. इस नियमावली के संबंध में, प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि क्षति से संबंधित विभिन्न मानदंड सामूहिक रूप से और संचयी रूप से यह सिद्ध करते हैं कि ये आयात घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुँचा रहे हैं। इसको देखते हुए, क्षति के खतरे का विश्लेषण आवश्यक प्रतीत नहीं होता है।

ज. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

ज.1 उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

95. इस संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- i. क्षति और कथित आयात के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग को अन्य कारकों के कारण क्षति नहीं हो रही है। कोई भी आर्थिक संकेतक कीमत के मोर्चे पर और मात्रा के मोर्चे पर किसी वास्तविक क्षति को छोड़ देने पर किसी क्षति का संकेत नहीं दर्शाता है। आर्थिक संकेतक संबंधित संबद्ध वस्तुओं में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन और संबद्ध वस्तुओं के आयात के बीच कोई सह संबंध नहीं दर्शते हैं क्योंकि कीमतों में विक्री की मात्रा के बिना किसी गिरावट के स्वतंत्र रूप से वृद्धि हुई है।
- ii. आयातों की मात्रा में वृद्धि तथा कीमत में कटौती की मौजूदगी मात्र इस कारण से पर्याप्त नहीं है। यह दर्शाना आवश्यक है कि कीमतों का घरेलू उद्योग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
- iii. घरेलू उद्योग एक विकास कर रहा उद्योग है और यह कमजोर होने अथवा बर्बाद होने की स्थिति में नहीं है और इसे कोई क्षति नहीं हो रही है।
- iv. आर्थिक कारक यह दर्शते हैं कि यह सकारात्मक घटनाक्रम का अनुभव कर रहा है और यह मजबूत स्थिति में है।
- v. घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत टीबीआर उत्पादन की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के लिए भुगतान की गई कीमतों के कारण अधिक है।
- vi. घरेलू उद्योग कच्चे मालों का बहुत अधिक सीमा शुल्क के कारण अधिक कीमत पर आयात करता है।
- vii. भारत प्राकृतिक रबर पर 20 प्रतिशत सीमा शुल्क और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाता है। इन शुल्कों को अंततः घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई टीबीआर की कीमत में दर्शाया जाता है।
- viii. टीबीआर का कुल आयात भारत में टीबीआर की कुल खपत का 7.4 प्रतिशत से कम होता है।
- ix. उठाई गई क्षति अनुचित प्रथाओं के कारण हुई है।
- x. प्रतिस्थापन बाजार में टीबीआर के लिए घरेलू उद्योग द्वारा वसूली जाने वाली उच्च कीमत आयातों के कारण नहीं होती है बल्कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई कीमत निर्धारण नीति का परिणाम होता है।
- xi. कथित क्षति चीन जन गण से टीबीआर के आयातों को छोड़कर अन्य कारकों द्वारा होती है।
- xii. उठाई गई क्षति, यदि कोई हो, अन्य घरेलू उत्पादकों से प्रतिस्पर्द्धा के कारण होती है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट अन्य घरेलू प्रतियोगियों के आक्रामक कीमत निर्धारण आचरण के कारण होती है।
- xiii. टीबीआर के आयात के कारण टीबीबी को क्षति नहीं होती है क्योंकि सर्वप्रथम टीबीआर और टीबीबी अंतर परिवर्तनीय नहीं हैं और यह बाजार टीबीआर की ओर बढ़ रहा है क्योंकि वे "उच्चतर जीवनकाल/माइलेज, निम्नतर ईंधन खपत और उन्नत सुरक्षा एवं राइड गुणवत्ता" प्रदान करते हैं। दूसरा, 2007 से टीबीबी के आयातों पर लगाया गया पाठनरोधी शुल्क अभी भी लागू है।
- xiv. टीबीआर के आयातों पर पाठनरोधी शुल्क लगाना जनहित के विरुद्ध होगा।

xv. घरेलू उद्योग ने टीबीआर के स्थान पर टीबीबी में निवेश करके कमजोर रणनीतिक निर्णय किए हैं। घरेलू उद्योग काफी समय से टीबीबी पर ध्यान केंद्रित करता रहा है और इसने हाल ही में टीबीबी के लिए बढ़ती हुई मांग का मुकाबला करने हेतु अपनी टीबीआर की क्षमता में वृद्धि करने के लिए निवेश किया है। घरेलू उद्योग द्वारा वसूली जाने वाली कीमतें उत्पादन की लागत में गिरावट को नहीं दर्शाती हैं।

xvi. प्राकृतिक रबर की कीमतों में भारतीय रबर बोर्ड द्वारा दी गई सूचना के अनुसार जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है। प्राकृतिक रबर टीबीआर के उत्पादन की लागत का प्रमुख तत्व है और यह उत्पादन की कुल लागत का लगभग 30 प्रतिशत होता है।

xvii. इस कारण से कीमत में किसी प्रकार की कटौती घरेलू उद्योग द्वारा स्वयं के कारण से हुई है जो अपनी बिक्री की कीमतों में उत्पादन की निम्नतर लागत को दर्शाने से इंकार करती है।

ज.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

96. इस संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्न प्रकार से हैं:

- संबद्ध देश को छोड़कर अन्य देशों से आयात या तो मामूली हैं अथवा आयात की कीमतें अपेक्षाकृत अधिक हैं और इस कारण से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
- घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन और उसकी क्षति की जांच उस सीमा तक घरेलू बिक्री प्रचालनों के संबंध में की गई, जहां तक यह संभव है। इस कारण से घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।
- विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रिया में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग को क्षति के कारण नहीं है।
- याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन किए जा रहे और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है। किसी भी हालत में याचिकाकर्ता इस पर विचार करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सूचना वर्तमान उद्देश्य से केवल संगत सूचना है और याचिकाकर्ता ने इस सूचना को घरेलू उद्योग के रूप में उपलब्ध कराया है।
- कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।
- इस बात को छोड़कर कि टीबीबी के उपभोक्ताओं ने टीबीबी की बिक्री कीमत से कम कीमत पर इन टायरों के उपलब्ध होने को देखते हुए आयातित टीबीआर को अपनाना शुरू कर दिया है, विचाराधीन उत्पाद के खपत के पैटर्न में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। खपत के पैटर्न में परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग ने क्षति का दावा नहीं किया है। वास्तव में संबद्ध वस्तुओं की मांग संगत अवधि के दौरान बढ़ी है।

I. प्राधिकारी द्वारा जांच

97. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी से अन्य बातों के साथ-साथ यह अपेक्षित है कि वे पाटित आयातों को छोड़कर किसी ज्ञात कारकों की जांच करें जो साथ ही साथ घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा हो ताकि इन अन्य कारकों द्वारा पहुँचाई गई क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं हो सकती है। वे कारक, जो इस संबंध में संगत हो सकते हैं, में अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेची गई आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में संक्चन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, घरेलू और विदेशी उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और प्रतिस्पर्द्धा, प्रौद्योगिकी का विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता शामिल है। इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध मानदंडों को छोड़कर इन सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी। यह पाया गया था कि:

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि में तीसरे देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा बहुत कम थी। इसके अलावा, तीसरे देशों से आयात की कीमत जांच की अवधि के दौरान चीन से आयात कीमत की तुलना में अधिक है। इस प्रकार से, तीसरे देशों से आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती थी।

(ख) निर्यात निष्पादन

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और तब जांच की अवधि के दौरान इसमें 10.84 प्रतिशत तक गिरावट आई है। हालांकि, निर्यात लाभप्रदता को अलग कर दिया गया है और घरेलू प्रचालनों के संबंध में केवल लाभप्रदता पर विचार किया गया है।

(ग) प्रौद्योगिकी का विकास

100. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी के विकास के संबंध में किसी मसले को घरेलू उद्योग को क्षति का कारण होने के रूप में नहीं उठाया है।

(घ) कंपनी के अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन

101. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकार्का द्वारा उत्पादन किए जा रहे और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं प्रतीत होता है।

(ङ) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा

102. संबद्ध वस्तुओं का आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं है और इस देश में उसका स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। घरेलू उत्पादक संबद्ध वस्तुओं की पहुँच कीमतों से प्रतिस्पर्द्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत पर संबद्ध वस्तुओं की पहुँच कीमत का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा इस बात को दर्शनी के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्द्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन हुआ है।

(च) मांग में संकुचन और खपत की पद्धति में परिवर्तन

103. यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।

II. कारणात्मक संबंध के लिए विश्लेषण किए गए कारक

104. क्षति अवधि पर घरेलू उद्योग के प्रदर्शन का विश्लेषण बताता है कि विषय देश से पंप आयात के कारण घरेलू उद्योग का प्रदर्शन खराब हो गया है। डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग में होने वाली चोटों के बीच होने वाले सम्बन्ध निम्नलिखित आधार पर स्थापित किए गए हैं:

- क. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में जांच की समग्र अवधि की तुलना में स्वतंत्र रूप में वृद्धि हुई है।
- ख. आयात से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।
- ग. पाटित आयातों द्वारा हो रही कीमत में कटौती के फलस्वरूप आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट हो रही है।

105. पूर्व में उल्लेख किए गए तथ्यों और विश्लेषण से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग को चीन से पाटित आयातों के कारण बहुत अधिक क्षति हुई है।

ट. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं से होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा में पाटनरोधी उपायों, विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क को लगाना उस राशि तक सीमित रखा जाए जो घरेलू उद्योग को क्षति का निवारण करने के लिए आवश्यक हो, कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों को लगाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभ को दूर किया जाएगा, घरेलू उद्योग की गिरावट को रोका जाएगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

107. पाटनरोधी उपायों को लगाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयातों पर रोक नहीं लगेगी और इस कारण से उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

108. प्राधिकरण द्वारा जांच के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकरण द्वारा इकट्ठा किए गए जांच के आवश्यक तथ्यों और विश्लेषण किए गए दलों को इन तथ्यों पर उनकी टिप्पणियों की पेशकश करने के लिए इन पार्टियों को घोषित किया गया था।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां प्रस्तुत करना:

109. प्रकटन पश्चात अनुरोध हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए हैं। उनमें उठाए गए अधिकतर मुद्दे जांच के दौरान भी पूर्व में उठाए गए हैं और उनका समाधान उपयुक्त रूप से कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अनुरोधों का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है:

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

110. प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित टिप्पणियां घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई हैं:

क. प्राधिकारी से यह अनुरोध किया गया है कि वे सार्थक टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए घरेलू उद्योग को सक्षम बनाने हेतु संबद्ध देश से निर्यातिकों/उत्पादकों की सत्यापन रिपोर्ट का एनआईपी और अगोपनीय पाठ प्रकट करें। मेल अथवा पत्र के द्वारा विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को भेजे गए सभी पत्रों तथा इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए उत्तरों की प्रति भी घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सामान्य मूल्य (चूंकि, यह घरेलू उद्योग के आंकड़ों तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध/उपयोग में लाए गए सूचनाओं पर आधारित है) और वास्तविक पाटन मार्जिन को भी घरेलू उद्योग को प्रकट किया जाना चाहिए।

ख. निर्धारित सामान्य मूल्य बहुत कम है और याचिकाकर्ता प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि वे घरेलू उद्योग को सामान्य मूल्य की गणना को प्रकट करें क्योंकि वह घरेलू उद्योग के आंकड़ों तथा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध/उपयोग में लाई गई सूचना पर आधारित है। नमूना लिए गए निर्यातिकों की निरयात कीमत के संबंध में, याचिकाकर्ताओं ने इस प्राधिकारी को कतिपय साक्ष्य उपलब्ध कराए थे। याचिकाकर्ता यह समझने में सक्षम नहीं हो पाए हैं कि क्या निर्यातिकों द्वारा किए गए दावे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुरूप हैं अथवा इस प्रकार की अन्य सूचना (डीजी पद्धति आंकड़े), क्योंकि यह निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध है।

ग. प्रकटन विवरण में एक उत्पादक के लिए तीन पाटन मार्जिन शामिल हैं। प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे प्रत्येक ज्ञात उत्पादक के लिए अलग-अलग पाटन का निर्धारण करें। इस कारण से, इस ज्ञात उत्पादक का तीन अलग-अलग पाटन मार्जिन और तीन पाटनरोधी शुल्क नहीं हो सकते हैं।

घ. याचिकाकर्ताओं ने क्षति के खतरे के संबंध में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है और इस कारण से निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अनुरोध है कि वे अंतिम जांच परिणाम में कृपया उस पर विचार करें।

ङ. प्राधिकारी ने इस पर विचार नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए गए और आपूर्ति किए गए टीबीबी टायर आयात किए गए टीबीआर टायर की एक समान वस्तु है। चीन का टीबीआर टायर वास्तव में घरेलू टीबीबी टायर के बाजार के प्रतिस्थापित कर रहा है और इससे टीबीबी टायर के घरेलू बाजार को क्षति हो रही है।

च. चूंकि, सीमा शुल्क संबंधी वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी शुल्क तालिका में कृपया इस बात का उल्लेख करें कि विचाराधीन उत्पाद पर सीमा शुल्क के वर्गीकरण पर विचार किए बिना शुल्क लगना चाहिए। घरेलू उद्योग को पिछले कुछ समय से क्षति उठानी पड़ रही है। टीबीआर के आयात से ट्रक और बस के टायरों – टीबीआर और टीबीबी, दोनों का उत्पादन करने और बिक्री करने वाले घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

छ. आयातों में अत्यधिक वृद्धि तथा कीमत में कटौता का प्रभाव अंततोगत्वा कीमतों और लाभों के संबंध में महसूस किया गया था। जांच की अवधि के बाद लाभों में गिरावट उसको सिद्ध करती है।

ज. निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों की जांच पर विचार करें।

झ. प्राधिकारी खंड वार विश्लेषण पर विचार करें। ओईएम खंड और प्रतिस्थापन खंड के संबंध में विश्लेषण पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया गया है।

ज. प्राधिकारी ने तिमाही विश्लेषण नहीं किया है। न केवल प्राधिकारी द्वारा की गई विगत जांच और सेसटेट का निर्णय यह सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की तिमाही जांच उपयुक्त है बल्कि पाटन के संभावित प्रभावों की आवश्यकता आगे इस बात का समर्थन करती है कि जांच की अवधि के भीतर घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का तिमाही विश्लेषण घरेलू उद्योग पर पाटन के संभावित प्रभावों को सिद्ध करने के लिए संगत और उपयुक्त है।

ट. याचिकाकर्ता पुनः इस बात को दोहराते हैं कि क्षति के खतरे के विभिन्न मानदंड वर्तमान मामले में मौजूद हैं जिनकी पुष्टि नीचे दिए गए अनुसार पूर्व में किए गए अनुरोधों में की गई है:

- i. पाटित आयातों की वृद्धि की दर बहुत अधिक है जो संबद्ध वस्तुओं के बहुत अधिक बढ़े हुए आयात की संभावना को दर्शाती है।
- ii. दिसंबर, 2015 के बाद आयातों में बढ़ती हुई प्रवृत्ति को दर्शाया है।
- iii. घरेलू उद्योग और भारतीय उद्योग की कुल मिलाकर क्षमता के उपयोग में गिरावट आई है।
- iv. यह उद्योग अपनी क्षमता का सतत रूप से विस्तार कर रहा है जिसे इस उद्योग के पास बढ़ती हुई क्षमताओं से देखा जा सकता है। बिक्री की मात्रा और उत्पादन में जांच की अवधि के अंत में गिरावट को देखते हुए अत्यधिक क्षमताओं, जिनका सृजन किया जा रहा है, से संभवतः देश में पाटन के फलस्वरूप क्षति होगी।
- v. कीमत में पर्याप्त कटौती यह सिद्ध करती है कि आयात उन कीमतों पर हो रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर हासपूर्ण और मंदी संबंधी बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा और इससे संभवतः आगे के आयातों के लिए मांग में वृद्धि होगी। जांच की अवधि की बाद की अवधि में बढ़ता हुआ आयात स्पष्ट रूप से उसे सिद्ध करता है।
- vi. भारत सरकार द्वारा चीन के निर्यातकों को दी जा रही बीआईएस लाइसेंस की बढ़ती हुई संख्या स्पष्ट रूप से इस बात को सिद्ध करती है कि आयातों की मात्रा में वृद्धि होना संभावित है। अधिक से अधिक कंपनियां अपने उत्पाद को भारत में निर्यात करने के उद्देश्य से बीआईएस लाइसेंस ले रही हैं।
- vii. वर्तमान में केवल 115 निर्यातकों ने भारत में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। हालांकि, अन्य 1994 निर्यातक हैं जिन्होंने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात विश्व के विभिन्न भागों में किया है।
- viii. विभिन्न देशों में चीन से बहुत अधिक निर्यात इस खतरे को दर्शाता है कि पाटन से भारतीय उद्योग को क्षति हो सकती है। भारत में चीन का वर्तमान आयात पूरे विश्व में चीन के कुल निर्यात का 1.8 प्रतिशत मात्र है। निर्यात में बमुश्किल 1 प्रतिशत की वृद्धि का मतलब यह है कि 47000 मी. टन का अतिरिक्त निर्यात किया गया है।
- ix. चीन में अधिशेष क्षमताएं और भारत में निर्यात की संभावना चीन में पर्याप्त रूप से स्वतंत्र निपटान योग्य क्षमता को दर्शाती है और यह किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता पर विचार करते हुए भारतीय बाजारों में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए पाटित आयातों की संभावना को सिद्ध करती है।
- x. संबद्ध देश से तीसरे देशों में विचाराधीन उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर हुआ है।
- xi. चीन के पास विश्व भर में बहुत अधिक निर्यात उन्मुखीकरण है। आयात किए गए उत्पाद और घरेलू उत्पाद की कीमतों में वर्तमान अंतर बहुत अधिक है और इससे आयातों के लिए मांग में वृद्धि होने की संभावना है। संबद्ध देश के पास पर्याप्त रूप से स्वतंत्र निपटान योग्य क्षमताएं उपलब्ध हैं जिससे आसन्न खतरा उत्पन्न हो रहा है। चीन ने बहुत अधिक क्षमताएं निर्मित की हैं और इसने क्षमताओं के

और अधिक विस्तार की योजना बनाई है। क्षमता और उत्पादन में इतनी अधिक वृद्धि निकट भविष्य में भी जारी रहेगी। इसकी पूरी संभावना है कि यह निर्यातिक को अपना बाजार वैश्विक रूप से विस्तार करेगा और विशेष रूप से भारत में विस्तार करेगा जिसके पास बहुत अधिक बढ़ती हुई मांग है।

- xii. चीन वैश्विक उत्पादन का एक चौथाई से अधिक उत्पादन करता है और यह अब टायरों का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातिक है।
- xiii. चीन से संबद्ध वस्तुओं की आयात की कीमत में क्षति की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट आई है। यह गिरावट अमेरिकी डॉलर में बहुत अधिक है।
- xiv. चीन के प्रतिष्ठानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्राकृतिक रबर की खरीद करने के लिए बहुत अधिक निवेश किया गया है जिसने चीन के उत्पादकों को कम कीमतों पर विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने और उसकी बिक्री करने में सक्षम बनाया है। चीन की कंपनियों ने मुख्य रूप से विदेश में अर्थात थाइलैंड, मलेशिया, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया और कैमरून में रबर का पौधारोपण किया है।
- xv. चीन से आयात की कीमत में गिरावट कड़े माल की लागत (प्राकृतिक रबर) में गिरावट से बहुत अधिक है।
- xvi. जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के बाद में आयातों में तिमाही दर तिमाही प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से यह सिद्ध करती है कि चीन से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि होने की संभावना है।
- xvii. कुछ अन्य देशों जैसे ब्राजील, तुर्की, कोलियंबिया, मिस्र, संयुक्त राज्य अमेरिका ने या तो चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाया है अथवा पाटनरोधी जांच शुरू की है।
- xviii. घरेलू उद्योग के पास माल भंडार के स्तर में उसी अवधि के दौरान आयातों में पर्याप्त वृद्धि के साथ जांच की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण बहुत अधिक सीमा तक अपने उत्पाद की बिक्री करने से रोका गया था।
- xix. चीन की सरकार द्वारा टायर उद्योगों को दी जा रही भारी सम्बिद्धि चीन की कंपनियों को कम कीमतों पर निर्यात करने में सक्षम बना रही है।
- xx. चीन की कंपनियों को अनुसंधान एवं विकास के नाम पर कर राहत प्राप्त हो रही है जिससे वे कम कीमतों पर निर्यात करने में सक्षम हो रही हैं।
- xxi. चीन की कंपनियों को छूट प्राप्त व्याज दरों पर ऋण एवं निर्यात ऋण प्राप्त हो रहे हैं जिससे वे अपने निर्यातों को बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं।
- xxii. टायर उद्योगों के पुनर्गठन के फलस्वरूप निर्यातों में वृद्धि हो रही है। चीन की सरकार ने टायर उद्योगों में इक्विटी निवेश उपलब्ध कराए हैं क्योंकि ये निधियां सरकार द्वारा प्रत्यक्ष तौर पर अंतरित की जाती हैं। यद्यपि ये लेन देन चीन की सरकार द्वारा सार्वजनिक निकायों के माध्यम से किए गए होंगे। चीन की सरकार लाभांश प्राप्त नहीं कर रही है जिनका सामान्य रूप से भुगतान निजी निवेशकों को उनके शेयरों पर किया जाता है। एसओई में प्रत्यक्ष रूप से शेयर धारण करने वाले प्रतिष्ठान उक्त कार्यक्रम के लिए पात्र हैं।
- xxiii. कड़ा माल और उपयोगिताएं इस सरकार द्वारा उचित से कम लाभ पर प्रदान की जा रही हैं जिसके फलस्वरूप निम्न कीमत पर निर्यात होता है और घरेलू उद्योग के उत्पाद की तुलना में चीन के उत्पाद की कीमत प्रतिस्पर्द्धात्मकता बनी रहती है।

ठ. चीन के टायरों का निर्यात 200 से अधिक देशों में किया जाता है। चीन के टायर के निर्यातिकों के लिए वर्ष 2013 में संयुक्त राज्य अमेरिका हमेशा शीर्षस्थ स्थल है जहां 1.15 मिलियन टन टायर का निर्यात किया जाता है और उसके बाद यूरोपीय संघ है। 2012, 2013 और 2014 में, भारत

टायरों के निर्यात के लिए लक्ष्य देश नहीं था। हालांकि, भारत ने 2015 में सातवां स्थान और 2016 में छठा स्थान प्राप्त कर लिया।

ड. संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश अमेरिकी डॉलर के रूप में प्रति टायर पर शुल्क की राशि के रूप में व्यक्त की गई निर्धारित मात्रा के संबंध में की गई है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

111. प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित टिप्पणियों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया है:

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में नमूने न लिए गए उत्पादकों/निर्यातकों की सूची नहीं उपलब्ध नहीं कराई है। अपेक्षाकृत कम पाटनरोधी शुल्क दर गैर सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों की तुलना में नमूने न लिए गए सहयोगी निर्यातकों के लिए लागू है।

ख. विचाराधीन उत्पाद को 22.5" से अधिक डाय कोड के सामान्य ऋण वाले रेडियल टायर को अलग कर देना चाहिए क्योंकि उसका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है।

ग. मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कंपनी लि. ने यह तर्क दिया है कि भारत में निर्यातों की इसकी कम मात्रा के कारण, इसके पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन बहुत अधिक अर्थात् 20-40 प्रतिशत नहीं होना चाहिए और इसके पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में संशोधन कर इसे अपेक्षाकृत कम दर पर लाया जाना चाहिए।

घ. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति की वस्तुपरक जांच नहीं की है:

- i. जो पद्धति निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा वास्तविक क्षति का आकलन करने के लिए अपनाई गई है, निष्पक्ष नहीं है।
- ii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अनुबंध-II के पैरा iv के अंतर्गत अनिवार्य आर्थिक मानदंडों को उचित महत्व नहीं दिया है। इसके बदले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आयात की मात्रा, कीमत में कटौती, कीमत में ह्रास और कीमत में मंदी पर अनन्य रूप से विश्वास किया है।
- iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी आयातों की मात्रा, कीमत में कटौती, कीमत में ह्रास और कीमत में मंदी का समुचित रूप से विश्लेषण करने में असफल रहे हैं। कीमत में कटौती अलग रूप में संगत नहीं हो सकती है। यदि इससे कीमत में ह्रास और कीमत में मंदी हुई हो तब ही कीमत में कटौती संगत है। वर्तमान मामले में कीमत पर कटौती के कारण कीमत पर कोई ह्रास और मंदी नहीं आई है क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को बनाए रखने में सक्षम है।
- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात का गलत ढंग से निर्धारण किया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है क्योंकि अनुबंध-II के पैरा iv के अंतर्गत प्रायः सभी आर्थिक मानदंड सकारात्मक घटनाक्रम को दर्शा रहे हैं। सकारात्मक घटनाक्रम (एक छोर से दूसरे छोर तक के विश्लेषण तथा वर्ष दर वर्ष दर विश्लेषण के रूप में मूल्यांकन के दोनों रूपों के अंतर्गत) (i) क्षमता, (ii) उत्पादन, (iii) विक्री, (iv) क्षमता का उपयोग, (v) नकद लाभ, (vi) निवेश पर आय, (vii) रोजगार, (viii) मजदूरी, (ix) उत्पादकता, (x) विकास, (xi) उत्पादन की लागत में गिरावट और (xii) नए निवेश जुटाने की क्षमता में देखा गया है। इसके अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस बात का भी कोई स्पष्टीकरण नहीं उपलब्ध कराया है कि किस प्रकार से और क्यों 15 में से 12 आर्थिक मानदंडों में सकारात्मक सुधार के बावजूद वास्तविक क्षति हुई है।
- v. निर्दिष्ट प्राधिकारी कच्चे माल की कीमतों में गिरावट अर्थात् प्राकृतिक रबर की कीमतों में गिरावट के कारण उत्पादन की लागत में कमी के संबंध में इस तथ्य पर विचार करने में भी असफल रहे हैं।

ड. निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्दिष्ट प्राधिकारी की वर्तमान प्रथा के अनुसार संबंधित उत्पादक/निर्यातक (एयोलस टायर कं. लि. और किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.) को समान पाटनरोधी शुल्क दर प्रदान करनी चाहिए।

च. घरेलू उद्योग रेडियल ट्रक और बस के टायरों का 10.00 आर 20 और 22.5" रिम डाय टायरों को छोड़कर अनेक टायरों का निर्माण नहीं करता है।

छ. 17.5", 19", 24" और 20" के डाय का अन्य टायर आकार जैसे 14.00 आर 20, 12.00 आर 20 और उसी आकार के अनेक टायरों के निर्माण के बारे में दावा किया गया है परंतु उनका आयात चीन जन गण से 10.00 आर 20 तथा कुछ 22.5" रिम डाय के टायरों को छोड़कर नहीं किया गया है।

ज. घरेलू उद्योग 16" रिम डाय से अधिक के बीआईएस प्रमाणित टीबीआर टायर के आकारों का आसानी से उत्पादन कर सकता था और समग्र घरेलू खुदरा बाजार को टीबीबी टायरों की पुरानी प्रौद्योगिकी को प्रतिस्थापित करने के लिए रेडियलीकरण द्वारा प्रतिस्थापन बाजार पर कब्जा कर सकता था।

झ. घरेलू उद्योग ने टीबीआर की प्रत्येक श्रेणी की बिक्री की मात्रा के संबंध में कोई पारदर्शी आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं।

ज. अपनी प्रकटन रिपोर्ट में पाटनरोधी शुल्क महानिदेशालय ने तुच्छ इनपुट के आधार पर विचाराधीन उत्पाद का बचाव करने की कोशिश की है।

ट. चूंकि विचाराधीन उत्पाद मूल रूप से सही नहीं है और इसकी परिभाषा गलत तरीके से दी गई है, अतः यह जांच किसी आधार पर सही नहीं ठहरती है और बाद की प्रक्रिया भी संदेह और अविश्वसनीयता के घेरे में आ गई है।

ठ. यह याचिका जुलाई, 2014 – जून, 2015 को जांच की अवधि के रूप में विचार करते हुए दायर की गई थी परंतु सभी संबंधितों को सही मायने में किसी संगत कारण का उल्लेख किए बिना पाटनरोधी महानिदेशक ने अपने शक्तियों का उपयोग जांच की अवधि का विस्तार 12 महीनों के बजाए 18 महीने (जुलाई, 2014 – दिसंबर, 2015) तक करने के लिए किया है।

ड. उसी प्रकार से क्षति का निर्धारण करने के लिए, पाटनरोधी महानिदेशक ने उसी प्रकार से अपनी शक्तियों का पुनः उपयोग किया है जिसमें एक बहुत लंबी अवधि अर्थात राजकोषीय 2013, 2014, 2015 और विस्तारित जांच की अवधि तय की गई है।

ढ. हितबद्ध पक्षकार इस प्रकार की अवधि का चयन करने के लिए सही और पारदर्शी कार्यों को नहीं रख रहा है और पाटनरोधी महानिदेशक ने तर्क के वास्ते राजकोषीय 2009, 2010, 2011 और 2012 को भी शामिल नहीं करने को चुना है।

ण. चीन जन गण से टीबीआर टायरों का कुल आयात मुख्य रूप से उनके उचित कीमत निर्धारण, उत्कृष्ट गुणवत्ता, घरेलू खुदरा प्रतिस्थापन बाजार में बेहतर व्यापार प्रथाओं के कारण होता है।

त. 2009-10 के दौरान टीबीआर आयात पर मात्रा के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं लगा था। पाटनरोधी शुल्क 2010 में टीबीआर पर लगाया गया था और इसे इस आधार पर माननीय सेसटेट द्वारा अगस्त, 2011 में हटा दिया गया था कि पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं उठानी पड़ रही थी और पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित में नहीं होगा। अब भी यह स्थिति बनी हुई है जब कि प्रतिस्थापन बाजार में क्रूण पर कई लाख छोटे-छोटे ऑपरेटर वाला सड़क परिवहन उद्योग अपने टीबीआर टायरों की खरीद करता है।

थ. चीन के टायर निर्माताओं ने अपेक्षाकृत कम कम्बे माल की कीमत की वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप टायर की कीमतों में कमी की है। हालांकि, घरेलू उद्योग ने टीयर की कीमतों को वापस नहीं लिया है।

द. प्रकटन विवरण में, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की छेड़छाड़ किए गए लागत निर्धारण और कीमत निर्धारण आंकड़ों तथा एटीएमए पर विचार किया।

ध. एआईटीडीएफ पुनः भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग के दिनांक 13.08.2014 के 2013 के संदर्भ मामला संख्या 8 में दिए गए आदेश का उल्लेख करता है कि "----- इस कारण से, कच्चे माल की कीमत में उतार-चढ़ाव को आदर्श रूप से प्रतिस्पर्द्धा बाजार में टायर की अंतिम कीमत में दर्शाया जाना चाहिए।"

न. औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग ने भी टायर की कीमतों पर एक विस्तृत अध्ययन किया है जिसमें जांच की अवधि शामिल है। भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग के जांच परिणामों में बहुत स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख है कि टायर के कीमत निर्धारण में बदलाव किया गया है, इसके समानांतर कार्टलाइजेशन प्रतिस्पर्द्धा अधिनियम, 2002 के अंतर्गत किया गया है।

प. कच्चे माल की कीमतें पूर्ण रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में हैं और यह जांच की अवधि के दौरान निम्नतम स्तर तक पहुँच गई थीं परंतु घरेलू टायर की कीमत में कम नहीं हुई हैं जबकि टीबीआर के लिए आयात किए गए टायर की कीमतें वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप कम हो गई हैं।

फ. प्रकटन रिपोर्ट में ऐसा प्रतीत होता है कि यह पहले ही मान लिया गया है कि घरेलू टायर निर्माताओं को क्षति हुई है। जब निवेश पर लाभ अथवा लाभ की दर सबसे अधिक रही है और यह जांच की अवधि के दौरान वास्तविक सुनहरी अवधि रही है।

ब. पहले से ही यह अच्छी तरह से ज्ञात है कि सीमा शुल्क और प्रतिस्थानापन्न शुल्क केवल टीबीआर टायर के लिए 149 अमेरिकी डॉलर की निर्धारित न्यूनतम कीमत पर लगाया जा रहा है क्योंकि टीबीआर का आयात बिना ट्यूब के 95 प्रतिशत मामलों में किया जाता है। इस कारण से उनके बीजक कीमत पर विचार किए बिना निर्यातिक को निर्धारित न्यूनतम आयात कीमत पर करों/शुल्क का भुगतान करना होता है। प्रकटन विवरण में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस प्रकार से क्षति के मार्जिन की गणना की गई है।

भ. पाटनरोधी शुल्क महानिदेशक ने चीन की टायर की फैकिट्रियों का व्यावहारिक रूप से दौरा नहीं किया है और यह कार्य वास्तव में शक्तिशाली घरेलू उद्योग द्वारा उस रूप में आंकड़ों में हेरफेर करते हुए किया गया है जो घरेलू उद्योग को अवांछित क्षति मार्जिन निर्धारित करने के लिए उपयुक्त है और तब बिना किसी सही और न्यायोचित संगत कारणों का उल्लेख किए पाटनरोधी शुल्क लगाने का सुझाव दिया गया है जो प्राकृतिक न्याय की प्रक्रिया को पूरा करता है।

म. पाटनरोधी शुल्क लगाना सङ्क परिवहन उद्योग और टायर के व्यापार के व्यापक हित में नहीं है जिसमें से दोनों ने अपनी जीविका के लिए व्यापक रूप में निवेश किया है और देश में लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इस समय, जब सङ्क परिवहन के लघु व्यापारियों को कठिन समय का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें बहुत कम लाभ मिल रहा है और साथ ही अपेक्षाकृत कम फ्रीट क्षमता उपयोगिता मिल रही है, पाटनरोधी शुल्क लगाना बाजार की शक्तियों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कारोबार को बहुत बड़ा झटका दे सकता है।

य. सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I का क्रमशः सीमा शुल्क उप शीर्षक संख्या 40112010 के अंतर्गत, वर्गीकरण योग्य सभी टायरों और 40131020 और 40129049 के अंतर्गत वर्गीकरण योग्य ट्यूब्स और फ्लेप्स विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में आते हैं और इन सीमा शुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत वर्गीकरण न किए जाने योग्य अन्य सभी प्रकार के टायरों/ट्यूब और फ्लेप्स विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र से बाहर होते हैं। टायर के आकार के परिणाम के अनुसार यह उत्पाद उपयोग पर आधारित उत्पादों का वर्गीकरण करता है।

कक. शानडोंग वांडा ब्रोटो टायर कं. लि. की बीआईएस लाइसेंस में पुष्टि से, यह स्पष्ट है कि आईएस 15636:2012 द्वारा यथा वर्गीकृत उत्पादों की हल्के वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में 8.25 आर 16, 7.00 आर 16, 7.50 आर 16 और 235/75 आर 17.5 को शामिल किया गया है जो स्पष्ट रूप से इस बात को सिद्ध करता है कि 16 से अधिक 17.5 इंच क्रूण डाय कोड पर प्रयुक्त टायर आकार 235/75 आर 17.5 16 इंच रिम पर प्रयुक्त किए जाने वाले 8.25 आर 16 अथवा 7.00 आर 16 के समान आकार का एक हल्का ट्रक है।

ख. सीएट ने भी शानडोंग वांडा ब्रोटो से 17.5 इंच का एलटी टायर खरीदा है। यह दर्शाता है कि सीएट टायर्स, जो इस मामले में याचिकाकर्ताओं में से एक है, ने एलसीवी उपयोग के लिए एलटी चिन्ह के साथ शानडोंग वांडा ब्रोटो से 17.5 इंच रिम वाले टायरों का आयात किया है। या तो यह उत्पाद 17.5 इंच रिम टायर को वर्तमान जांच के क्षेत्राधिकार से बाहर किया जाना चाहिए अथवा सीएट टायरों को पाटनरोधी नियमावली के प्रचलित नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के रूप में विचार किए जाने से अयोग्य ठहरा दिया जाना चाहिए।

गग. विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा भी एचएस कोड 40112010 के अंतर्गत, आयात किए जाने वाले टायरों के रूप में तथा बीआईएस मानक आईएस 15636:2012 में यथा परिभाषित ट्रक एवं बस के टायरों के लिए लागू आकार पदनाम वाले टायरों के रूप में परिभाषित किया जाना चाहिए। हल्के वाणिज्यिक वाहन, खनन एवं औद्योगिक आदि जैसे वाहनों के अन्य प्रकार पर उपयोग किए जाने वाले टायरों को इस जांच के कार्य क्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए। भारत में बस और लॉरी/ट्रक केवल ट्यूब टाइप के टायरों के लिए 20 इंच के रिम डायमीटर कोड तथा ट्यूबरहित टायरों के लिए 22.5 रिम के टायरों का उपयोग करता है। विचाराधीन उत्पाद को हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर उपयोग किए जाने वाले 16 इंच अथवा उससे कम के मामूली रिम डायमीटर वाले ट्यूबरहित टायरों को बाहर कर देना चाहिए।

घघ. चीन से आयात किए गए टीबीआर आयातों की तुलना कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे टायरों के लक्षणों से नहीं की जा सकती है। चीन का टीबीआर तुलनीय ढंग से बहुत अधिक सस्ता है क्योंकि वहां विज्ञापन संबंधी कोई खर्च अथवा ब्रांड के संवर्धन संबंधी कोई लागत और न ही कोई वारंटी है। घरेलू निर्माताओं द्वारा उत्पादन किए गए टायरों का वितरण पूरे भारत में किया जाता है और इसकी बिक्री ब्रांड के संवर्धन के साथ की जाती है और इस पर विनिर्माण संबंधी खामियों के कारण समय से पूर्व असफल होने के विरुद्ध वारंटी भी दी जाती है। तदनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए टायरों की कारखानागत कीमत में वितरण, विपणन, ब्रांड का संवर्धन एवं वारंटी की लागत शामिल होती है जबकि चीन से आयात किए गए टायरों के लिए सीआईएफ पर आधारित पहुँच कीमत में उपर्युक्त कोई भी लागत शामिल नहीं होती है और इस कारण से कीमत उनके सदृश्य अपेक्षाकृत कम होती है। इस कारण से चीन के टायरों और उन टायरों, जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है, की तुलना नहीं की जा सकती है और इसे समान वस्तु के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

डड. उसी कंपनी से समान उत्पाद का कीमत सूचकांक वारंटी के साथ बेचे गए टायरों की तुलना में बिना वारंटी के बेचे गए टायरों से 34 प्रतिशत तक कम होता है।

चच. बिना वारंटी के टायर घरेलू उद्योग द्वारा चीन के टायरों के आयातकों द्वारा सृजित गैर वारंटी वाले टायरों के बाजार खंड में भाग लेने के उद्देश्य से जांच की अवधि के बाद दिए गए थे। इस कारण से पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन की गणना करने के प्रयोजन से, घरेलू उद्योग की कीमत में 34 प्रतिशत तक कमी की जानी चाहिए।

छछ. घरेलू उद्योग को हुई क्षति उनके अपने बाजार संबंधी निर्णयों के कारण हुई है क्योंकि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद उत्पाद की कीमत में कटौती नहीं की। चीन के निर्यातकों ने उस स्थिति में टीबीआर की अपनी कीमत में कटौती की जब कच्चे माल की लागत में कमी आई। इस प्रकार से, ग्राहकों ने आयात किए गए टीबीआर को पसंद किया जो घरेलू उद्योग के टायरों की तुलना में अच्छी गुणवत्ता और कम कीमत पर मिलते थे।

जज. नमूने न लिए उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण नियम 18(2) के अनुसार, नमूने लिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन के भारित औसत के रूप में किया है। यह नमूने न लिए गए निर्यातकों के लिए एक तरफा, अस्पष्ट, अनुचित और दायित्व पूर्ण है क्योंकि जिन कीमतों पर नमूने लिए गए निर्यातक भारत में इस उत्पाद की बिक्री करते हैं, वह बहुत सस्ती है और इसकी गुणवत्ता और अन्य विशेषताएं अलग-अलग हैं। अतः सबसे अधिक बिक्री किए जाने

वाले उत्पादों के भारित औसत के आधार पर मूल्य का आकलन करना उचित नहीं होगा क्योंकि हमारे ग्राहक निर्यातक द्वारा निर्मित उत्पाद बहुत अधिक महंगे हैं और नमूने लिए गए निर्यातकों द्वारा निर्मित उत्पाद से इसकी विशेषताओं में भी अंतर है।

झझ. मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि. ने इस जांच की शुरूआत से ही पाटनरोधी महानिदेशक के साथ पूर्ण रूप से सहयोग किया है। डबल स्टार ने दिनांक 05.07.2016 को प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है जो कई पृष्ठों का है। पाटनरोधी महानिदेशक के निदेश के अनुसार, डबल स्टार ने क्रमशः दो बार दिनांक 24.10.2016 और 20.03.2017 को स्पष्टीकरण उत्तर प्रस्तुत किया है।

जज. डबल स्टार का पाटनरोधी महानिदेशक को भ्रमित करने का कोई द्वेषपूर्ण उद्देश्य नहीं था। केवल एक बीजक में गलती देखी गई थी।

टट. निर्यातक की समझ के अनुसार, फ्लेप विचाराधीन उत्पाद, यदि इसका बीजक किसी बीजक में अलग से तैयार किया जाता है, का भाग नहीं है। तदनुसार, डबल स्टार ने केवल टायर के बारे में सूचना दी है और उसके साथ अब फ्लेप सहित पूर्ण सूचना संलग्न की जा रही है।

ठठ. पूर्ण उत्तर को अस्वीकार करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है जिसका उल्लेख पाटनरोधी करार के अनुबंध-II के पैरा 5, 6 और 7 में किया गया है।

डड. अन्य जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने त्रुटियों/कमियों का उल्लेख करते हुए भाग लेने वाले सभी निर्यातकों/घरेलू उत्पादकों को एक अवसर दिया था। वर्तमान मामले में डबल स्टार को इस प्रकार का कोई अवसर कभी भी नहीं दिया गया।

ढढ. डबल स्टार ने फ्लेप्स सहित संशोधित परिशिष्ट-2 उपलब्ध कराया है और उसे कृपया अंतिम जांच परिणाम के लिए रिकार्ड पर लिया गया है।

णण. उत्तर को अस्वीकार करने का आधार तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। पूर्ण उत्तर को अस्वीकार गलत आधार पर किया गया है और यह पाटनरोधी करार के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन भी है।

तत. जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख करता है कि विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण केवल उप शीर्षक 40112010 के अंतर्गत किया गया है। इस प्रकार से, टीबीआर टायर का आयात ट्यूब और फ्लेप के साथ-साथ किया गया है और एक कीमत के रूप में बीजक बनाया गया है, वह जांच के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यदि ट्यूब और फ्लेप, यदि उसका बीजक एक ही बनाया जाए परंतु उसकी कीमत अलग-अलग दर्शाई जाए और उसे विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत मंजूर किया जाए, तब इस जांच के कार्य क्षेत्र के अंतर्गत नहीं आएगा।

थथ. तदनुसार, डबल स्टार ने निम्नलिखित कारणों से विचाराधीन उत्पाद के रूप में टीबीआर टायरों पर विचार करते हुए उत्तर प्रस्तुत किया:

- विचाराधीन उत्पाद का वर्गीकरण सीमा शुल्क उप शीर्षक संख्या 40112010 के अंतर्गत अध्याय 40 में किया गया है और ट्यूब एवं फ्लेप्स का वर्गीकरण क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के अंतर्गत किया गया है। यदि जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना में इस बात का उल्लेख किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद अर्थात टीबीआर अलग-अलग सीमा शुल्क शीर्ष और ट्यूब एवं फ्लेप, जो गैर विचाराधीन उत्पाद हैं, के अंतर्गत अलग-अलग सीमा शुल्क शीर्ष के अंतर्गत आता है और इस प्रकार से निष्कर्ष यह है कि संपूर्ण उत्तर को अस्वीकार करने के कारणों में से एक कारण के रूप में फ्लेप की सूचना के बारे में रिपोर्ट नहीं करना (एक गैर विचाराधीन उत्पाद) माने जाने योग्य नहीं है।
- फ्लेप की लागत और कीमत टीबीआर टायरों की कीमत का लगभग आधा होती है। तदनुसार, टीबीआर और फ्लेप, दोनों अलग-अलग उत्पाद हैं।

- iii. फ्लेप के उत्पादन के लिए निर्माण संबंधी प्रौद्योगिकी और सुविधाएं टीबीआर के लिए पूर्ण रूप से अलग हैं। तदनुसार, टीबीआर और फ्लेप दोनों अलग-अलग उत्पाद हैं और उसे याचिकाकर्ता द्वारा मान लिया गया है।
- iv. फ्लेप के विनिर्माण के लिए प्रयोग किए जाने वाले कच्चे माल रेडियल टायरों के विनिर्माण से पूर्ण रूप से अलग है।
- v. टीबीआर और फ्लेप की कीमत अलग-अलग होती है और उसे बीजकों में स्वतंत्र उत्पाद के रूप में दर्शाया गया है। यदि टीबीआर और फ्लेप की मिश्रित कीमत बीजक में दर्शाई गई है और उसे अलग नहीं किया जा सकता है तब उसे एक उत्पाद के रूप में माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में यह संभव नहीं होगा कि टीबीआर और फ्लेप की कीमत को अलग-अलग किया जा सके। यदि टीबीआर और फ्लेप दोनों की कीमत बीजक में अलग-अलग दी गई हो तब उसे अलग-अलग उत्पादों के रूप में माना जाएगा। डबल स्टार ने फ्लेपों का अलग-अलग बीजक बनाया है।
- vi. फ्लेप टीबीआर और फ्लेपों की कुल बिक्री का एक नगण्य हिस्सा होता है। फ्लेप भारत में किए गए कुल निर्यात का केवल 3.66 प्रतिशत है और इस कारण से यह पाटन मार्जिन के बारे में अंतिम परिणाम पर प्रभाव नहीं डाल सकता था।
- vii. फ्लेपों की कीमत अलग-अलग बीजक में निर्यातिक द्वारा उठाई गई है। एक को छोड़कर नमूने लिए गए सभी बीजकों के संबंध में विधिवत उल्लिखित कीमतों का मिलान प्रश्नावली में दावा की गई कीमतों से किया गया है। एक बीजक में मामूली गलती पंचिंग से संबंधित गलती के कारण हुई है। यदि प्राधिकारी ने उसका उल्लेख किया होता तो इसमें सुधार कर दिया गया होता।
- viii. सभी वस्तुओं का निर्यात एफओबी आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़ा एवं अन्य खर्चों का वहन आयातकों द्वारा किया गया था।
- ix. किसी भी स्थिति में डबल स्टार इस बात को दर्शने के लिए फ्लेपों की बिक्री का ब्यौरा उपलब्ध कराने का इच्छुक है कि टीबीआर और फ्लेप सहित टीबीआर, दोनों की औसत कीमत लगभग एक है। टीबीआर की भारित औसत निर्यात कीमत प्रायः वही है जो उस निर्यात कीमत की है यदि विचाराधीन उत्पाद के भाग के रूप में फ्लेप पर भी विचार किया जाए।
- x. डबल स्टार ने विचाराधीन उत्पाद के बारे में स्पष्ट रूप से दर्शाया है और तदनुसार, आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी कमियों के बारे में सूचना देनी चाहिए थी। फ्लेप आंकड़ों का प्रावधान नहीं होने से डबल स्टार के आंकड़ों की सत्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना इस बात को स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जांच का उद्देश्य घरेलू उद्योग की रक्षा करने के लिए फ्लेपों और ट्यूबों को छोड़कर टायरों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना है। फ्लेप और ट्यूब इस जांच के उद्देश्य नहीं हैं।
- xi. डबल स्टार ने कुछ लेन देन में सही बीजक मूल्य की सूचना दी है और टंकण/पंचिंग संबंधी त्रुटियों को ठीक कर लिया है। उक्त त्रुटि बिना किसी उद्देश्य के थी और निर्यातिक का पाटनरोधी महानिदेशक को आंकड़े उपलब्ध कराने में कोई गलत उद्देश्य नहीं था।
- दद. उत्तर दायर करने में मामूली त्रुटियां पूर्ण उत्तर को अस्वीकार करने का आधार नहीं हो सकता है। कुछ मामूली त्रुटि के आधार पर पूर्ण उत्तर को अस्वीकार करना पाटनरोधी करार और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 5 का उल्लंघन है।
- धध. संयुक्त राज्य अमेरिका में – हॉट रोल्ड स्टील के अपीलीय निकाय ने अनुबंध-II के पैरा 7 के अंतर्गत सहयोग की अवधारणा का विश्लेषण करते हुए यह नोट किया कि यह प्रावधान सहयोग की उस सीमा को नहीं दर्शाता है जो "कम अनुकूल" परिणाम का सहारा लेकर प्राधिकारियों की

संभावना से बचने के लिए हितबद्ध पक्षकारों से अपेक्षा की जाती है। अपेक्षित सहयोग की मात्रा उनकी क्षमताओं का सर्वोत्तम उपयोग करने में सहयोग करने के लिए है। सद्वावना के सिद्धांत को कायम रखने के लिए उस प्रयास, जो वे हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावलियों का उत्तर देने में उम्मीद करते हैं तथा उन हितबद्ध पक्षकारों की व्यावहारिक क्षमता, जो जांच करने वाले प्राधिकारियों द्वारा उनके द्वारा की गई सभी मांगों का पूर्ण रूप से पालन करने के लिए सक्षम है, के बीच जांच करने वाले प्राधिकारियों द्वारा एक संतुलन स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।

नन. अनुबंध-II के पैरा 2 और 5 तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.13 में "जांच करने वाले प्राधिकारियों और निर्यातिकों के बीच हितों का संतुलन" की आवश्यकता है और इस कारण से "सहयोग" को "एक द्विमार्गीय प्रक्रिया, जिसमें संयुक्त प्रयास शामिल हो" के रूप में देखा जाए। इस प्रकार से किसी निर्यातिक के उत्तर को अस्वीकार करने के पूर्व प्राधिकारी को उक्त निर्यातिक को अधिसूचित करना चाहिए और एक उचित समयावधि के भीतर स्पष्टीकरण दिए जाने का एक अवसर भी प्रदान करना चाहिए।

पप. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने किंगदाओ डबल स्टार को इसके उत्तर को अस्वीकार करने के संबंध में अपने निर्णय के बारे में अग्रिम रूप से सूचना नहीं देकर प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन किया है और अपनी स्थिति को स्पष्ट करने के लिए एक अवसर दिया जाना चाहिए था। इस प्रकार का कोई अवसर कभी नहीं दिया गया था।

फफ. प्राधिकारी ने दावा किया है कि "डबल स्टार ने कुछ लेन देन में सही बीजक मूल्य की सूचना नहीं दी है।" पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 6(8) के अनुसार, प्राधिकारी को हमें इस असंतुलन के बारे में सूचना देनी चाहिए थी और आवश्यकता के अनुसार आंकड़े उपलब्ध कराने का एक अवसर हमें देना चाहिए था। हालांकि, इस प्रकार की कोई सूचना हमें नहीं दी गई थी। किसी उत्पादक/निर्यातिक को गैर सहयोगी के रूप में मानकर उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेने की अनुमति कानून के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित परिस्थितियों में ही दी गई है। वर्तमान जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इन शर्तों को पूरा नहीं किया है।

बब. संयुक्त राज्य अमेरिका में – हॉट रोल्ड स्टील में, अपीलीय प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि जांच करने वाले प्राधिकारियों को निर्देश दिया जाता है कि यदि शर्तों को पूरा किया जाए तब, वे तीन और कुछ परिस्थितियों में चार सूचनाओं का उपयोग करें। ये शर्तें ये हैं कि यह सूचना (i) सत्यापन योग्य है, (ii) उपयुक्त रूप से प्रस्तुत की गई है ताकि उसका उपयोग बिना किसी अनुचित दिक्कतों के इस जांच में किया जा सकता है, (iii) इसे समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराया गया है और जहां भी आवश्यक हुआ इसे उपलब्ध कराया गया है, (iv) प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार मध्यम एवं कम्प्यूटर की भाषा में आपूर्ति की गई है। अपीलीय प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला कि "यदि इन शर्तों को पूरा किया जाता है तब जांच करने वाले प्राधिकारी निर्धारण करते समय प्रस्तुत सूचना को अस्वीकार करने के हकदार नहीं हैं"।

भभ. गैट के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन संबंधी करार के अनुबंध-II के पैरा 6 का उल्लंघन, जो आंकड़ों के प्रस्तावित अस्वीकारीकरण के लिए कारणों की तत्काल सूचना देने के लिए प्राधिकारी पर दायित्व डालता है और उचित अवधि के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए अवश्य अवसर प्रदान करे, उसे अपीलीय प्राधिकारी और अपने निर्णयों में अनेक पैनलों द्वारा मान लिया गया है।

मम. अलग-अलग पाटन मार्जिन मैसर्स किंगदाओ डबल स्टार टायर इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन गण को दायर किए गए इसके उत्तर के आधार पर दिया जाना चाहिए।

यय. स्वयं याचिकाकर्ताओं ने टीबीबी और टीबीआर को एक ही उत्पाद के रूप में कभी विचार नहीं किया है जिसे इस तथ्य से देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ताओं ने पहले ही ट्रक एवं बस टायरों के संबंध में 5 मामले अर्थात् टीबीबी के मामले में 3 और टीबीआर के मामले में 2 दायर कर दिए हैं, परंतु किसी भी याचिका अथवा जांच में उन्होंने बिना किसी अंतर के उसे एक होने का दावा नहीं किया है।

ककक. संबद्ध वस्तुओं के माल भंडार में आंशिक वृद्धि क्षमता, क्षमता उपयोग और उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि के आलोक में देखा जाना चाहिए। माल भंडार में वृद्धि अभी भी बहुत कम है, यदि इसकी तुलना उत्पादन और बिक्री के अनुपात से की जाए। हालांकि, घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में बहुत अधिक गिरावट घरेलू उद्योग के माल भंडार में कमी का कारण है और उसे संबद्ध वस्तुओं के आयात का कारण नहीं माना जा सकता है।

खखख. अन्य भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में संबद्ध वस्तुओं के आयात किए जाने के बावजूद वृद्धि हुई है जो स्पष्ट रूप से इस बात को सिद्ध करती है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात के कारण कोई क्षति नहीं हो रही है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

112. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकांश अनुरोध पुनरावृत्ति की प्रकृति के हैं और इनका समाधान पहले ही प्रकटन विवरण में किया जा चुका है। वास्तव में उपर्युक्त जांच परिणाम इन पक्षकारों के इन तर्कों का समाधान करते हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के निम्नलिखित अनुरोध की जांच नीचे दी गई संगत सीमा तक की है जिसका कहीं अन्य समाधान नहीं किया गया है:

क. घरेलू उद्योग द्वारा एनआईपी को प्रकट करने के लिए किए गए अनुरोध के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह पहले ही उन्हें दे दिए गए हैं। निर्यातकों/उत्पादकों की सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने के लिए किए गए अनुरोध के संबंध में, मेल अथवा पत्र के माध्यम से विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई सभी सूचनाओं तथा इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए उत्तर की प्रति भेज दी गई है, यह नोट किया गया है कि सभी पत्रों का अगोपनीय पाठ सार्वजनिक याचिका में रख लिया गया है और उसे किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित सामान्य मूल्य डब्ल्यूटीए आंकड़ों से लिए गए कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर आधारित है। यह स्पष्ट किया जाता है कि डब्ल्यूटीए आंकड़े सार्वजनिक क्षेत्र की सूचना नहीं है और इसे भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ा संग्रहण एजेंसी के साथ किए गए करार के अंतर्गत प्राप्त किया जा सकता है। एजेंसी के साथ यह करार भारत सरकार को इस सूचना को किसी हितबद्ध पक्षकार अथवा आम जनता में परिचालित करने से निषिद्ध करता है।

ख. नमूने लिए गए निर्यातकों की निर्यात कीमत के संबंध में, प्राधिकारी ने प्रत्येक नमूने लिए गए प्रत्येक उत्पादक/निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है और प्राधिकारी द्वारा कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत तय करने के लिए आवश्यक समायोजन किए गए हैं। प्राधिकारी ने नमूने लिए गए उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराए गए सत्यापित आंकड़ों के आधार पर कारखानागत निवल की गणना की है। उसके संबंध में गणना को प्रकट नहीं किया जा सकता है क्योंकि ये गोपनीय प्रकृति के हैं।

ग. प्राधिकारी ने रिकार्ड पर सत्यापित आंकड़ों तथा लागू अधिनियम एवं नियमों के अनुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

घ. याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए इन अनुरोधों के संबंध में कि प्रकटन विवरण में एक उत्पादक के लिए तीन पाटन मार्जिन सम्मिलित हैं, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम में उनका समाधान किया है और उत्पादक से संबंधित सभी निर्यातक श्रृंखलाओं के लिए एक दर की मंजूरी दी है। प्राधिकारी ने अपनी सतत प्रथा के अनुसार संबंधित उत्पादकों को समान शुल्क दर भी मंजूर की है।

ङ. प्राधिकारी ने पहले ही यह निष्कर्ष निकाल लिया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ रही है और इस कारण से क्षति के खतरे का विश्लेषण करने का कोई आधार नहीं है।

च. टीबीबी टायरों की प्रतिस्थापनीयता के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी ने उसका समाधान जांच परिणाम के संगत भाग में किया है।

छ. क्षति के विश्लेषण के संबंध में प्राधिकारी ने कानून के अंतर्गत निर्धारित सभी अनिवार्य मानदंडों की जांच की है। प्राधिकारी इसे आवश्यक नहीं समझते हैं कि वे ओईएम खंड और प्रतिस्थापन खंड का खंड वार विश्लेषण करें अथवा वर्तमान जांच में तिमाही विश्लेषण करें।

ज. घरेलू उद्योग द्वारा वास्तविक क्षति के खतरे के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों के संबंध में, यह नोट किया जाना है कि प्राधिकारी ने पहले ही यह निष्कर्ष निकाल लिया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ रही है और इस कारण से क्षति के खतरे का विश्लेषण करने का कोई आधार नहीं है।

झ. इस मामले की तथ्यागत बातों को ध्यान में रखकर प्राधिकारी ने अमेरिकी डॉलर में प्रति मी. टन निर्धारित शुल्क लगाने का निर्णय लिया है।

ज. जहां तक नमूने न लिए गए सहयोगी निर्यातकों और उनके लिए लागू शुल्क दरों की सूची का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकार के उत्पादकों और निर्यातकों की सूची अंतिम जांच परिणाम में उपलब्ध कराई गई है, अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क दर का निर्धारण नमूने लिए गए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों की शुल्क दरों के भारित औसत के आधार पर इस प्रकार के नमूने न लिए गए सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए किया गया है।

ट. निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों पर आधारित है।

ठ. जहां तक क्षति की जांच में वस्तु परकता का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो भारतीय पाटनरोधी नियमावली और न ही विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार में किसी विशिष्ट तरीके का प्रावधान है जिसमें क्षति का निर्धारण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया जाना है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी क्षति संबंधी मानदंडों पर नकारात्मक प्रवृत्ति घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के जांच निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए आवश्यक नहीं है। किसी भी स्थिति में घरेलू उद्योग को मात्रा एवं कीमत प्रभाव के संबंध में नकारात्मक रूप से हानि नहीं हुई है और इसे समुचित रूप से सकारात्मक कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री द्वारा देखा जा सकता है।

ड. पाटित आयातों के कारण, घरेलू उद्योग को कुछ अन्य संगत आर्थिक मानदंडों के संबंध में भी हुआ है। उदाहरण के लिए, क्षति की जांच की पूरी अवधि के दौरान इसके पास समुचित माल भंडार रहा है और इसके बाजार हिस्से में गिरावट देखी गई है। कीमत में सकारात्मक कटौती और कम कीमत पर बिक्री का मौजूद होना आगे यह सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों और क्षति के बीच का कारणात्मक संबंध है।

ढ. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर ध्यानपूर्वक जांच की है और यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम डाय के रेडियल टायरों का निर्माण कर रहा है। हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के और आगे संशोधन का समर्थन करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं उपलब्ध कराया है।

ण. दिनांक 12 मई, 2004 के व्यापार नोटिस 2/2004 के अनुसार, पाटनरोधी जांच के लिए आवेदन में जांच की अवधि तथा पूर्व तीन वित्तीय वर्षों से संबंधित सूचना और आंकड़े सम्मिलित होने चाहिए। पूर्व के तीन वर्षों के लिए आंकड़ों का उपयोग क्षति के निर्धारण के लिए विश्लेषण की प्रवृत्ति हेतु किया जाएगा। तदनुसार, प्राधिकारी ने क्षति के विश्लेषण के उद्देश्य से जांच की अवधि के लिए तथा पूर्व के तीन वित्तीय वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। यह सभी जांचों में प्राधिकारी द्वारा अपनाई जा रही सतत प्रथा है। प्राधिकारी पर 18 महीने की जांच की अवधि का चयन करने के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। ऐसे अनेक मामले रहे हैं जहां 18 महीने की जांच की अवधि को प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया है।

त. प्रतिस्पद्ध विरोधी प्रथाओं तथा कार्टलाइजेशन के मुद्दे इस पाटनरोधी जांच के क्षेत्र से बाहर हैं।

थ. कच्चे माल की कीमतों के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कच्चे माल की कीमतों को (उस सीमा तक जहां तक संभव हो सका) अपनाया है और इसने इस संबंध में घरेलू उद्योग की लागत पर भी विश्वास किया है।

द. वर्तमान जांचों में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली छ्यूबों और/अथवा रबर (छ्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायर" है।

ध. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क उप शीर्षक संख्या 40112010 के अंतर्गत सीमा शुल्क उप शीर्षक संख्या 40112010 के अंतर्गत अध्याय 40 में किया गया है और छ्यूब एवं फ्लेप्स का वर्गीकरण सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के क्रमशः 40131020 तथा 40129049 के अंतर्गत किया गया है। बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायरों के आयात किए गए छ्यूब अथवा फ्लेप विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र से बाहर हैं। हालांकि, सीमा शुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और यह किसी भी प्रकार से जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। टायरों का सामान्य रूप से उपयोग विभिन्न प्रकार के वाहनों जैसे ट्रकों, बसों, लॉरियों, हल्के वाणिज्यिक वाहनों, पैसेंजर कार, जीप, ट्रैक्टर, टू-व्हीलर, श्री-व्हीलर, जानवर द्वारा खींचे जाने वाले वाहनों, अर्थ मूवर, औद्योगिक टायर, एयरक्राफ्ट आदि में किया जाता है। हालांकि, विचाराधीन उत्पाद वह प्रकार है जिसका उपयोग बसों और ट्रकों/लॉरियों में किया जाता है। अन्य सभी प्रकार के टायर वर्तमान जांचों में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं।

न. विचाराधीन उत्पाद "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली छ्यूबों और/अथवा रबर (छ्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायर" के रूप में जांच प्रारंभ करने संबंधी सूचना में स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों के लिए ऐसा कोई अवसर नहीं था कि वे केवल रेडियल टायरों के रूप में विचाराधीन उत्पाद को मान सकें। डबल स्टार ने अपने प्रश्नावली के उत्तर में केवल टायरों के आंकड़े प्रस्तुत कर इस प्राधिकारी को भ्रमित करने की कोशिश की। यद्यपि, इसने भारत में टायरों और फ्लेप, दोनों का सम्मिलित रूप से निर्यात किया था। इसके अलावा, डबल स्टार ने कुछ लेन देन के बारे में सही वीजक मूल्य की सूचना भी नहीं दी थी। अपनी प्रकटन टिप्पणियों में, डबल स्टार ने यह प्रभाव दिखाने की कोशिश की है कि डबल स्टार की ओर से केवल टायरों की सूचना देने का कोई गलत उद्देश्य नहीं था क्योंकि इसने विचाराधीन उत्पाद को केवल टायर के रूप में समझा था। डबल स्टार के इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना में स्पष्ट है और चीन जन गण के किसी अन्य सहयोगी उत्पादक/निर्यातक ने ऐसी कोई गलती नहीं की है। इस प्रकार से डबल स्टार द्वारा किए गए अनुरोध का कोई आधार नहीं है। तदनुसार, प्राधिकारी डबल स्टार द्वारा दायर किए गए उत्तर को अस्वीकार करते हैं। डबल स्टार की कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है।

क्षति और कारण के संबंध में निष्कर्ष

113. क्षति और कारणात्मक संबंध की उपर्युक्त जांच से प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के फलस्वरूप क्षति हुई है। संबद्ध देश से क्षति की पूरी अवधि के दौरान तथा भारत में खपत की तुलना में स्वतंत्र रूप से पाटित आयातों को मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। संबद्ध देश के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे बहुत अधिक माना गया है। संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के लिए बाजार हिस्से में कमी आई है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाटित आयातों के फलस्वरूप क्षति हुई है।

सिफारिशें

114. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के बाद और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

क. विचाराधीन उत्पाद का भारत में संबद्ध देशों से निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ग. यह क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाठित आयातों के कारण हुई है।

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी। पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं परिणामस्वरूप क्षति को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है।

116. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, इनमें से जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका कॉलम 8 में यथा उल्लिखित राशि के अनुसार निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण*	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	करेसी
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
व.	40112010	नए/अप्रयुक्त न्यूमेटिक रेडियल टायरों के बिना आयात किए गए ट्यूबों और अथवा फ्लेपों को छोड़कर "बसों और लॉरियों/ट्रकों में प्रयुक्त 16 इंच से अधिक के सामान्य रिम के ब्यास कोड वाली ट्यूबों और/अथवा रबर (ट्यूब रहित टायरों सहित) के फ्लेप सहित अथवा उनके बिना	चीन जन गण	चीन जन गण	शानडोंग यिंवाओ टायर ग्रुप कं. लि.	शानडोंग यिंवाओ टायर ग्रुप कं. लि.	403.21	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
श.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	शानडोंग यिंवाओ टायर ग्रुप कं. लि.	मैसर्स केनटॉप इंटरनेशनल (किंगदाओ) कं. लि.	403.21	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
ष.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	शानडोंग यिंवाओ	टायरमार्ट (किंगदाओ)	403.21	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

क्रम सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण*	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	करेंसी
					टायर ग्रुप कं. लि.	इंक			
स.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	एयोलस टायर कं. लि.	एयोलस टायर कं. लि.	277.53	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
ह.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	277.53	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
कक.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	किंगदाओ येलो सी रबर कं. लि.	टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक	277.53	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
खख.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.	शानडोंग हेंगफेंग रबर एंड प्लास्टिक कं. लि.	245.35	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
गग.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	नीचे दी गई सूची के अनुसार नमूने न लिए गए उत्पादक/निर्यातक ***		316.10	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
घघ.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	क्रम सं. 1 से 8 को छोड़कर कोई युगम		452.33	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
डड.	-वही-	-वही-	चीन जन गण	कोई अन्य देश	कोई	कोई	452.33	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
चच.	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन देशों को छोड़कर कोई अन्य देश	चीन जन गण	कोई	कोई	452.33	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

***नमूने न लिए गए उत्पादकों/निर्यातकों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम सं. उत्पादक

- ग. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- घ. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- ड. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- च. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- छ. शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- ज. झोंगसी रबर ग्रुप कं. लि.
- झ. शानडोंग कोक्री टायर कं. लि.
- ज. शानडोंग कोक्री टायर कं. लि.

निर्यातक

- शानडोंग वानशाइन टायर कं. लि.
- टायरमार्ट (किंगदाओ) इंक.
- कोरयो इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल लिमिटेड
- किंगदाओ नामा इंडस्ट्रियल कं. लि.
- विनशाइन इंडस्ट्रियल कं. लि.
- झोंगसी रबर ग्रुप कं. लि.
- शानडोंग कोक्री टायर कं. लि.
- किंगदाओ चैंपियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि.

क्रम सं.	उत्पादक	निर्यातक
ट.	जियांगसू जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कं. लि.	जियांगसू जनरल साइंस टेक्नोलॉजी कं. लि.
ठ.	शानडोंग योंगताई ग्रुप कं. लि.	शानडोंग योंगताई ग्रुप कं. लि.
ड.	शानडोंग हेंग्यु साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि.	शानडोंग हेंग्यु साइंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि.
ढ.	शेंगताई ग्रुप कं. लि.	शेंगताई ग्रुप कं. लि.
ण.	शेंगताई ग्रुप कं. लि.	बेस्ट चॉइस इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि.
त.	शानडोंग जिंग्युआन टायर ग्रुप कं. लि.	शानडोंग जिंग्युआन टायर ग्रुप कं. लि.
थ.	गुड फ्रेंड टायर कं. लि.	गुड फ्रेंड टायर कं. लि.
द.	गुड फ्रेंड टायर कं. लि.	किंगदाओ जिनहाओयांग इंट. कं. लि.
ध.	ट्रायंगल टायर कं. लि.	ट्रायंगल टायर कं. लि.
न.	शानडोंग वांडा बोटो टायर कं. लि.	शानडोंग वांडा बोटो टायर कं. लि.

117. केंद्र सरकार द्वारा इन जांच परिणामों को स्वीकार किए जाने के पश्चात इसके विरुद्ध अपील 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क प्रशुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2017

FINAL FINDINGS

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of “New/unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres) having nominal rim dia code above 16” used in buses and lorries/trucks”, originating in or exported from China PR.

No. 14/14/2015-DGAD.— Automotive Tyre Manufacturer’s Association (ATMA) (hereinafter also referred to as “the petitioner”) filed an application on behalf of Apollo Tyres Ltd., J. K. Tyre Industries Ltd., and Ceat Ltd., who are members of ATMA (hereinafter referred to as “the petitioner companies”), before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “the Authority”) under the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty concerning imports of “new/unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres) having nominal rim dia code above 16” used in buses and lorries/trucks” (also referred to as “the subject goods”), originating in or exported from China PR (also referred to as “the subject country”).

2. Whereas, the Authority, on the basis of *prima facie* evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No. 14/14/2015 -DGAD dated May 03, 2016 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the Rule 5 of the Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the said country, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to this subject investigation:

- i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industry, alleging dumping of “new/unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres) having nominal rim dia code above 16” used in buses and lorries/trucks” (hereinafter also referred to as “the subject goods”) originating in or exported from China PR.
- ii. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- iii. The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- iv. The Authority issued a Notification dated 3rd May, 2016, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- v. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users and the domestic industry as well as other domestic producers as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- vi. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- vii. The Authority sent exporter’s questionnaire to the following known producers/exporters in China PR (whose details were made available by the applicant) to elicit relevant information and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. Shandong Yinbao Tyre Group Company Limited, China PR.
 - b. Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Company Limited, China PR.
 - c. Aeolus Tyre Company Limited, China PR.
 - d. Zhaoyuan Li'ao Rubber Products Company Limited, China PR.
 - e. Qingdao Doublestar Tire Industrial Company Limited, China PR.
 - f. HangZhou ZhongCe Rubber Company Limited, China PR.
 - g. Haoyou Tyre Company Limited, China PR.
 - h. Triangle Tyre Company Limited, China PR.
 - i. Shandong Wanda Boto Tyre Company Limited, China PR.
 - j. Shanghai Type & Rubber Company Limited, China PR.
 - k. Jiangsu General science Technology Company Limited, China PR.
 - l. Doublestar-Dongfeng Tyre Company Limited, China PR.
 - m. Giti Radial Tire (Anhui) Company Limited, China PR.
 - n. Shenzhen Yuanyunxiang Trading Company Limited, China PR.
 - o. Qingdao Yellow Sea Rubber Company Limited, China PR.
 - p. Kenda Rubber (China) Company Limited, China PR.
 - q. Shengtai Group Company Limited, China PR.
 - r. Pirelli Tyre Company Limited, China PR.
 - s. Shan Dong Jin Yu Industrial Company Limited, China PR.
 - t. Dingying ZhongYi Rubber Company Limited, China PR.
 - u. Kupo Chengshan (shandong) Tyre Company Limited, China PR.
 - v. Shen Zhen City Hong Yun Cai Trade Company Limited, China PR.
 - w. Shenzhen Diruolan Trade Company Limited, China PR.

- x. Guangzhou Pearl River Rubber Tyre Limited, China PR.
- y. Michelin (Shenyang) Tyre Company Limited, China PR.
- z. Pirelli Tyre Company Limited, China PR.
- aa. Qingdao Doublestar Tire Industrial Company Limited, China PR.
- bb. Qingdao Yellow Sea Rubber Company Limited, China PR.
- cc. Shandong Xingyuan International Trading Company, China PR.

viii. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject country.

ix. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:

- a. Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd
- b. Aeolus Tyre Co., Ltd
- c. Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.
- d. Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd
- e. Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd.
- f. Zhongce Rubber Group Co. Ltd
- g. Shandong Cocrea Tyre Co., Ltd
- h. Qingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd
- i. Jiangsu General Science Technology Co., Ltd
- j. Shandong Yongtai Group Co., Ltd.
- k. Shandong Hengyu Science & Technology Co., Ltd.
- l. Shengtai Group Co., Ltd.
- m. Shandong Xingyuan Tire Group Co., Ltd.
- n. Good Friend Tyre Co. Ltd
- o. Triangle Tyre Co. Ltd
- p. Shandong Wanda Boto Tyre Co. Ltd.

x. The following traders from the subject country filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:

- a. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd.
- b. Tiremart (Qingdao) Inc
- c. Koryo International Industrial Limited
- d. Qingdao Nama Industrial Co. Ltd
- e. Winshine Industrial Co. Ltd
- f. Qingdao Champion International Trading Co. Ltd
- g. Best Choice International Trade Co., Limited
- h. Shandong Xingyuan Int Co. Ltd
- i. Qingdao Jinhaoyang Int Co. Ltd.

xii. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire rebutting the non-market treatment in the present investigation:

- a. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd.
- b. Qingdao Jinhaoyang International Ltd.

xii. Keeping in view the response from large number of producers and exporters in the subject country, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17(3) of the Rules and selected the following producers/exporters as the sampled parties, for detailed examination of degree and extent of dumping:

Sl. No.	Producer	Exporter
1.	M/s Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd
	---do---	M/s Cantop International (Qingdao) Co., Ltd.

	---do----	M/s Tiremart (Qingdao) Inc
2.	M/s Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.
3.	M/s Aeolus Tyre Co., Ltd	Aeolus Tyre Co., Ltd
4.	M/s Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd
	---do----	M/s Tiremart (Qingdao).
5.	M/sQingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd.	M/sQingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd.

xiii. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):

- i. A.G. Industries, Haryana.
- ii. A.S. & Company, Delhi.
- iii. Aditya Sales Corporation, Delhi.
- iv. Agk Digital Private Limited, Delhi.
- v. Akhil Impex Building, Punjab.
- vi. Alliance Traders, Delhi.
- vii. Amitt Enterprises, Punjab.
- viii. Arora Enterprises, Uttar Pradesh.
- ix. Asis Enterprises, Maharashtra.
- x. Bhagwatee Impex, Delhi.
- xi. Captown Overseas, Delhi.
- xii. Celite Tyre Corporation, Gujarat.
- xiii. Chadha Tyre Traders, Delhi.
- xiv. Chhabra Sales Corporation, Delhi.
- xv. Dashmesh Trading Co, Maharashtra.
- xvi. Deep Enterprises, Uttar Pradesh.
- xvii. Delhi Tyre Shoppe, Delhi.
- xviii. Eknoor Tyres Private Limited, Maharashtra.
- xix. Electro Link, Kerala.
- xx. Ess Infraproject Private Limited, Maharashtra.
- xxi. Fine Traders, Delhi.
- xxii. Fish Aquarium Home, Delhi.
- xxiii. Ganpati Overseas, Delhi.
- xxiv. Genetic Sales Corporation, Delhi.
- xxv. Globus Corporation, Maharashtra.
- xxvi. Gupta Tyre House, Haryana.
- xxvii. H.D.International, Punjab.
- xxviii. H.S.Arora & Co., Delhi.
- xxix. H.S.International, Delhi.
- xxx. Harpreet International, Delhi.
- xxxi. Hayer Trading Co, Maharashtra.
- xxxii. Hind Traders, Maharashtra.
- xxxiii. Hind Traders, Delhi.
- xxxiv. Indian Rubber Manufacturers Research Association, Maharashtra.
- xxxv. Indo China Impex, Delhi.

xxxvi. Indo Silicon Electronics P.Ltd, Delhi.

xxxvii. International Business Group, Maharashtra.

xxxviii. J.M.Shama Designs, Maharashtra.

xxxix. Jaipex, Maharashtra.

xl. Jitender Overseas, Delhi.

xli. Juneja Agencies, Punjab.

xlii. K.C. Impex, Delhi.

xliii. Kabeer Components Pvt Ltd, Delhi.

xliv. Kaks And Bills Pvt Ltd, Delhi.

xlv. Kingston Enterprises, Delhi.

xlvi. Lokesh Impex, Rajasthan.

xlvii. M S International, Delhi.

xlviii. Maankesh Trading Company, Delhi.

xlix. Meenakshi Importers, Maharashtra.

l. Mohan Enterprises, Delhi.

li. Nand Rubber Pvt.Ltd, Haryana.

lii. National Trading Company, Delhi.

liii. New Vikas Tyres, Delhi.

liv. Pahwa Distributors, Uttar Pradesh.

lv. Paras Auto Parts, Gujarat.

lvi. Pardeep Import Export, Maharashtra.

lvii. Pioneer Trading Corporation, Maharashtra.

lviii. Pricon Engineering Services, Maharashtra.

lix. Prem Trading Company, Madhya Pradesh.

lx. Pricon Engineering Services, Delhi.

lxii. R C International, Maharashtra.

lxiii. R S Enterprises, Maharashtra.

lxiv. Radhey Kishan Enterprises, Delhi.

lxv. Rajpal Roadlines Pvt Ltd., Maharashtra.

lxvi. Rameshwar Dass & Co., Haryana.

lxvii. Rangi Road Carrier, Maharashtra.

lxviii. Renu Raj Trading, Maharashtra.

lxix. Roadlion International, Delhi.

lxx. Royal Traders, Delhi.

lxxi. Rynaa Overseas (India), Maharashtra.

lxxii. S R Enterprises, Delhi.

lxxiii. S. S. And Sons, Delhi.

lxxiv. S.K. International, Delhi.

lxxv. Saarwan Enterprises, Delhi.

lxxvi. Sabharwal Trading Company, Delhi.

lxxvii. Sachin Prasad Yadav, West Bengal.

lxxviii. Samar Traders, Delhi.

lxxix. Sanjog Impex, Madhya Pradesh.

lxxx. Sanmati Portex Pvt Ltd., Delhi.

lxxxi. Sat Guru Traders, Uttar Pradesh.

lxxxii. Saveer International, Delhi.

lxxxiii. Shiv Shakti Enterprises, Delhi.

lxxxiv. Shivalik Exim, Punjab.

lxxxv. Simran India Inc., Delhi.

lxxxvi. Simran Traders, Delhi.

lxxxvii. Som Projects & Associates, Delhi.

lxxxviii. Sri & Co, Karnataka.

lxxxix. Sri Kumaran Traders, Karnataka.

lxxxix. Sri Tyres, Karnataka.

xc. Suman Bachhawat, West Bengal.
 xci. Sun Traders, Delhi.
 xcii. Supreme Trading Corporation, Delhi.
 xciii. Surodhya Sales, Delhi.
 xciv. Trans Tyres (India) Pvt. Ltd., Maharashtra.
 xcv. Uniglory International, Delhi.
 xcvi. Vaan Sales India Private Ltd, Delhi.
 xcvi. Vikas Retail Private Limited, Delhi.
 xcvi. Vortex Rubber Industries Pvt. Ltd., Delhi.
 xcix. Vrinda Overseas, Delhi.
 c. Zafco India Pvt. Ltd., Delhi.

xiv. None of the importers or consumers of the product have filed the importer's questionnaire response.
 xv. All India Tyre Dealers' Federation claiming itself as a federation of Tyre dealers has filed its submission.
 xvi. Initiation notification was sent to the following other domestic producers in India of the subject goods.
 a. MRF Ltd
 b. Michelin India Private Ltd
 c. Bridgestone India Private Ltd
 d. Continental India Ltd
 e. Kesoram Industries Ltd (Birla Tyres)

xvii. However, none of the other domestic producers has responded
 xviii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file, kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
 xix. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
 xx. The petition was filed considering July, 2014- June, 2015 as the Period of Investigation. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation has however been considered from July 2014- December 2015 (18 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from April' 2012-March' 2013, April' 2013-March' 2014, April' 2014-March' 2015 and the POI. Further, since the investigation period is a period of 18 months, all figures/data for the POI have been considered by annualising the same (i.e. by dividing the actual figure by 18 and multiplying by 12).
 xxi. Additional/supplementary information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry and exporters/producers was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
 xxii. The Non-injurious Price (NIP) based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
 xxiii. Information published by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) has been adopted for determination of volume and value of imports of product concerned in India. The petitioner has procured transaction-wise information on imports of the product under consideration from China Customs and DGCI&S. The Authority has however adopted DGCI&S transaction wise data for the purpose of the present investigation.
 xxiv. The Authority held an oral hearing on 24th March, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry, exporters, importers and other interested parties. All the interested parties who presented their views orally at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were also provided opportunity to offer rejoinder submissions to the submissions made by opposing interested parties.
 xxv. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this final findings.

xxvi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

xxvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded this final findings on the basis of the facts available.

xxviii. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would form the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 18.07.2017. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry and other interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.

xxix. *** in this final findings represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

xxx. The exchange rate adopted by the Authority during the POI for the subject investigation is 1 US \$= Rs 63.65.

xxxi. Following abbreviations have been used in this final findings

SN	Abbreviation	Description
1	Authority	Designated Authority
2	Act	The Customs Tariff Act, 1975
3	Rules	Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995
4	TBB Tyre	Truck & Bus Bias Tyres
5	TBR Tyre	Truck & Bus Radial Tyres
6	PUC	Product under consideration
7	DI	Domestic industry
8	AD	Antidumping
9	ADD	Antidumping duty
10	LCV	Light Commercial Vehicle
11	PCR	Passenger Car Radial
12	GOC	Government of China

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The product under consideration for the purpose of present investigation is “New/unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres) having nominal rim dia code above 16” used in buses and lorries/trucks”

B.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties:

5. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows;

- TBB and TBR are different products in terms of manufacturing, technology, physical and technical characteristics, specifications, functions, uses and pricing. The only common features shared by TBB and TBR are the raw materials used in the manufacturing process.
- No evidence have been provided by the petitioners that TBB and TBR are like products and that imports of TBR are causing injury to the domestic industry producing and selling TBR and TBB and that both TBR and TBB are "perfectly substitutable".
- TBR and TBB have different customs classification which proves that they are two different products. The difference between TBR and TBB is further underlined by the so-called radialization. The benefits offered by radial tyres are significantly higher than those of bias tyres. Consequently, customers have moved from bias tyres to radial tyres. The radialization for passenger vehicles took place between 1995 and 2004 and reached a penetration level of 85%.

However, the radialization for truck and bus vehicles has only begun recently in India and the market for TBR is currently booming.

- iv. The exclusion of certain TBR is required as the Domestic Industry does not produce Radial tyres for mining trucks used in the mining industry and TBR with a diameter exceeding 20" or 22.5", which are not produced by the domestic industry;
- v. All India Tyre Dealers' Federation has submitted that the domestic old tyre makers do not have real confidence in the quality and performance in comparison to foreign tyre makers and imports from overseas particularly from China.
- vi. AITDF submitted that while the foreign players like Michelin, Bridgestone, Continental, Yokohama and Maxxis are meeting the rolling resistance threshold limits of fuel saving qualities of radial tyres and the labeling laws in Europe and in some of Asian countries, the other domestic tyre makers seeking Anti-dumping duty are not showing enough interest to expedite similar Road Resistance and labeling norms in India, which is relevant to protect the end consumer.
- vii. AITDF submitted that 10.00 R 20 tyres size is 98% of the total radial tyres imported from China PR, and 22.5" rim dia radial tyre is less than 2% imports under investigation, on the other hand the truck / bus radial tyres of 17.5" i.e. 7.50 R 17.5 size, 7.50 R 20, 8.25 R 20, 9.00 R 20, 11.00 R 20, 12.00 R 20 and 12.00 R 24 and above truck radial tyres were not being produced during POI. Hence, stating nominal rim dia code above 16" is vague and unduly covers various tyre sizes which are either not imported or manufactured in India.
- viii. The Domestic Industry talks of huge capacity build up for radial tyres but it has done little to catch the domestic replacement market to use tyres for light, medium and heavy trucks and buses other than 10.00 R 20 tyres size and partially 11.00 R 20 tyre size. This shows that domestic tyre industry's initiative towards radialisation is very selective and tardy.
- ix. The petitioners are confusing the Authority by referring both TBR and TBB as PUC and claiming that imports of TBR from China PR are causing injury to the domestic industry producing TBB in order to determine the existence of injury only for TBR.
- x. Designated Authority should not accept the argument of the Domestic Industry for using different yard sticks and segments for injury analysis from the one used for defining product under consideration.
- xi. Use of term "having dia code above 16" in a very loose form to include tyres of all types and nature irrespective of whether the same are being produced by them or not and are used for different purpose than the one for conventional use in truck and bus

B.2. Submissions by the Domestic Industry

- 6. Submissions made domestic industry in this regard are as follows :
- i. The Product under Consideration (PUC) in the present investigation is "New/Unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres), having nominal rim dia code above 16" used in buses and lorries/trucks".
- ii. In tube type product, tyre is used along with one tube and one flap in a vehicle. One tyre, one tube and one flap are together sold as a "tyre set". The term "TTF" is prevalent in the industry, to denote a "tyre set". Tyre, tube and flap jointly render the function of "tyre" in a vehicle. Air is filled in the tube inside the tyres and a flap is used in between wheel and tube to avoid tube burst due to its cohesion with the wheels. Tyre, tube and flap are produced separately by the producers. Sale of tyre, tube and flap are primarily on "TTF" or "tyre set" basis. Radial tyre, tube and flap used in bus and lorries / trucks constitutes the product under consideration, irrespective of whether they are in TTF form or individually as tyre, tube and flap. Tubeless radial tyres, where tube and flap are not required, are also within the scope of this investigation.
- iii. The scope of the imported product includes only Radial tyres used in buses and lorries / trucks. Tyres are produced for use in vehicles like trucks, buses, lorries, light commercial vehicles, passenger car, jeep, tractor, two-wheeler, three-wheeler, animal pulled vehicles, earthmover, industrial tyres, aircrafts etc. However, the product under consideration is the type that is used only in buses & lorries / trucks. All other types of tyres are beyond the scope of the product under consideration in this investigation.
- iv. Tyres, Tubes and Flaps are produced separately. However, they are invariably used together in automotive applications. Tyres are classified in Chapter 40 under customs subheading no. 40112010 and tubes and flaps are under 40131020 and 40129049 respectively. However, the customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of investigation.

- v. Chinese TBR is in fact replacing market of domestic TBB. Chinese TBR is in fact causing injury to the domestic TBB as its imports are already subject to ADD.
- vi. In regard to like articles, the petitioner submitted that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and exported from subject countries. Subject goods produced by the Petitioners and imported from China are comparable in terms of physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
- vii. TBR and TBB were never different products. With (a) increasing radialization in India, (b) reducing gap between the prices of TBR and TBB, (c) increasing capacities for TBR in China, (d) Chinese TBR becoming cheaper than domestic TBB; Chinese TBR is now replacing Indian TBB.
- viii. TBR and TBB are perfectly substitutable as far as technical considerations are concerned. Any producer can interchangeably switch over between TBR and TBB. Comparison show that (a) domestic TBB is cheaper than Chinese TBR, (b) domestic TBB is cheaper than domestic TBR.
- ix. Demand for TBR is increasing and that for TBB is declining. This itself establishes that the two are one article.
- x. As regards contention of the opposing parties that domestic industry does not meet rolling resistance standard in Europe and some of the Asian countries, it may be noted that standard being followed by domestic industry is equivalent to those standards. Further, the argument that domestic industry is not showing enough interest to expedite globally accepted Road Resistance norms is factually incorrect and has no basis. The annual reports of domestic industry show that industry is continuously making efforts to incorporate all norms applicable as per global standards.
- xi. The petitioners dispute all request for exclusions from the scope of product under consideration and submit that so long as the description of imported product falls into the definition of the product under consideration in the petition and notice of initiation, the same is required to be included. Customs classification for New Pneumatic Tyres, of rubber of a kind used in buses or Lorries, Radials is 40112010 and the scope of PUC is limited/ restricted to tyres used in bus or lorries. Scope of PUC includes all truck & bus tyres having nominal rim diameter code above 16 inch. The definition of Product Under Consideration states as "*New/ Unused pneumatic radial tyres with or without tube and or Flap, of rubber having nominal rim diameter code above 16 inch in Buses and Lorries/ truck*". Light, Medium, Heavy, Mining, Industrial, Construction, etc. are classifications based on end use of the vehicle, i. e. truck & bus in the instant matter. Based on the end application a user is free to choose between various tyre sizes of truck and bus which is typically above 16".
- xii. All truck and bus tyres of nominal diameter above 16" are within the scope of PUC, irrespective of vehicle application whether for heavy commercial purposes; light commercial purposes; mining purposes; other industrial purposes; etc.
- xiii. The argument that nominal rim dia code above 16" is vague and unduly covers various tyre sizes which are either not imported or not manufactured in India is factually and lawfully incorrect. All technically possible and commercially viable sizes of truck & bus tyres above 16" are produced by domestic industry. There are even imports of sizes other than 10.00 R 20 and rim dia 22.5". The specification catalogues of domestic industry and import listing show that industry is producing complete range and there are imports in tyre size ranges other than 10.00 R 20 and rim dia 22.5".
- xiv. Radialisation has been all across T&B segment in the country. The specification catalogues of domestic industry provide details of radial tyres in light, medium and heavy T&B tyres vehicle category. Further, capacity build up is based on demand; there has been (a) significant growth in demand of medium & heavy truck and bus tyres and de-growth in light T&B tyres (b) significant demand of bias light T&B tyres. Even imports into India during POI shows (a) out of total T&B tyres imports from all countries about 95% are bias tyres (b) there are no imports of T&B bias tyres from China (c) only about 0.006% of T&B tyres from China are for light truck and bus.

B.3. Examination by the Authority

7. The product under consideration was defined in the initiation notification as follows:

"The product under consideration (PUC) in the present investigations is 'New/Unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap, of rubber, having nominal rim dia code above 16" used in buses and lorries/trucks'.

The PUC is classified in Chapter 40 under customs sub-heading No. 40112010 and tubes and flaps are classified under 40131020 and 40129049 respectively of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. Tubes and or flaps imported without New/Unused pneumatic radial tyres are outside the scope of the PUC. The Custom classification, however, is indicative only and not binding on the scope of investigation.”

8. On the submissions made by the interested parties with regard to the scope of product under consideration the Authority notes as under:
 - i. The product under consideration (PUC) in the present investigation is “New/Unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres), having nominal rim dia code above 16” used in buses and lorries/trucks”. The scope of the product under consideration includes both tube type and tubeless. In tube type tyre, tyre is used along with one tube and one flap in a vehicle. One tyre, one tube and one flap are together sold as a “tyre set” and described as “TTF”. The term “TTF” is prevalent in the industry, to denote a “tyre set”. Tyre, tube and flap jointly render the function of “tyre” in a vehicle. Sale of tyre, tube and flap are primarily on “TTF” or “tyre set” basis. Tubeless radial tyres, where tube and flap are not required, are also within the scope of this investigation.
 - ii. The scope of the imported product includes only Radial tyres used in buses and lorries / trucks. Tyres are generally used in various kinds of vehicles such as trucks, buses, lorries, light commercial vehicles, passenger car, jeep, tractor, two-wheeler, three-wheeler, animal pulled vehicles, earthmover, industrial tyres, aircrafts etc. However, the product under consideration is the type that is used in buses & lorries / trucks. All other types of tyres are beyond the scope of the product under consideration in the present investigation.
 - iii. Subject goods are classified in Chapter 40. Tyres are classified under customs subheading no. 40112010 and tubes and flaps are under 40131020 and 40129049 respectively. However, customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of investigation.
 - iv. The Authority further notes that import of TBB is already attracting ADD on imports from China and is beyond the scope of the product under consideration. The domestic industry has however contended that imports of Chinese TBR are causing injury to the TBB and TBR produced by the domestic industry. The interested parties have also contended that there has been increasing radialisation in the tyre industry across the country. Radialisation means that the bias tyres are being increasingly substituted by radial tyres. While it may be true that TBR and TBB are technically different products, there is no dispute that TBR is increasingly substituting TBB. In fact, the interested parties have themselves contended the same. The contention of the domestic industry that TBR and TBB are being used even in the same lorries has not been refuted by the interested parties, which implies that such substitution has not happened at the level of OEM (i.e., while selling a new truck/bus), but has happened when the tyres are being replaced by the consumers. As regards request for exclusions of radial tyres for mining trucks used in the mining industry having a diameter exceeding 20”, the Authority notes that the domestic industry produces and supplies tyres having a diameter exceeding 20’. The scope of the product under consideration is tyres used in buses and lorries. So long as the tyres meet the definition of the product under consideration and falls under the customs classification, the same is within the scope of the product under consideration. The Authority however notes that there are a large number of other kinds of tyres classified under Chapter 40. All tyres falling under the scope of PUC classifiable under customs subheading no. 40112010 and tubes and flaps classifiable under 40131020 and 40129049 respectively of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 are within the scope of the product under consideration and all other kinds of tyres, tubes and flaps not classifiable under these customs classification are beyond the scope of the product under consideration.
9. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and exported from China. Subject goods produced by the Petitioners and imported from China are comparable, collectively and cumulatively, in terms of product characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The TBR Tyres produced by the domestic industry are technically and commercially substitutable to the imported TBR Tyres. TBR produced by the domestic industry are like article to the TBR imported from China. The Authority holds that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the subject product under consideration imported from subject countries in accordance with the AD Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

10. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers."

C.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties:

11. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- All India Tyre Dealers' Federation (hereinafter referred as AITDF) submitted that among ATMA and its members, only Apollo Tyres Ltd., J. K. Tyre Industries Ltd., and Cear Ltd, who manufacture both radial as well as non-radial tyres for various categories of tyres including truck and bus, Light Commercial Vehicles and Passenger Cars etc. out of total eleven producer/manufacturers of the subject goods have chosen to seek anti-dumping investigation, while other domestic tyre makers with new investment in India like Michelin, Bridgestone have kept away. No other interested party has submitted any specific comments in this regard

C.2. Submissions made by the Domestic industry:

12. Submissions made by domestic industry in this regard are as follows:

- The present petition has been filed by ATMA on behalf of Apollo Tyres Ltd., J. K. Tyre Industries Ltd., and Cear Ltd for imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country.
- There are other domestic producers of the subject goods in India such as Birla Tyres, Bridgestone India Private Limited, Continental India Ltd, Michelin India private Limited and MRF Ltd.
- However, the production by the petitioner companies constitutes more than 50% of Indian production.
- Production of the petitioner companies accordingly constitutes a major proportion in Indian production. Further, the petitioner companies have not imported the product under consideration. Nor are they related to any importer or exporter of the product under consideration.
- The petitioner companies, therefore, constitutes domestic industry and satisfies the requirement of standing under the Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.

C. 3. Examination by the Authority

13. The present application has been filed by ATMA on behalf of Apollo Tyres Ltd., J. K. Tyre Industries Ltd., and Cear Ltd., domestic producers of the product under consideration and who have provided detailed information for the present investigation in the matter of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from China PR.

14. As per the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether:

- domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and
- the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application.

15. The Authority notes that:

- The production by the petitioner companies constitutes more than 50% of Indian production;
- The petition was specifically supported by MRF Ltd. Post initiation, the Authority sought information from MRF as well. However, the company has not provided its injury information.
- The petition has not been opposed by any producer of the product under consideration in India.
- Petitioner identified following companies as the producers of the product under consideration in India and gave information with regard to their production

SN	Name
1	MRF Ltd
2	Kesoram Industries Ltd
3	Bridgestone India Private Limited
4	Michelin India Private Limited
5	Continental India Ltd

- e. Information on record does not show any domestic producer being ineligible domestic producer of the product under consideration within the meaning of the AD Rules. The DGCI&S data shows that there are imports made by Ceat and Apollo Tyres. The imports made by CEAT are of TBB and not the PUC. The imports made by Apollo tyres is for research and development purposes and not for re-sale. The quantum of import too is fairly insignificant. The Authority has treated all domestic producers of the product under consideration as eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).
- f. The petitioner companies declared that they have neither imported the product under consideration from China during the POI, nor they are related to any of the importers of the subject goods in India or exporters of the subject goods from China.
- g. Production of the petitioner companies constitutes 65.05% of Indian production. Further, the petition is supported by those domestic producers whose collective output constitutes 21.40% of Indian production. Thus petitioner along with supporter commands 86.45% of Indian Production.

16. Having regard to the rules, the Authority holds that the petitioner companies command a major proportion in the production of the subject goods in India and for the purpose of this investigation they satisfy the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitute domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. CONFIDENTIALITY

17. The Authority considered confidentiality claims of various interested parties having regard to Rule 7 of Anti-dumping Rules and Article 6.5 of the WTO Agreement on Anti-Dumping

D.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties:

18. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- i. Domestic industry has failed to provide essential information and has claimed excessive confidentiality with regard to total TBR (Truck and Bus Radial Tyres) sales of the domestic industry ; total TBR sales of the Indian producers; total production of TBR of the Indian producers; Production of tyres for replacement segment ; OEM(Original Equipment Manufacturer) segment production; export production; domestic OEM sales; domestic replacement sales; export sales; total sales; domestic sales value; export sales value; stock volume; cost of sales; selling price; profit per unit; profit total; cash profit; profit before interest and tax; number of employees; wages; wages per unit; and return on capital employed.
- ii. The Petitioner has failed to provide good cause for the purpose of claiming confidentiality on certain essential facts. It has failed to provide non-confidential summaries of information treated as confidential in the Petition.
- iii. Absence of evidence supporting the Export price.
- iv. Total demand for TBR or the production capacity of the domestic industry post POI is concealed by the Petitioner.

D.2. Submissions by the Domestic Industry:

19. Submissions made domestic industry in this regard are as follows:

- i. Petitioners have complied with all requirements laid down by the authority. The petitioners have disclosed all information that is required to be disclosed under the law. There are no specific instances of non-disclosure of such information by the petitioners which the petitioner was obliged to disclose.
- ii. Export price calculation has been disclosed in the non-confidential version Evidence showing adjustments in export price are business sensitive information and not susceptible to summarization.

iii. Petitioners have claimed only such information as confidential, confidentiality of which is protected under the law. Sufficient non-confidential summaries of the information have been provided on confidential basis except for those which are not susceptible to summarization. In fact the responding interested parties have resorted to excessive confidential information.

D.3. Examination by the Authority

20. The Authority has examined the confidentiality claims of the interested parties. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

21. The Authority notes the information required to be made public by the interested parties and public notices issued by the authorities are directly subjected to confidentiality provisions. Rules have been created to protect confidentiality of information provided by an interested party on confidential basis in order to protect such party from disclosure of their business sensitive information or where the supplier of the information requires confidentiality treatment on such information.

22. The Authority holds that while any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential, any information not disclosed publicly by an interested party cannot be disclosed to other interested parties participating in the investigations.

23. In view of the legal obligation and considering the confidentiality claims of the interested parties, the Authority has accepted confidentiality claims of the interested parties and holds that only all such information which is otherwise not publicly disclosed has been treated as confidential information.

E. Miscellaneous Submissions

E.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties:

24. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- i. The assessable value used by the Indian customs authorities- Customs duty should only be levied on the customs value of the TBR as reported in the commercial invoice.
- ii. China Customs data is irrelevant as it only indicates the volume and value of TBR exported but not the volume and value of TBR that were imported into India. The use of China Customs for import statistics is disputed and requests the Designated Authority to only resort to the import data provided by the DGCI&S.
- iii. Apollo Tyres Ltd., MRF Ltd., CEAT Ltd., JK Tyre Industries Ltd., Birla Tyres Ltd. together control about *** % of tyre and under the aegis of its Association have indulged in cartelization of the domestic tyre market and increased the tyre prices on the pretext of increase in the raw material prices but did not reduce the prices when the prices of raw material fell. ATMA have revealed that the opposite parties were concerned about the increased volatility in prices of natural rubber and other key raw materials in 2010-11 and its adverse impact on their operating margins. Evidence revealed that opposite parties under the aegis of its Association (ATMA), discussed the commercially sensitive subject of 'Raw Material Cost' Increase Vis-a-Vis 'Tyre Price Increase' and the 'Gap' in February 2011. Email communications of May 2011 between the market leaders i.e., MRF and Apollo through DG, ATMA with regard to the pricing strategy, has clearly revealed active collusion in form of an 'agreement' to determine the tyre price in the domestic tyre market.
- iv. Analysis of price movement exhibited strong price parallelism during the five year period from 2009-14 and indicated that tyre prices of opposite parties moved in tandem in the three years period. Further, despite significant decline in the input costs particularly in 2012-13 and 2013-14, the tyre prices were kept at higher level.
- v. Anti-dumping Bench of CESTAT in its Order dated 2.08.2011 has set aside imposition of Anti-Dumping Duty (ADD) on import of TBR Tyres.
- vi. There is no case of imposition of ADD on import of TBR tyres , which otherwise will further strengthen the domestic tyre cartel which has been indiscriminately increasing the tyre prices on the back of rise in raw material prices but has not rolled back the tyre prices during POI despite steep fall in prices of raw materials.

vii. World over the tyre manufacturers and particularly in China PR have reduced the tyre prices in tandem with the fall in raw material prices during POI and hence domestic tyre prices have been highly inflated as against fair prices of imported truck and bus radial tyres to India from China PR.

E.2. Submissions made by the Domestic Industry

25. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- i. The exporters themselves have declared some exports to China customs and now wish to stay away from those claims made to China customs. If they have not fabricated the claims before the Designated Authority why the exporters are trying to shy away from their own customs authorities data? The exports reported in China Customs are nothing but the volume and value of exports declared by the exporters themselves to their own customs authorities. How can there be a question of export volume and value reported in China Customs being different from the data with the responding exporters? Further, as far as possibility of goods exported from China not being imported into India is concerned, it is open for the sampled companies to bring on record instances where goods were initially invoiced for India, reported as exports to India under China Customs, but eventually did not reach Indian customs.
- ii. AITDF should not be allowed to participate in the present investigations as it is not an interested party, neither an association of consumers nor an association of importers or exporters or domestic producers and therefore they do not satisfy any of the requirements.
- iii. AITDF platform is being used/abused/misused by some other parties for their commercial gains. This suspicion of the domestic industry further gets strengthened by the statement made by Mr. S P Singh at the time of hearing that their members are importers of the product under consideration.

E.3. Examination by the Authority

26. As regards allegations and issues concerning possible unfair competition amongst domestic producers, the Authority considers that the issue is beyond the scope of the present Authority and investigation and is to be handled by a separate body namely, the Competition Commission of India.

27. With regard to the participation of AITDF in the present investigations, Authority notes that Rule 2(c) provides as follows -

(c) "interested party" includes -

(i) an exporter or a foreign producer or the importer of an article subject to investigation for being dumped in India, or a trader or business association a majority of the members of which are producers, exporters or importers of such an article;

(ii) the government of the exporting country; and

(iii) a producer of the like article in India or a trade and business association a majority of the members of which produce the like article in India;

28. The rule provides that an exporter, foreign producer, or importer can be treated as interested party. Further, a trader or business association can be treated as interested party, if a majority of its members are producers, exporters or importers of such article. The government of the exporting country, a producer of the like article in India or a trade and business association, a majority of the members of which produce the like article in India are also required to be treated as interested party in an anti-dumping investigation.

29. All India Tyre Dealers Federation (AITDF) explained its status as follows:

- a. it is a federation of trade associations.
- b. its constituents are divided into four parts in the country. The North Zone is coordinated by Delhi Tyre Dealers Association & its routine expenses are met by Delhi Tyre Dealers Association.
- c. AITDF has no salary based Secretary to represent issues before the various Governmental agencies and forums.
- d. At present, AITDF and its constituents are more focused on adopting GST and Digital India Campaign of the Government of India.
- e. The AITDF is assisting Department of Industrial Policy and Promotion on finalising 'Waste Tyres Management Rules 2017' and TED-7 (BIS) in different capacity in framing standards for tyres, tubes, flaps, wheels for automobiles.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value

30. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-

- i. *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- ii. *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*
 - a. *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - b. *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

F.1. Submissions by the foreign producers/exporters/other interested parties

31. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire rebutting the non-market treatment in the present investigation

- a. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd.
- b. Qingdao Jinhao Yang International Ltd.

32. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd is a manufacturer and Qingdao Jinhao Yang International Ltd. is a trader / exporter.

33. Submissions made by the foreign producers/exporters/other interested parties with regard to normal value is as under :

- i. The determination of the normal value by the petitioner violates the provisions of paragraph 7 of Annexure I and is not supported by any evidence. The Petitioner claims at the "normal value of TBR in China PR could not be determined at this stage on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the petitioner".
- ii. Normal value for China PR has been determined on the basis of constructed cost of production on the basis of following principle:

International prices have been adopted for raw materials, wherever available. For this purpose with the following elements: Raw materials as per import prices in India, China PR and Taiwan; Power rates as per rates prevailing in the Domestic industry; Consumption norm, Conversion costs, selling, general and administrative expenses of the most efficient producer participating in the investigation factors as per standard input output norms fixed by the Government of India; as per domestic industry; and percent reasonable profit margin.

- iii. The methodology used by the Petitioner and by the Designated Authority to determine the normal value is incorrect for two reasons:

- a. An appropriate market economy third country should be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question. and due account should be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts should be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. Hon'ble Supreme Court in Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd. v. Exide Industries Ltd. and others [(2005) 3 SCC 39] observed with affirmation that the Designated Authority can resort to the last alternative only when the first two methods have been exhausted. Petitioner and the Designated Authority must use the first and the second methodology to compute the normal value and may only resort to the third methodology in case the first two methodologies have been exhausted.

- b. Second, the Petitioner's claim according to which the relevant information to determine the normal value on the basis of price or constructed value in a market economy third country is not available is wrong and fallacious. Indeed, amongst the three companies supporting the Petition, two (namely Apollo Tyres and JK Tyre) have manufacturing facilities in third countries and have therefore access to all the

relevant information. Apollo Tyres has production facilities in the Netherlands, South Africa and Zimbabwe and JK Tyre has three production sites in Mexico.

F.2. Submissions made by Domestic Industry

34. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- i. China should be considered a non-market economy, in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value .Market economy status cannot be granted unless following conditions are fulfilled:
 - a. State interference should be completely ruled out.
 - b. The prices of major inputs should substantially reflect market values
 - c. The account books should have been audited in line with International Accounting Standards
 - d. All the required parameters should be met with to grant the market economy status.
 - e. The onus/obligations to establish market economy status is onto responding Chinese exporters and not onto the Designated Authority.
 - f. The responding company and its group, as a whole, should make the claim.
- ii. Based on various pronouncements relating to examination of market economy status by India and other investigating authorities, following jurisprudence has clearly emerged. While granting market economy status, following parameters should be considered:
 - a. State interference should be completely ruled out.
 - b. The prices of major inputs should substantially reflect market values
 - c. The account books should have been audited in line with International Accounting Standards.
 - d. All the required parameters should be met with to grant the market economy status.
 - e. The responding exporters themselves have to establish that they are operating under market economy conditions.
 - f. Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group and involved either in production or in sale has not filed the response, market economy status cannot be granted.
 - g. In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.
- iii. Accordingly , as per Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:
 - a. *the price in a market economy third country,*
 - b. *constructed value in a market economy third country,*
 - c. *the price from such a third country to other country, including India.*
 - d. *Any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India, duly adjusted to include a reasonable profit margin.*
- iv. Petitioner has not been able to determine the normal value of TBR in China on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the petitioner. It is noted that such normal value must be "comparable price in the ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in such market economy third country". In order to arrive at normal value on this basis, the Designated Authority shall require complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade). Principles of fair comparison as laid down under Article 2.4 of the Agreement are also relevant in this respect. In view of the same, the normal value for China has been determined on the basis of constructed cost of production. The methodology adopted is given below.
 - a. Raw material prices as per details given below:

S.N.	Raw material	Source
1	Natural rubber	Import price in China
2	Styrene Butadiene rubber	Import price into India
3	Polybutadiene rubber	Import price into India
4	Nylon tyre cord fabric	Import price from Taiwan
5	Rubber chemicals	Import price in India from China after adding anti-

		dumping duty
6	Steel cord fabric	Import price into India
7	Carbon Black	Import Price into India from China after adding anti-dumping duty
8	Bead Wire	Apollo less Custom Duty

- b. Power rates as per rates prevailing in Domestic Industry.
- c. Consumption factors as per Standard Input Output Norms fixed by Govt. of India.
- d. Conversion costs, selling, general & administrative expenses as per domestic industry.
- e. 5% reasonable profit margin.

F.3. Examination by the Authority

35. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

36. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired on 11th Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present investigation is July 2014 to Dec 2015. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China, if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

37. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.

38. Authority notes that following exporter/producers have responded and filed questionnaire response.

- a. Shandong Hengyu Science and Technology Co. Limited
- b. Best Choice International Trade Co. Ltd.
- c. Shengtai Group Co. Ltd.
- d. Shandong Xingyuan International Trading Co. Ltd.
- e. Jiangsu General Science Technology Co. Ltd.
- f. Shandong Yongtai Group Co. Ltd.
- g. Shandong Xingyuan Tire Group Co. Ltd.
- h. Qingdao Doublestar Tire Industrial Co. Ltd.
- i. Shandong Cocrea Tyre Co. Ltd., China
- j. Shandong Hengfeng Rubber and Plastic Co. Ltd.
- k. Qingdao Champion International Trading Co. Ltd.
- l. Triangle Tyre Co. Ltd.
- m. Shandong Wanda Bototyre Co. Ltd.
- n. Qingdao Yellow Sea Rubber Co. Ltd., China PR
- o. Tiremart (Qingdao) Inc.
- p. Koryo International Industrial Limited
- q. Shandong Wanshine Tire Co. Ltd., China PR
- r. Winshine Industrial Co. Ltd.
- s. Qingdao Nama Industrial Co. Ltd.
- t. Aeolus Tyre Co. Ltd., China PR
- u. Shandong Yinbao Tyre Group Co. Ltd, China PR
- v. Cantop International (Qingdao) Co. Ltd.
- w. Zhongce Rubber Group Co. Ltd, China PR
- x. Qingdao Jinhaoyang International Ltd.
- y. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd.

39. The following producers with their relevant trader(s)/exporters from the subject country have been sampled by the Authority

Sl. No.	Producer	Exporter
1.	M/s Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd
	--do--	M/s Cantop International (Qingdao) Co., Ltd.
	--do--	M/s Tiremart (Qingdao) Inc
2.	M/s Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.
3.	M/s Aeolus Tyre Co., Ltd	Aeolus Tyre Co., Ltd
4.	M/s Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd
	--do--	M/s Tiremart (Qingdao).
5.	M/s Qingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd.	M/s Qingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd.

40. The Authority further notes that the following non-sampled parties have also submitted exporter's questionnaire response seeking individual treatment in terms of Rule 17 of the Rules:

- a. Shandong Hengyu Science and Technology Co. Limited
- b. Best Choice International Trade Co. Ltd.
- c. Shengtai Group Co. Ltd.
- d. Shandong Xingyuan International Trading Co. Ltd.
- e. Jiangsu General Science Technology Co. Ltd.
- f. Shandong Yongtai Group Co. Ltd.
- g. Shandong Xingyuan Tire Group Co. Ltd.
- h. Shandong Cocrea Tyre Co. Ltd., China
- i. Qingdao Champion International Trading Co. Ltd.
- j. Triangle Tyre Co. Ltd.
- k. Shandong Wanda Bototyre Co. Ltd.
- l. Tiremart (Qingdao) Inc.
- m. Koryo International Industrial Limited
- n. Shandong Wanshine Tire Co. Ltd., China PR
- o. Winshine Industrial Co. Ltd.
- p. Qingdao Nama Industrial Co. Ltd.
- q. Cantop International (Qingdao) Co. Ltd.
- r. Zhongce Rubber Group Co. Ltd, China PR
- s. Qingdao Jinhaoyang International Ltd.
- t. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd.

Examination of Market economy claims

41. The following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire rebutting the non-market treatment in the present investigation:

- a. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd.
- b. Qingdao Jinhaoyang International Ltd.

M/s Good Friend Tyre Co. Ltd., producer/exporter from China PR has responded to the Market economy (MET) questionnaire.

42. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD Rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

43. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti-Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether: -

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

44. The Authority notes that Good Friend Tyre Company and Qingdao Jinhaoyang International Ltd. from China PR have responded to the questionnaire pertaining to market economy status and to the exporters' questionnaire, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters were examined for determination of normal value of the responding producers/ exporter of the subject goods.

45. The Authority has taken cognizance of the information provided by the respondent namely M/s Good Friend Tyre Co. Ltd. and M/s Qingdao Jinhaoyang International Ltd. who have filed MET response with which they sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Anti-dumping Rules regarding grant of market economy status to their company. M/s Good Friend Tyre Co. Ltd. is producer and exporter whereas M/s Qingdao Jinhaoyang International Ltd. is an exporter, procuring the subject goods from the M/s Good Friend Tyre Co. Ltd. However, the Authority could not examine the MET claim further as the companies have not provided sufficient evidences with regard to non-interference of state in pricing of the raw materials. The majority suppliers of the raw material are Chinese companies barring one company from USA. Thus market economy treatment claimed by the respondent companies in the present investigation has not been accepted. In view of the above position, the Authority does not grant market economy treatment to the aforementioned Chinese companies in the present investigation.

46. The normal value for China PR has been constructed on the basis of following :

- International price of raw materials, namely, natural rubber, synthetic rubber, carbon black, nylon cord fabric, steel cord fabric and bead wire (Export/Import price from/into China PR as per World Trade Atlas has been adopted)
- Prices of chemicals and reclaimed rubber have been considered based on domestic industry's data
- Consumption Norms of the most efficient constituent of domestic industry
- Conversion costs based on the most efficient constituent of domestic industry
- Selling, general and administrative expenses based on the most efficient constituent of domestic industry
- Notional Profit @ 5% has been considered.

Estimates of Export Price

47. Section 9A(1)(b) of the Act and Rule 10 of the Rules, inter-alia, governs determination export price in relation to an article.

"export price", in relation to an article, means the price of the article exported from the exporting country or territory and in 'cases where there is not export price or where the export price is unreliable because of association or a compensatory arrangement between the exporter and the importer or a third party, the export price may be constructed on the basis of the price at which the imported articles are first resold to an independent buyer or if the article is not resold to an independent buyer, or not resold in the condition as imported, on such reasonable basis as may be determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

a. **Submissions made by the foreign producers/exporters/other interested parties**

48. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- The petitioner has determined the export price by adopting DGCI&S data. Price adjustments have been made on account of commission, port expenses, bank charges, handling charges, inland freight, ocean freight, marine insurance and VAT'.
- Annex 3.3 to the Petition mentions that the following adjustments have been made in order to compare the normal value and the export price at a same level of trade such as Ocean freight, Marine insurance, commission, port expenses, inland freight expenses, bank charges and VAT loss.
- Petition does not contain necessary evidence supporting the determination of export price.

b. **Submissions made by the Domestic Industry**

49. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- According to the WTO Agreement on Anti-Dumping and Indian Anti-Dumping Rules, the comparison of normal value and export price must be at the same level of trade. Thus, for fair comparison between the normal value and export price, it is necessary to compare the two at the same level of trade. The export prices being CIF value while

the normal values being at ex-factory level, the export prices have been adjusted for, ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses, bank charges and VAT.

- ii. Petitioners have provided all relevant information for establishment of export price. Further, the authority has resorted to sampling and may consider the information/evidence provided by these responding exporters.

Examination by the Authority

- 50. The comparison of normal value with export price must be a fair comparison. Both normal value and export price have been determined at ex-factory level and pertain to the same period. There are no known differences in the conditions and terms of sale. Both the prices are free of taxes. There appears no other difference in the two prices. Thus, the comparisons made by the petitioner constitute a fair comparison.
- 51. The dumping margin is not only above *de minimis* levels, but also substantial.

Export Price of sampled producers/exporters

Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd. (Producer/Exporter) along with traders M/s. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd & Tiremart (Qingdao) Inc.

- 52. From the response filed by M/s. Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd. (Yinbao), authority notes that Yinbao is a producer as well as exporter of the subject goods. During the POI, Yinbao exported 204,09,071Kgs of the subject goods directly and also through two unrelated trading companies i.e. M/s. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd & Tiremart (Qingdao) Inc. Both trading companies have filed responses separately. Yinbao has claimed adjustment towards inland freight, ocean freight, commission, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges and the same have been allowed by the authority. Further, the authority notes that one of trader has exported the subject goods to India at a price which does not cover traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. Accordingly, the export price so determined for Yinbao (direct exports) and through unrelated traders at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Aeolus Tyre Co., Ltd (Producer/Exporter)

- 53. From the response filed by M/s. Aeolus Tyre Co., Ltd (Aeolus), authority notes that Aeolus is a producer as well as exporter of the subject goods and is related to Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd. (Producer/Exporter). Aeolus has claimed adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges and the same have been allowed by the authority. Accordingly, the export price so determined for Aeolus at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table along with Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd. (Producer/Exporter) below.

Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd. (Producer/Exporter)

- 54. From the response filed by M/s. Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd. (Hengfeng), authority notes that Hengfeng is a producer as well as exporter of the subject goods. Hengfeng has claimed adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges and the same have been allowed by the authority. Accordingly, the export price so determined for Hengfeng at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.

Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd. (Producer/Exporter) along with trader M/s. Tiremart (Qingdao) Inc.

- 55. From the response filed by M/s. Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd. (Yellow Sea), authority notes that Yellow Sea is a producer as well as exporter of the subject goods is related to Aeolus Tyre Co., Ltd (Producer/Exporter). During the POI, Yellow Sea exported the subject goods directly and also through unrelated trader M/s. Tiremart (Qingdao) Inc. Yellow Sea has claimed adjustment towards inland freight, handling and customs charges, credit cost, VAT adjustment and bank charges and the same have been allowed by the authority. Accordingly, the export price so determined for Yellow Sea (direct exports) and through M/s. Tiremart (Qingdao) Inc at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table along with Aeolus Tyre Co., Ltd (Producer/Exporter) below:

Qingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd. (Producer/Exporter)

- 56. From the response filed by M/s. Qingdao Doublestar Tire Industrial Co., Ltd. (Doublestar), Authority notes that

Doublestar is a producer as well as exporter of the subject goods. Doublestar has exported both Tyres and flap collectively to India but have not reported flap in its response. Further, Doublestar has not reported the correct invoice value in some of the transactions. In view of the above, the authority is unable to accept the export price as reported by Doublestar and reject the response filed by Doublestar. Accordingly, the export price for Doublestar at ex-factory level is determined on the basis of facts available.

Dumping margin for Non-Sampled Co-operative Producers and Exporters

57. The dumping margin for the producers and exporters , who had filed response to the questionnaire but were not sampled by the Authority, has been determined as the weighted average of the dumping margins of the sampled producers and exporters as above in terms of Rule 18(2) of the Rules which read as follows:

(2) In cases where the designated authority has selected percentage of the volume of the exports from a particular country, as referred to sub-rule (3) of rule 17, any anti-dumping duty applied to imports from exporters or producers not included in the examination shall not exceed -

(i) the weighted average margin of dumping established with respect to the selected exporters or producers or,

(ii) where the liability for payment of anti-dumping duties is calculated on the basis of a prospective normal value/ the difference between the weighted average normal value of the selected exporters or producers and the export prices of exporters or producers not individually examined

Export Price and dumping margin for all other producers/exporters from China

58. The Authority notes that no other producer/exporter from China has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/ exporters in China, the Authority has determined the export price on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below. For this purpose, the Authority has considered data from the questionnaire response of the sampled companies.

59. The net ex-work normal value determined have been compared with the export prices of the sampled producers and exporters as determined above to arrive at the weighted average dumping margins of non-sampled producers and exporters. The dumping margin of non-cooperative producer/ exporter have been arrived based on facts available as per the details below:

S.N.	Company	Normal Value	Net export price	Dumping margin	Dumping margin	Dumping margin
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	INR/MT	%
1.	Non-Sampled Co-operative Producers and Exporters	***	***	***	***	10-30%
2.	Non-cooperative producers/ exporters	***	***	***	***	20-40%

60. The dumping margins so determined are above de minimis limits.

G. Determination of Injury and Causal Link

61. The petitioners have alleged that the dumped imports from the subject country are causing material injury to the like product domestic industry in India. Having determined that the goods are entering from the subject country at dumped prices the Authority proceeds to examine the degree and extent of injury, if any, suffered by the domestic industry.

62. Rule 11 of the Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

G.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

63. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- i. The sales of TBR have increased by 60% during the injury period with the high demand and radialization.
- ii. The economic factors demonstrate that it is experiencing positive developments and is in a situation of strength.
- iii. The DI imports raw materials at a high price due to hefty customs duties which increases the constructed normal value
- iv. The price of natural rubber has significantly decreased.
- v. The reduction in the domestic industry's market share, if any, is not caused by imports of TBR originating in China PR but by other factors. Increase in market share of Chinese origin goods is inconsequential as far as performance of the Indian Industry is concerned and therefore not a relevant fact for the determination of injury.
- vi. The total imports of TBR account for less than 7.4 percent of the total TBR consumption in India.
- vii. The injury suffered is self-inflicted by unfair practices
- viii. The high price charged by the domestic industry for TBR in the replacement market is not caused by the imports but is rather the consequence of the pricing policy followed by them
- ix. The injury suffered, if any, is caused by the competition from other domestic producers- The decrease in market share of the DI, is caused by the aggressive pricing behaviour of other domestic competitors.
- x. The imports of TBR do not cause injury to TBB as firstly TBR and TBB are not interchangeable and the market is shifting towards TBR because they offer "higher life/mileage, lower fuel consumption, and improved safety and ride quality". Secondly, ADD on imports of TBB is still in force. Thirdly, the market for TBB is shrinking because of radialization.
- xi. Imposition of ADD on imports of TBR will go against the public interest.
- xii. The Petitioners have submitted new data on the production capacity, the production and the capacity utilization of the domestic industry for TBR in written submissions without any explanation on the reason for the modification of this information at a very late stage of the investigation. The modifications have been made for all the years. Designated Authority should scrutinize the data submitted by Petitioner with special attention.
- xiii. It is not disputed that the import of TBR from China PR has been increasing. However, those imports do not have a negative impact on the domestic industry in so far as its performance is concerned. The domestic industry is performing very well and that no economic parameter of the domestic industry is negative.
- xiv. There is no evidence to show that the levels of price undercutting are significant
- xv. The domestic demand for TBR exceeds the production capacity of the domestic industry and that imports are therefore necessary to cope with the growing demand of TBR in India.
- xvi. The production capacity of the domestic industry is not enough to satisfy the entire demand for TBR in India as there is a difference of 37,137 MT between its production capacity and the total demand for TBR in India
- xvii. The warranty expenses and the interest paid to dealers by the domestic industry should be deduced from the domestic selling price for the determination of the price undercutting because Chinese producers do not follow those practices.
- xviii. Domestic industry has increased its production capacity during the POI. Accordingly, they would have capitalized their additional capacity in their books of account during the POI and the same needed to be checked whether the capital employed during the POI covers revenue expenses like trial run expenses, forex losses and interest incurred during the trial run period which would have been capitalized during the POI. If such revenue expenses were capitalized during the POI, no return should be granted on such capitalized expenses as per the consistent practice of the Designated Authority.
- xix. The injury suffered is self-inflicted on account of unfair practices. The injury suffered, if any, is caused by the competition from other domestic producers
- xx. Despite increase in import the petitioners as well as other Indian manufacturers have achieved higher and increased production volume by 61%, increase in production capacity by 26%, higher plant/capacity by 27% and increase in sales volume by 60%, increase in sales value by 54% as compared to the base year. The prices of the imported goods has neither affected the volumes of the Domestic Industry nor has it affected the pricing of the petitioners or Indian manufacturers.
- xxi. The performance of Indian producers including petitioners is showing a trend independent of prices of subject imports into India from subject country.

- xxii. Despite alleged dumping and Price undercutting & price suppression/depression on account of import of subject goods from China PR the petitioners as well as India manufactures have achieved, much higher rate of profit, cash profit, profit before interest and tax and return on capital employed.
- xxiii. The Production and sales of TBR both in OE & Replacement segment have increased tremendously during injury period and Period of Investigation.

G.2. Submissions made by the Domestic Industry

64. Submissions made by the domestic industry in this regard are as follows:

- i. The imports of TBR are causing injury to the domestic industry producing and selling TBR and TBB. Imports of TBR are in fact replacing requirement of TBB. The domestic industry has suffered so significant injury in TBB that the overall performance of the domestic industry in respect of TBR and TBB also shows deterioration in respect of sales volumes and market share. This is despite the fact that there is no known import of TBB (which further establishes that the decline in combined performance is due to dumping of TBR in the Country).
- ii. Imports of subject goods from other countries are at much higher prices. There is no viable substitute to this product. The demand for the subject goods was showing significant increase and this could not have been a factor affecting domestic prices.
- iii. There is continuous increase in domestic demand of the subject goods in India. There has been a significant increase in dumped imports, both in absolute terms and relative to total imports of the product, production and consumption/demand in India.
- iv. Demand for TBR is rising and the same has led to increased imports. The low level of capacity utilization in POI despite rising demand for TBR shows the dumping of the product has prevented utilization of the capacities for the product.
- v. The weighted average import prices have been significantly below the selling prices of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.
- vi. The levels of price undercutting are significant per se to justify imposition of anti-dumping duty. The imports have depressing effect on the prices of the domestic industry to a significant degree. However, landed price of imports have been below the level of cost of sales during the POI. It is submitted in this regard that the peculiar nature of the present industry is required to be considered.
- vii. Performance of the domestic industry improved in terms of production and domestic sales. However, the domestic industry is holding unutilized capacities. Capacities with the domestic industry cannot be compared with the demand for TBR in India.
- viii. The market share of subject country has increased throughout the injury period. The market share of domestic industry has decreased despite increase in demand and capacity.
- ix. Inventories with the domestic industry have increased during the injury period and further in POI. This is clearly due to the effect of dumping since demand in the country for the product concerned has grown over the period.
- x. Employment and wages are dependent on a number of other parameters and not reflective of impact of dumping on the domestic industry
- xi. Ability to raise fresh investment is not impacted by dumping of the product as investment decisions are long term decisions and are taken considering present and potential demand for the product under consideration.
- xii. So significant is the injury to the domestic industry because of dumping of product under consideration that the same is causing significant injury in respect of overall truck & bus tyres operations of the domestic industry. The combined information filed by the domestic industry in respect of TBR and TBB demonstrates the same
- xiii. So significant is the adverse effect of dumping on the domestic industry that the performance of the domestic industry in respect of total truck & bus tyres operations (TBR+TBB) shows deterioration in respect of production for replacement market, domestic sales volumes in replacement market and market share of the domestic industry in India.
- xiv. Dumping of truck and bus tyres in India has caused significant material injury to the domestic industry in respect of both TBR and TBB.
- xv. The phenomenon of 'Marginal Rate of Substitution' establishes that the TBR and TBB are clearly substitutable for the consumers.
- xvi. The correlation coefficient of TBR and TBB demand is inversely moving, i.e., if TBR demand increases, TBB demand decreases and vice-versa.

- xvii. The use of China Customs import statistics is disputed and requests the DA to only resort to the import data provided by the DGCI&S.
- xviii. The interested parties concede that (a) volume of imports increased very significantly and (b) the price undercutting is positive.
- xix. The CESTAT annulled the imposition of ADD in the previous investigation on TBR but the Supreme Court has not disposed of the appeal filed against the CESTAT order, and thus it has not attained finality.
- xx. The sales volume of TBR has increased by 60% during the injury period with the high demand and radialisation. TBB and TBR is one article, leading to substitution, the injury suffered by TBB cannot be ignored.
- xxi. The effect of dumped imports first felt on volume parameters. And, when faced with adverse volume effect, the industry gets constrained to take steps on the pricing to adjust to the import competition and also considers the input prices.
- xxii. The reduction in the DI market share in demand is caused due to imports whereas volume import increased by about 48,000 MT from subject country over the injury period, volume of imports from third countries declined only by 10,000 MT. This further establishes that the Chinese producers took over the demand which would have been taken by Indian industry had the Chinese not resorted to dumping.
- xxiii. Market share of dumped imports is quite high if OEM consumption is excluded. Above all, Chinese product has already taken over significant market share.

G.3. Examination by the Authority

- 65. In order to consider various submissions made by the domestic industry and other interested parties, the Authority has examined injury to the domestic industry, if any on account of dumped imports from the subject country.
- 66. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
- 67. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the Anti-Dumping Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

- 68. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered.

Volume and Price Effect of the dumped imports on the Domestic Industry

(a) Volume Effect

- 69. With regard to volume of the dumped imports, the Designated Authority examined whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti-dumping rules provides as under:

“While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India”

i. Assessment of Demand /Apparent Consumption-

70. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased over the period. The Authority also notes that demand for the product shows rising trends.

S.N.	Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI(A)
(i)	Subject Country-China	MT	4,146	12,500	30,665	52,092
	Indexed		100	301	740	1,256
(ii)	Other Countries	MT	21,724	21,124	13,875	11,809
	Indexed		100	97	64	54
(iii)	DI domestic Sales	MT	1,37,402	1,56,918	1,99,358	2,18,442
	Indexed		100	115	146	160
(iv)	Other Indian Producers	MT	57,505	76,117	1,20,971	1,20,659
	Indexed		100	132	210	210
(V)	Domestic Producers as a whole	MT	1,94,907	2,33,035	3,20,329	3,39,101
	Indexed		100	120	164	174
	Total demand	MT	2,20,777	2,66,659	3,64,869	4,03,002
			100	122	166	183

ii. Increase in absolute terms

71. The Authority notes that imports of the product under consideration increased significantly in absolute terms throughout the injury period. Further, whereas the Chinese imports increased significantly over the injury period, non-Chinese imports declined sharply over the injury period. Share of China in total imports of the product under consideration in India increased sharply over the injury period.

SN	Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI(A)
1	Import Volume					
(i)	Subject Country-China	MT	4,146	12,500	30,665	52,092
(ii)	Other Countries	MT	21,724	21,124	13,875	11,809
	Total	MT	25,870	33,624	44,540	63,901
2	Share in Imports					
(i)	Subject Country-China	%	16.03%	37.18%	68.85%	81.52%
(ii)	Other Countries	%	83.97%	81.65%	53.63%	45.65%
	Total	%	100	232	430	509

iii. Market Share

72. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. Share of dumped imports from China increased substantially as compared to the base year. Consequently, the share of the Domestic Industry has declined.

S.N.	Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI(A)
(i)	Market share of imports from the Subject Country-China	%	1.88	4.69	8.40	12.93
	Indexed		100	250	448	688

(ii)	Other Countries	%	9.84	7.92	3.80	2.93
	Indexed		100	81	39	30
(iii)	Market share of DI domestic Sales	%	62.24	58.85	54.64	54.20
	Indexed		100	95	88	87
(iv)	Other Indian Producers	%	26.05	28.54	33.15	29.94
	Indexed		100	110	127	115
(V)	Domestic Producers as a whole	%	88.28	87.39	87.79	84.14
	Indexed		100	99	99	95
	Total	%	100	100	100	100

(b) Price Effect

73. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows-

“With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.”

74. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject country have been examined with reference to price undercutting, price suppression/depression and price underselling.

i. Price Undercutting

75. Price undercutting has been determined by comparing the export price from China with the selling price of the domestic industry in India. The weighted average import prices have been significantly below the selling prices of the domestic industry resulting in significant price undercutting during 2013-14, 2014-15 and POI. However, during 2012-13, the price undercutting was negative. Further, there is declining trend of price undercutting during 2014-15 and POI.

76. The domestic industry has contended that the price undercutting be determined considering excise duty. The Authority has however determined price undercutting by not adding countervailing duty / excise duty on the assessable value of imported product as well as domestic goods as per the consistent methodology followed by the Authority.

77. The Authority notes that the levels of price undercutting are significant per se to examine and conclude about the adverse price effect of dumped imports on the domestic industry.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI (A)
Import Volume	MT	4,146	12,500	30,665	52,092
Landed price of imports	Rs./MT	241289	172269	168577	166306
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price Undercutting	Range	(10)-(15)	20-25	20-25	20-25

ii. Price Suppression / Depression

78. Comparison of the cost of sales and selling price of the domestic industry and landed price of imports shows that the imports were not depressing the prices of the domestic industry to a significant degree. However, landed price of imports have been below the level of cost of sales and selling price of the domestic industry during 2013-14, 2014-15 and POI. However, during 2012-13 the landed price has been above the cost of sales as well as selling price of DI. It is

also noted that while the cost of sales and selling price of DI has declined during the injury period and POI, the rate of decrease of cost of sales is higher than the selling price. Significant price gap between the domestic and imported product has led to consumers increasingly switching over to the imported Chinese product.

Parameters	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed		100	99	87	85
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed		100	101	97	95
Landed price of imports	Rs./MT	241289	172269	168577	166306
Indexed		100	71	70	69

iii Price Underselling

79. The Authority notes that there has been price underselling on account of dumped imports:

Particulars	Unit	POI
Landed price of imports	Rs./MT	166306
Non-Injurious Price (TTF)	Rs./MT	***
Price Underselling	Rs./MT	***
Price Underselling	%	***
Price Underselling	Range	10-20

Conclusion on volume effect & price effect

80. The Authority notes that there has been a significant increase in dumped imports, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Imports are undercutting the domestic prices to a significant degree. While the imports were marginally depressing the prices of the domestic industry in the market, the landed price of imports have been significantly below the level of cost of sales of the domestic industry during the period of investigation.

H. Economic parameters affecting the domestic industry:

81. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

82. The Authority has examined performance of the domestic industry to determine consequent impact of the dumped imports on the domestic industry.

a) Capacity, Production and Capacity Utilization & Sales volume

83. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period and notes as follows:

- The domestic industry has enhanced their capacity over the injury period. Considering the current and potential demand for the product, the Authority notes that the Indian market has significant opportunity for capacity additions.
- Production and domestic sales of the domestic industry increased substantially over the injury period. The capacity utilisation of the domestic industry for the product under consideration has also improved. However, the increase in imports and demand was more than the increase in sales of the domestic industry.

Parameters	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Capacity	MT	205,259	239,859	249,387	263,741
Production	MT	146,986	183,014	215,528	236,290
Indexed		100	125	147	161
Capacity Utilization	%	71.61	76.30	86.42	89.59
Domestic Sales	MT	1,37,402	1,56,918	1,99,358	2,18,442
Indexed		100	115	146	160

b) Profits, Cash Profits and Return on Capital Employed

84. Performance of the domestic industry was examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed. The Authority notes that the performance of the domestic industry improved substantially during injury period and POI. The dumped imports did not have adverse effect on profits, cash profits. Return on Capital employed of the domestic industry have also increased substantially during injury period and POI, although there is marginal decline in POI as compared to preceding year. The domestic industry has however contended that the domestic industry would have earned higher profits, cash profits and return on capital employed in the absence of dumping of the product in the Country.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A
Profit per unit	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed		100	690	2047	2224
Cash Profit	Rs Crores	***	***	***	***
Indexed		100	203	426	501
Cash Profit	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed		100	163	291	312
Profit before Interest	Rs Crores	***	***	***	***
Indexed		100	180	350	394
Return on investment	%	***	***	***	***
Indexed		100	181	322	312

c) Stock/inventories

85. Inventories with the domestic industry have increased to some extent during the injury period as well as POI.

Stock (Volume)	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A
Opening stock	MT	***	***	***	***
Indexed		100	101	133	104
Closing stock	MT	***	***	***	***
Indexed		100	131	101	162
Average stocks	MT	***	***	***	***
Indexed		100	116	117	133

d) Employment, Wages & Productivity

86. Employment and wages paid by the domestic industry and productivity has increased over the injury period. Hence, the dumped imports do not appear to have affected employment, wages and productivity trends. However, the domestic industry contended that these parameters are dependent on a number of other parameters and not reflective of impact of

dumping on the domestic industry.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI-A
No of Employees	Nos	***	***	***	***
Indexed		100	125	136	143
Wages	Rs. Crs	***	***	***	***
Indexed		100	145	177	204
Wages per Unit	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed		100	117	121	127
Productivity					
Per Employee	MT/No	***	***	***	***
Indexed		100	100	107	113
Per Day	MT/Day	***	***	***	***
Indexed		100	125	147	161

e) Growth

87. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period shows that while the dumped imports are having negative effect on the domestic industry in respect of market share, the domestic industry has registered positive growth in respect of various parameters like production, sales, cost of sales, profits, rate of return etc.

Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production	%		24.5	17.76	9.63
Sales	%		14.20	27.05	9.57
ROI	%		80.84%	77.83%	-2.93%
Market share- DI	%		-1.47	-1.3	-0.09
Market share-Total Indian Industry	%		-0.91	-0.86	-1.96

f) Magnitude of Dumping Margin

88. The dumping margin in respect of each of the sampled responding producer/exporter is not only more than de-minimis but also significant as shown in the table below:

Producer	Exporter	Exports to India (MT)	Normal Value US\$ per MT	Export Price US\$ per MT	Dumping Margin US\$ per MT	Dumping Margin INR per MT	Dumping Margin %	Dumping Margin Range
Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	1. Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd 2. M/s. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd 3. Tiremart (Qingdao) Inc.	***	***	***	***	***	***	10-30%
Aeolus Tyre Co., Ltd	Aeolus Tyre Co., Ltd	***	***	***	***	***	***	0-20%

Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	1. Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd.							
	2. Tiremart (Qingdao) Inc.							
Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	***	***	***	***	***	***	0-20%

g) Factors affecting prices

89. The Authority notes that price of imported material from subject country is significantly below the selling price of the domestic industry, causing loss of market share in the replacement market, as the consumers have increasingly switched over to the Chinese tyres in place of domestic ones. Further, imports of the subject goods from other countries are at much higher prices.

h) Ability to raise fresh Investment

90. The Authority notes that the ability to raise fresh investment is not impacted by dumping of the product as investment decisions are long term decisions and are taken considering present and potential demand for the product under consideration. However, long term viability of the product under consideration is dependent upon strong profitable business.

Conclusions on injury:

91. Considering various parameters relating to material injury, the Authority concludes that:

- The dumped imports of the subject goods have increased in absolute terms.
- Whereas share of subject imports has steeply increased, that of imports from third countries has declined.
- The dumped imports of the subject goods have increased in relation to production and consumption of the subject goods in India.
- The subject goods are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
- Production and sales of the domestic industry have increased over the injury period. The market share of the domestic industry has declined.
- Inventories with the domestic industry has increased to some extent.
- Profits, cash profits and return on capital employed have improved substantially over the period.
- The landed price of imports from China is below the selling price and cost of sales of the domestic industry.

I. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

92. The NIP of domestic industry determined have been compared with the landed value of the sampled producers and exporters as determined to arrive at the injury margins for non-sampled producers and exporters as follows. The below table shows the positive injury margin during POI. The injury margin of non-cooperative producer/ exporter have been arrived based on facts available as per the details below:

Producer	Exporter	Exports to India (MT)	NIP US\$ per MT	Landed Value US\$ per MT	Injury Margin US\$ per MT	Injury Margin INR per MT	Injury Margin %	Injury Margin Range
Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	1. Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd 2. M/s. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd 3. Tiremart (Qingdao) Inc.	***	***	***	***	***	***	15-30%
Aeolus Tyre Co., Ltd	Aeolus Tyre Co., Ltd	***	***	***	***	***	***	
Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	1. Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd. 2. Tiremart (Qingdao) Inc.							10-25%
Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	Shandong Hengfeng Rubber & Plastic Co., Ltd.	***	***	***	***	***	***	10-25%

93. The injury margin for the non-sampled cooperative producers/exporters has been determined based on the weighted average injury margin for the non-sampled producers/exporters and for non-cooperative producer/exporters the injury margin has been determined based on facts available. The below table shows the positive injury margin during POI

S.N.	Producer/exporters	NIP	Landed Value	Injury margin	Injury Margin	Injury margin
		US\$/MT	US\$/MT	US\$/MT	INR/MT	%
1.	Non-Sampled Co-operative Producers and Exporters	***	***	***	***	20-30
2.	Non-cooperative producers/ exporters	***	***	***	***	30-40

94. Having regard to the rules, the Authority concludes that various parameters relating to injury collectively and cumulatively establish that the imports are causing material injury to the domestic industry. In view of the same, the threat of injury analysis does not appear to be essential.

J. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

J.1. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

95. Submissions made by the producers/exporters/other interested parties in this regard are as follows:

- There is no causal link between the injury and the alleged import. The domestic industry is suffering injury due to other

factors. None of the economic indicators shows sign of any injury leave aside any material injury both on the price front and volume front. The economic indicators suggest no correlation between imports of subject goods and performance of domestic industry in respect subject article as the prices have moved independently without any drop in sales volume.

- ii. Mere increase in the volume of imports and existence of price undercutting is therefore not sufficient. It is necessary to demonstrate that the imports have a negative impact on the domestic industry.
- iii. The domestic industry is a thriving industry, not in a situation of fragility or vulnerability and does not suffer any injury.
- iv. The economic factors demonstrate that it is experiencing positive developments and is in a situation of strength.
- v. The cost of production of the domestic industry are high because of the prices of raw materials paid by the domestic industry in relation to the TBR production.
- vi. The domestic industry imports raw materials at a high price due to hefty customs duties.
- vii. India levies a 20 percent customs duty and additional excise duties on natural rubber. These duties are ultimately reflected into the price of TBR sold by the domestic industry.
- viii. The total imports of TBR account for less than 7.4 percent of the total TBR consumption in India.
- ix. The injury suffered is self-inflicted by unfair practices.
- x. The high price charged by the domestic industry for TBR in the replacement market is not caused by the imports but is rather the consequence of the pricing policy followed by the domestic industry.
- xi. Alleged injury is caused by factors other than the imports of TBR from China PR.
- xii. The injury suffered, if any, is caused by the competition from other domestic producers. The decrease in market share of the domestic industry is caused by the aggressive pricing behaviour of other domestic competitors.
- xiii. The imports of TBR does not cause injury to TBB as first, TBR and TBB are not interchangeable and the market is shifting towards TBR because they offer "higher life/mileage, lower fuel consumption, and improved safety and ride quality". Second, ADD on imports of TBB imposed since 2007, is still in force.
- xiv. Imposition of ADD on imports of TBR will go against the public interest.
- xv. The domestic industry made poor strategic decisions by investing in TBB instead of TBR. Domestic industry has been focusing for a long time on TBB and has only recently made investments to increase its TBR capacity to cope with the growing demand for TBB.
- xvi. The prices charged by the domestic industry do not reflect the drop in cost of production. The prices of natural rubber have declined during the POI as reported by the Indian Rubber Board. Natural rubber is the main element of the cost of production of TBR and account for around 30% of the total cost of production.
- xvii. Any price undercutting is therefore only self-inflicted by the domestic industry which refuse to reflect the lower cost of production in its selling prices.

J.2. Submissions made by Domestic Industry

96. Submissions made domestic industry in this regard are as follows:

- i. Imports from countries other than the subject country are either negligible or the import prices are higher, and are hence not causing injury to the domestic industry.
- ii. The performance of the domestic industry and injury thereto has been examined with respect to the domestic sales operations to the extent possible. Possible deterioration in the export performance of the domestic industry is, therefore, not a possible cause of injury to the domestic industry.
- iii. The technology and production process for producing product under consideration has not undergone any significant development. Possible development in technology is not a cause of injury to the domestic industry.
- iv. Performance of other products being produced and sold by the petitioner is not a possible cause of injury to the domestic industry. In any event, the petitioner considers that information relating to the product under consideration is the only relevant information for the present purpose and the petitioner has provided this information as the domestic industry.
- v. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
- vi. There has been no material change in the pattern of consumption of the product under consideration, except that the consumers of TBB have started switching over to imported TBR in view of availability of these tyres at a price below the selling price of TBB. Changes in the pattern of consumption have not caused claimed injury to the domestic industry. In fact, demand for the subject goods has increased over the relevant period.

I. Examination by the Authority

97. As per the AD Rules, the Authority, inter alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these listed known other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that:-

a) Volume and price of imports from third countries:

98. The Authority notes that there was low volume of imports of the product under consideration from third countries in the POI. Further, import price from third countries are higher than the import price from China during POI. Thus, imports from third countries could not have caused injury to the domestic industry.

b) Export Performance:

99. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has increased during the injury period and has then declined during POI by 10.84 %. However, export profitability has been segregated and only profitability pertaining to domestic operations has been considered.

c) Development of Technology:

100. None of the interested party has raised any issue with regard to developments in technology as being the cause of injury to the domestic industry.

d) Performance of other products of the company

101. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the petitioner does not appear to be a possible cause of injury to the domestic industry.

e) Trade Restrictive Practices and Competition between the Foreign and Domestic producers:

102. The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producers compete with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed price of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

f) Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption:

103. It is noted that the demand of the subject goods has increased significantly in the period of investigation as compared to the base year.

II. Factors establishing causal link:

104. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from the subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation.
- b. Imports are undercutting the prices of the domestic industry.
- c. Price undercutting being caused by the dumped imports is resulting in increase in market share of imports and decline in market share of the domestic industry.

105. From the foregoing facts and analysis, the Authority concludes that the domestic industry appears to have suffered material injury by the dumped imports from China.

K. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

106. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti- dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of antidumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

107. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

108. The essential facts of the investigation gathered by the Designated Authority during the course of the investigations and analysed by the Authority were disclosed in the disclosure statement to the interested parties in order to enable these interested parties to offer their comments on these facts

POST DISCLOSURE COMMENT SUBMISSIONS

109. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. Majority of the issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. Additional submissions have been analysed as under:

Submissions made by the Domestic Industry

110. The following comments on Disclosure statement are submitted by domestic industry:

- The Authority has been requested to disclose the NIP and non-confidential version of the verification report of the exporters/producers from subject country to enable the domestic industry to offer meaningful comments. Copy of all the communications sent via mail or letter to the opposing interested parties and replies filed by these interested parties should also be provided to the domestic industry. Normal value (since it is based on the domestic industry data and information publicly available/used) and actual dumping margin should also be disclosed to the domestic industry.
- Normal value determined is significantly low and petitioners request the Authority to disclose normal value calculations to the domestic industry, since the same is based on the domestic industry data and information publicly available/used. With respect to the export price of the sampled exporters, petitioners had provided certain evidence to the authority. Petitioners are unable to understand whether the claims made by the exporters have been corroborated with the information provided by the petitioners or such other information (DG Systems data) as is available to the Designated Authority.
- The disclosure statement contains three dumping margins for one producer. Authority is required to determine individual dumping margin for each known producer. Therefore, one known producer cannot have three dumping margin and three antidumping duty.
- Petitioners have provided significant information with regard to threat of injury and therefore requests the Designated Authority to kindly consider the same in the final findings.
- Authority has not considered that TBB tyre produced and supplied by the domestic industry is a like article to imported TBR tyre. Chinese TBR tyre is in fact replacing market of domestic TBB tyre and causing injury to the domestic TBB tyre market.
- Since the customs classification is indicative only, the Designated Authority may kindly specify in duty table that the product under consideration should attract duty regardless of the customs classification.
- The domestic industry has been suffering injury for quite some time. Imports of TBR are causing injury to the domestic industry producing and selling both variants of truck & bus tyres - TBR and TBB.
- The effect of significant increase in imports and price undercutting was ultimately felt on the prices, and profits. Decline in profits in post POI establishes the same.
- The Designated Authority may kindly consider examination of imports in relation to production and consumption.
- Authority may consider segmented analysis. Analysis with regard to the OEM segment and replacement segment has been ignored by the Authority.

k. Authority has not done the quarterly analysis. Not only the past investigation conducted by the Authority and the decision of the CESTAT establishes that the quarterly examination of the performance of the domestic industry is appropriate, but also the requirement of potential effects of dumping further supports that quarterly analysis of the performance of the domestic industry within the POI is relevant and appropriate to establish potential effects of dumping on the domestic industry.

l. Petitioners reiterate that various parameters of threat of injury are present in the instant case which are substantiated in the submissions made earlier as under-

- i. The rate of increase of dumped imports is significant, indicating the likelihood of substantially increased importation of subject goods.
- ii. Imports post December, 2015 have shown increasing trends.
- iii. The capacity utilization of domestic industry and Indian Industry as a whole has declined.
- iv. The industry is constantly expanding their capacity, as evidenced by the rising capacities with the industry. Given the decline in the sales volumes and production towards the end of the investigation period, the excess capacities being created are likely to suffer as a result of dumping in the Country.
- v. Significant price undercutting establishes that imports are entering at prices that will have significant depressing and suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports. The rising imports in the period post POI clearly establishes the same.
- vi. Increasing number of BIS licenses being given by GOI to the Chinese exporters clearly establishes that the volume of imports is likely to increase. More and more companies are taking BIS licenses with the intent to export their product to India.
- vii. At present only 115 exporters have exported the product under consideration to India. However, there are another 1994 exporters who have exported the product under consideration to various parts in the world.
- viii. Significant exports from China to various countries shows the threat that the dumping can cause to the Indian industry. Current exports of China to India amounts to only 1.8% of China's total exports globally. Hardly 1% increase in exports implies additional exports of 47,000 MT.
- ix. Surplus capacities in China and export potential to India shows sufficient freely disposable capacity in China establishing the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.
- x. Exports of product under consideration from subject country to third countries are also at dumped prices.
- xi. China has very high export orientation worldwide. The present difference in the prices of imported product and domestic product is very significant and is likely to increase demand for imports. Sufficient freely disposable capacities are available with the subject country posing imminent danger. China has built up significant capacities and has planned further significant expansion of capacities. These massive additions to capacity and production will only continue in the imminent future. This will, in all likelihood, make the exporters to expand their market globally and especially to India which has significant growing demand.
- xii. China accounts for more than a quarter of global production, and is now the world's largest producer and exporter of tyres.
- xiii. The import price of subject goods from China has declined significantly over the injury period. These declines are far higher in US\$.
- xiv. There is significant investment made by Chinese entities in international market to procure natural rubber, which has enabled the Chinese producers from producing and selling the product under consideration at low prices. Chinese companies have rubber plantations abroad mainly in Thailand, Malaysia, Myanmar, Laos, Cambodia and Cameroon.
- xv. The decline in import price from China is much more than the decline in raw material cost (natural rubber).
- xvi. Quarter by quarter trend in imports during POI and post POI clearly establishes the likelihood of substantial increase in imports from China.
- xvii. A number of other countries such as Brazil, Turkey, Colombia, Egypt, US have either imposed anti-dumping duty against the imports of subject goods from China or have initiated AD investigation.
- xviii. The level of inventories with the domestic industry have increased significantly in the POI with significant increase in imports during the same period. The domestic industry was restricted from selling its product to a significant extent because of dumped imports.
- xix. Huge subsidies being provided by GOC to tyre industries are enabling the Chinese companies to export at low prices.
- xx. Chinese companies are getting tax relief in the name of R&D enabling them to export at low prices

- xxi. Chinese companies are getting loans and export credits on discounted interest rates enabling them to increase their exports
- xxii. Restructuring of Tyre industries is resulting in increase in exports. GOC has provided equity infusions in the tyre industries as funds are transferred directly by the government even though the transaction might have been carried out by GOC through public bodies. The GOC is not collecting dividends that are normally paid to private investors on their shares. Entities directly holding the shares in the SOE are eligible for the said program.
- xxiii. Raw material & utilities are being provided by the Government on less than adequate remunerations leading to low priced exports and resultant price attractiveness of the Chinese product vis-à-vis domestic industry product.
- m. Chinese tyres are exported to over 200 countries. For the Chinese tyre exporters US is always the top most destination receiving 1.15 million tonnes of tyres followed by EU in the year 2013. In 2012, 2013 and 2014, India was not the target country for exports of tyres. However, India attained 7th rank in 2015 and 6th rank in 2016.
- n. The anti-dumping duty on the subject goods should be recommended in terms of fixed quantum, expressed as amount of duty per tyre in terms of US\$.

Submissions made by Other Interested Parties

111. The following comments on Disclosure statement are submitted by other interested parties:

- a. The Designated Authority has not provided list of non-sampled exporters/producers in the disclosure statement. Lower anti-dumping duty rate is applicable for non-sampled co-operating exporters as compared to non-cooperating exporters/ producers.
- b. Product under consideration should exclude radial tyre of nominal rim dia code above 22.5" as the same is not manufactured by the domestic industry
- c. M/s Cantop International (Qingdao) Co., Ltd. has contended that due to its low volume of exports to India, its dumping margin and injury margin should not be very high i.e. 20-40% and its dumping margin and injury margin should be revised to a lower rate.
- d. The Designated Authority has not carried out objective examination of injury:
 - i. Methodology adopted by the Designated Authority to assess material injury is not even handed.
 - ii. The Designated has not given due weightage to mandatory economic parameters under para (iv) of Annexure II. Instead, the Designated Authority has exclusively relied on volume of imports, price undercutting, price suppression and price depression.
 - iii. The Designated authority has failed to adequately analyse volume of imports, price undercutting, price suppression and price depression. Price undercutting in isolation cannot be relevant. Price undercutting is relevant only if it caused price suppression or price depression. There is no price suppression or depression due to price undercutting in the present case as domestic industry is able to maintain its prices.
 - iv. Designated authority has wrongly determined that there is material injury to the domestic industry because almost all economic parameters under para (iv) of Annexure II are showing positive developments. Positive movements (under both forms of evaluation i.e. from end point to end point analysis & year on year analysis) has been experienced in (i) Capacity (ii) Production (iii) Sales (iv) Capacity utilisation (v) Cash profit (vi) Return on investment (vii) Employment (viii) Wages (ix) Productivity (x) Growth (xi) Decrease in cost of production & (xii) Ability to raise fresh investment. Also, the Designated authority has not provided any explanation as to how and why there is material injury despite positive improvements in 12 out of 15 economic parameters.
 - v. The Designated authority has also failed to take into account the fact regarding decrease in cost of production due to decline in raw material prices i.e. decline in prices of natural rubber.
- e. The Designated Authority should provide same anti-dumping duty rate to related producer/exporter (Aeolus Tyre Co., Ltd and Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd) as per the consistent practice of the Designated Authority.
- f. Domestic industry does not manufacture several of radial truck and bus tyres sizes other than 10.00 R 20 and couple of 22.5" rim dia tyres.
- g. Tyre sizes of 17.5", 19", 24" and other tyre sizes of 20" dia like 14.00 R 20, 12.00 R 20 and large number of similar sizes are claimed to be manufactured but they have not been imported from China PR except 10.00 R 20 and couple of 22.5" rim dia tyres.

- h. Domestic industry could have easily produced BIS certified TBR tyre sizes above 16" Rim dia and captured the entire domestic retail replacement market by radialization to replace the outdated technology of TBB tyres.
- i. Domestic industry has not provided any transparent data regarding the quantum of sale of each category of TBR tyres.
- j. DGAD in its disclosure report has tried to defend the PUC on flimsy input.
- k. Since the PUC is basically incorrect and wrongly defined, investigation stands on no legs and subsequent process too is shrouded under doubt and unreliability.
- l. The petition was filed considering July, 2014 - June, 2015 as POI but the DGAD, without assigning any cogent reason in the fairness to all concerned, has used his powers to expand the POI to 18 months (July 2014 - Dec 2015) as against 12 months.
- m. Similarly, for determining the injury, the DGAD has again used its powers in a similar manner by having a very long period i.e. fiscal 2013, 2014, 2015 and the expanded POI.
- n. Interested party are not privy to the genuine and transparent reasons for choosing such period and why not the DGAD has chosen to include, for the sake of argument, the fiscal 2009, 2010, 2011 and 2012 also.
- o. TBR tyre imports come from China PR mainly due to their fair pricing, superior quality, better trade practices in the domestic retail replacement market.
- p. There was quantitative restriction on TBR import during 2009-10. Anti-dumping duty was imposed on TBR in 2010 and was lifted from August 2011 by Hon'ble CESTAT on the ground that imposition of ADD cannot be levied as domestic industry was not suffering any injury and imposition of ADD would not be in the public interest. This remains the situation even now, when road transport industry consisting of lakhs of small operators and purchase their TBR tyres on credit in the replacement market.
- q. Chinese tyre makers have reduced the tyre prices in line with the global trend of lower raw material prices. However, Domestic Industry has not rolled back the tyre prices.
- r. In the Disclosure Statement, the Authority has taken into account doctored costing and pricing data of domestic Industry and ATMA.
- s. AITDF again refers to CCI Order dated 13.8.2014 in the reference case No. 8 of 2013 that "..... therefore, the price movements in the raw material cost should ideally be reflected in the final price of tyre in a competitive market.
- t. DIPP too has done an exhaustive study on tyre prices which covered POI. CCI findings very candidly explain that the tyre pricing is rigged, has parallelism and cartelisation under the Competition Act 2002.
- u. Raw material prices are in the full public domain and had fallen to rock bottom during POI but domestic tyre prices have not come down, while import tyre prices for TBR have fallen in line with the global scene.
- v. In Disclosure Report, it seems it has been pre-supposed that there is injury to domestic tyre makers when there rate of return on investment or profits have been at all time high and it has been their virtual honeymoon period during POI..
- w. Already, it is well known that Custom Duty and CVD is being levied on their fixed bench mark price of \$149 for TBR tyre only as TBR imports are without tubes / tubeless in 95% cases. Hence, the exporter irrespective of their invoice price has to pay taxes / duty on the bench mark minimum import price fixed. In the Disclosure Statement it has not been clarified how the injury margin has been calculated.
- x. DGAD has not practically visited the Chinese tyre factories and the task has been virtually dictated by powerful domestic industry juggling with the data in a manner which suits domestic industry to fix unwanted injury margin and then suggesting imposition of ADD without any genuine and justified cogent reasons which meet the process of natural justice.
- y. Imposition of ADD is not in the larger interest of road transport industry, and tyre trade, both of whom have invested in a massive manner for their livelihood and provide jobs to lakhs of people in the country. Imposition of ADD at this juncture when road transport small businesses are passing through tough times and low returns and even lower fleet capacity utilisation, would be a body blow to the free and fair play of market forces.
- z. All tyres classifiable under customs subheading no. 40112010 and tubes and flaps classifiable under 40131020 and 40129049 respectively of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 are within the scope of the PUC and all other kinds of tyres, tubes and flaps not classifiable under these customs classification are beyond the scope of the PUC. The product as per Tyre size designation classifies the products based on the application.

- aa. From the endorsement in the BIS Licence of Shandong Wanda Boto Tyre Company Ltd it is clear that 8.25R16, 7.00R16, 7.50R16 & 235/75R17.5 have been included in the Light commercial Vehicle category of products as classified by IS 15636:2012 which clearly establishes that tyre size 235/75R17.5 used on 17.5 Inch >16 Inch rim dia code is a light truck sizes same as 8.25-R16 or 7.00R 16 used on 16 Inch Rims.
- bb. CEAT has also purchased the 17.5 inch LT tyre from Shandong Wanda Boto. This shows that CEAT tyres, one of petitioner in the case have imported the 17.5 Inch Rim tyres from Shandong Wanda Boto with LT marking for LCV application. Either the product 17.5 inch rim tyres should be excluded from the purview of present investigation or CEAT tyres should be disqualified from being considered as domestic industry as per the prevalent Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules.
- cc. PUC ought to be defined as tyres imported under HS CODE 40112010 & having the size designation applicable for truck & bus tyres as defined in the BIS standard IS 15636:2012. Tyres used on other type of Vehicles such as Light Commercial Vehicle, Mining, Industrial etc ought to be excluded from the scope of this investigation. In India Buses & Lorries/ Trucks use tyres of Rim diameter code 20 Inch for Tube Type tyres & 22.5 for Tubeless Tyres only. PUC ought to exclude Tyres having nominal rim diameter of 17.5 inch tubeless used on Light commercial vehicles like tyres having nominal rim diameter of 16 Inch & below used on Light Commercial Vehicles.
- dd. TBR Tyres imported from China are not comparable in characteristics with Tyres produced by the domestic Industry in terms of Pricing, distribution & marketing. Chinese TBR is comparatively substantially cheaper as there are no advertising costs or brand promotional costs, no warranties too. Tyres produced by Domestic manufacturers are distributed throughout India and marketed with promotion of brand, carry warranty against premature failure due to manufacturing defects. Accordingly the Ex factory price of tyres marketed by domestic Industry include the cost of distribution, marketing, brand promotion & warranty, where as the Landed Price based on the CIF for tyres imported from China do not include any of the above costs and are correspondingly lower in price. Therefore, the Chinese tyres and those manufactured by domestic industry are not comparable and ought not to be treated as Like Articles.
- ee. The price index of the similar product from the same company is lower by 34% for tyres sold without warranty as compared to the tyres sold with warranty.
- ff. The tyres without warranty were offered by domestic industry after the period of investigation in order to participate in market segment of non warranty tyres created by importers of Chinese tyres. Hence, for the purpose of calculating dumping margin or injury margin the price of domestic industry should be reduced by 34%.
- gg. Injury caused to Domestic Industry is because of their own market decisions as they chose not to reduce the price of product even though raw material prices fell down during POI. Chinese exporters lowered their price of TBR when cost of raw material went down. Thus, customers preferred imported TBR which was of comparable quality and priced lower than domestic industry tyres.
- hh. The dumping margin of the non-sampled producers and exporters has been determined as the weighted average of the dumping margins of the sampled producers and exporters as per Rule 18(2). It is arbitrary, vague, unfair and onerous for un-sampled exporters as the prices at which sampled exporters sell Product in India is much cheaper and its quality and other characteristics differ. Hence, it will not be fair to assess value based on the weighted average of the highest selling products as product made by our client exporter is more expensive and differs in its characteristics from product made by sampled exporters
- ii. M/s Qingdao Doublestar Tire Industrial Co. Ltd., China PR has fully co-operated with DGAD right from the start of the investigation. Doublestar has filed questionnaire response running into many pages dated 05.07.2016. As per direction of DGAD, Doublestar has filed clarification response twice dated 24.10.2016 and 20.03.2017 respectively.
- jj. There was no mala fide intention of Doublestar to mislead DGAD. Only in one invoice, inadvertent error was noticed.
- kk. As per understanding of the exporter, Flap is not a part of PUC, if invoiced separately in an invoice. Accordingly, Doublestar has reported information about tyre only and enclosing complete information including flaps now.
- ll. Rejection of complete response is in violation of Principle of Natural Justice which is specified in Para 5, 6 and 7 of Annexure II of Anti-Dumping Agreement.

mm. In other investigations, the Designated Authorities was kind enough in granting an opportunity to all participating exporters/domestic producers by pointing out errors/omissions. In instant case, no such opportunity was ever granted to Doublestar.

nn. Doublestar has provided revised Appendix 2 including Flaps and the same may please be taken on record for final finding.

oo. Grounds or rejection of response are factually incorrect. The rejection of complete response is on wrong premise and also in gross violation of various provisions of AD Agreement.

pp. PUC as per Initiation Notification clearly states that PUC is classified under sub heading No 40112010 alone. Thus, TBR tyre imported along with tube and flap and invoiced as one price, the same shall fall under the scope of investigation. In case tube and flap even though invoiced in one invoice but priced separately and cleared under different customs classification shall not fall under the scope of investigation.

qq. Doublestar accordingly filed response considering TBR Tyres as PUC for the following reasons:

- i. PUC is classified in Chapter 40 under customs sub-heading No. 40112010 and tubes and flaps are classified under 40131020 and 40129049 respectively. In case the Initiation Notification has mentioned that PUC i.e., TBR falls under separate Customs Head and Tubes and Flaps which are non PUC fall under different Custom Head, conclusion is that non reporting of information of Flaps (a non PUC) as one of the reasons for rejection of whole response is unsustainable.
- ii. Cost and Price of Flaps is almost half of the price of TBR Tyres. Accordingly, both TBR and Flaps are different products.
- iii. Manufacturing technology and facilities for production of flaps are entirely different from TBR. Accordingly, both TBR and Flaps are different products and the same has been acknowledged by the petitioners.
- iv. Raw Materials used for manufacture of Flaps are entirely different from manufacture of Radial Tyres.
- v. TBR and Flaps are separately priced and shown as independent products in the invoices. If combined price of TBR and Flaps is shown in the Invoice and cannot be separated, the same may be treated as one product. In such a situation it will not be possible to segregate the price of TBR and Flaps. In case both TBR and flaps are priced separately in the Invoice, the same shall be treated as separate products. Doublestar has separately invoiced flaps.
- vi. Flap constitutes a negligible portion of the total sales of TBR and Flaps. Flaps constitute only 3.66% of the total exports to India and hence could not have distorted the final result about the dumping margin.
- vii. Flaps have been separately priced in the Invoice raised by the exporter. In respect of all sampled invoices except one the prices mentioned duly reconcile with the prices claimed in questionnaire. Minor error in one Invoice is due to punching error. It would have been rectified if the Authority has pointed out the same.
- viii. All goods have been exported on FOB Basis, Ocean Freight and other expenses were borne by the importers.
- ix. In any event Doublestar is willing to provide details of sales of flaps to show that average price of both TBR and TBR including flaps is almost same. Weighted average export price of TBR is almost similar to export price if flaps are also considered as part of PUC.
- x. Doublestar has clearly indicated about PUC and provided the data accordingly. Authority should have informed about any deficiency in respect of PUC. Non-provision of the flap data does not affect the accuracy of Doublestar's data. Initiation Notice manifests that the purpose of the investigation is to impose the ADD on tyres excluding flaps and tubes to protect the domestic industry. Flaps and tubes are not the purpose of this investigation.
- xi. Doublestar has not reported the correct invoice value in some of the transactions and rectified the typo/punching error. The said error was unintentional and there was no mala fide intention of the exporter in providing the data to the DGAD.

rr. Minor inadvertent errors in filing of response cannot be a basis of rejection of complete response. Rejection of complete response on some minor error is in violation of Para 5 of Annexure II of AD Agreement and AD Rules.

ss. The Appellate Body in US — Hot-Rolled Steel, analysing the concept of cooperation under paragraph 7 of Annex II, noted that this provision does not indicate the degree of cooperation which is expected from interested parties to avoid the possibility of the authorities resorting to a “less favourable” result. The degree of cooperation

required is to cooperate to the “best” of their abilities”. Maintaining the principle of good faith requires a balance to be struck by the investigating authorities between the effort that they can expect interested parties to make in responding to questionnaires, and the practical ability of those interested parties to comply fully with all demands made of them by the investigating authorities.

- tt. Paragraphs 2 and 5 of Annex II and Article 6.13 of the AD Agreement call for a “balance between the interests of investigating authorities and exporters” and therefore see “cooperation” as “a two way process involving joint effort”. Thus, before rejecting response of an exporter, the Authority must notify the said exporter and also give an opportunity to provide explanation within a reasonable period of time.
- uu. Designated Authority has violated the Principle of Natural Justice by not informing Qingdao Doublestar in advance about its decision to reject its response and should have granted an opportunity to explain its position. No such opportunity was ever granted.
- vv. The Authority has claimed that “Doublestar has not reported the correct invoice value in some of the transactions.” As per Rule 6 (8) of AD Rules, 1995 Authority must have informed us about the mismatch and given us an opportunity to provide the data as per requirements. However, no such intimation was ever given to us. Resorting to facts available by treating a producer/exporter as non cooperative is permitted only under specified conditions laid down under the Law. In the instant investigation the Designated Authority has not fulfilled those conditions.
- ww. In US—Hot-Rolled Steel, the Appellate Body concluded that, investigating authorities are directed to use information if three, and, in some circumstances, four, conditions are satisfied. These conditions are that the information is (i) verifiable, (ii) appropriately submitted so that it can be used in the investigation without undue difficulties, (iii) supplied in a timely fashion, and, where applicable, (iv) supplied in a medium or computer language requested by the authorities. The Appellate Body concluded that, “if these conditions are met, investigating authorities are not entitled to reject information submitted, when making a determination”.
- xx. Violation of Para-6 of Annex-II of Agreement on Implementation of Article-VI of the GATT which casts a responsibility on the Authority to intimate immediately the reasons for proposed rejection of data and must give an opportunity to further give explanation within a reasonable period. The same has been held by Appellate Body and Panel in number of its decisions.
- yy. Separate individual dumping margin should be granted to M/s Qingdao Doublestar Tire Industrial Co. Ltd., China PR, based on its response filed.
- zz. Petitioners themselves have never considered TBB and TBR as one and the same product as could be seen from the fact that petitioners have already filed five cases in respect of Truck and Bus Tyres i.e., three in respect of TBB and two in respect of TBR but in none of the petition or investigation they have claimed to be one and the same without any distinction.
- aaa. That marginal increase in the inventory of the subject goods should be seen in the light of increase in capacity, capacity utilisation and production as well as sales. The increase in inventory is still lower if compared in proportion to production and sales. Moreover, significant decline in export performance of the DI is the reason of increase in inventory of the DI and the same cannot be attributed to importation of subject goods.
- bbb. the market share of the other Indian producers have increased despite importation of subject goods which clearly establishes that no injury is being caused by importation of subject goods.

Examination by the Authority

- 112. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and were already addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deal with these arguments of the parties. Further, the Authority has examined submissions of interested parties herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere:
 - a. With regard to the submissions made by the domestic industry to disclose the NIP, the Authority notes that the same has already been provided to them. With regard to the request for providing the non-confidential version of the verification report of the exporters/producers, copy of all the communications sent via mail or letter to the opposing interested parties and replies filed by these interested parties, it is noted that the non-confidential version of all communications has been placed in the public file and can be accessed by any interested party. Normal value determination is based on the international price of raw materials taken from WTA data. It is clarified that WTA data is not a public

domain information and is accessible to Govt. of India under an agreement signed with an international data compiling agency. This agreement with the agency prohibits Govt. of India from circulating this information to any interested party and public at large.

- b. Regarding export price of the sampled exporters, Authority has considered the submissions made by each sampled individual producer/exporter and the necessary adjustments have been made by the Authority to arrive at the net export price at ex-factory level. The Authority has calculated the ex-factory export price based on verified data provided by the sampled producers/exporters. The calculation with regard to same cannot be disclosed as it is confidential in nature.
- c. The Authority has determined the dumping margin as per the verified information on record and the applicable Act & Rules.
- d. With regard to the submissions made by the Petitioners that disclosure statement contains three dumping margins for one producer, Authority has addressed the same in the present finding and has granted one rate for all the export chains pertaining to one producer. The Authority has also granted same rate of duty to related producers as per its consistent practice.
- e. The Authority has already concluded that the domestic industry is suffering material injury and therefore there is no merit in conducting threat of injury analysis.
- f. With regard to the issue of substitutability of TBB tyres, Authority has addressed the same in the relevant portion of the findings.
- g. With regard to the injury analysis, the Authority has already examined all the mandatory parameters prescribed under the law. The Authority does not find it necessary to do segment wise analysis of OEM segment and replacement segment or to do quarterly analysis in the present investigation.
- h. With regard to the various submissions made by the domestic industry regarding threat of material injury, it is to be noted that the Authority has already concluded that the domestic industry is suffering material injury and therefore there is no merit in conducting threat of injury analysis.
- i. Keeping in mind the factual matrix of the case, the Authority has decided to levy fixed duty in terms of USD per MT
- j. As regards the list of non-sampled co-operating exporters and the duty rates applicable for them, the Authority notes that the list of such producers/exporters is provided in the final findings. Separate anti-dumping duty rate has been prescribed for such non-sampled co-operating exporters/producers based on the weighted average of the duty rates of the co-operating sampled producers/ exporters.
- k. The Designated authority notes that determination of dumping margin & injury margin is based on data submitted by the exporters/producers in response to the questionnaire.
- l. As regards the objectivity in the examination of injury, the Authority notes that neither the Indian Anti-dumping Rules nor the WTO Anti-dumping Agreement provides for any specific manner in which injury determination is to be carried out by the Designated Authority. The Authority also notes that negative trend in all injury parameters is not essential to arrive at a finding of material injury to the domestic industry. In any case, the Domestic industry has suffered negative volume and price effect and this is adequately evidenced by positive price undercutting and price underselling.
- m. Due to dumped imports, domestic industry has suffered injury on some of the other relevant economic parameters as well. For example, it has accumulated inventories, and has experienced decline in market share throughout the injury investigation period. Existence of positive price undercutting & underselling further proves that there is causal link between dumped imports and injury to the domestic industry.
- n. The Authority has carefully examined the PUC issue and notes that domestic industry is manufacturing radial tyres of nominal rim dia of above 16". Interested parties have not provided evidence to support further modification of PUC.
- o. As per Trade Notice 2/2004 dated 12th May 2004 application for anti-dumping investigation should contain information and data relating to period of investigation and previous three financial years. The data for previous three years would be utilized for trend analysis for determination of injury. Accordingly, the authority has analysed the data for the POI and the previous three financial year for injury analysis purposes. This is the consistent practice followed by the authority in all the investigations. There is no bar on the Authority to select a period of investigation of 18 months. There have been several cases where period of investigation of 18 months has been adopted by the Authority.

- p. Issue regarding anti-competitive practices and cartelisation is beyond the scope of this anti-dumping investigation.
- q. Regarding the issue of raw material prices, it is to be noted that the Authority has adopted international raw material prices (to the extent possible) for calculating the normal value and has not relied solely on the cost of the domestic industry in this regard.
- r. The product under consideration (PUC) in the present investigations is 'New/Unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap, of rubber, having nominal rim dia code above 16" used in buses and lorries/trucks'.
- s. The PUC is classified in Chapter 40 under customs sub-heading No. 40112010 and tubes and flaps are classified under 40131020 and 40129049 respectively of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. Tubes and or flaps imported without New/Unused pneumatic radial tyres are outside the scope of the PUC. The Custom classification, however, is indicative only and not binding on the scope of investigation. Tyres are generally used in various kinds of vehicles such as trucks, buses, lorries, light commercial vehicles, passenger car, jeep, tractor, two-wheeler, three-wheeler, animal pulled vehicles, earthmover, industrial tyres, aircrafts etc. However, the product under consideration is the type that is used in buses & lorries / trucks. All other types of tyres are beyond the scope of the product under consideration in the present investigations.
- t. The PUC was clearly defined in the initiation notice as "New/Unused pneumatic **radial tyres with or without tubes and/or flap**, of rubber, having nominal rim dia code above 16" used in buses and lorries/trucks". There was no occasion for the interested parties to construe the PUC as only radial tyres. Doublestar tried to misguide the Authority by presenting the data of only tyres in its questionnaire response even though it had exported both tyres and flap collectively to India. In addition to this Doublestar also did not report the correct invoice value for some of the transactions. In its disclosure comments, Doublestar has tried to impress that there was no *mala fide* intention on the part of Doublestar to report only tyres as it understood the PUC to be only tyres. This submission of Doublestar cannot be accepted as the definition of PUC was very clear in the initiation notice and no other co-operating producer/exporter from China PR has made such an error. Thus, there is no merit in the submission made by Double Star and accordingly the Authority rejects the response filed by Double Star. The ex-factory export price of Doublestar has been determined on the basis of facts available.

Conclusion on Injury and Causation

113. From the above examination of injury and causal link, the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject country. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject country in absolute terms throughout the injury period and in relation to consumption in India. The dumped imports have had adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject country has been determined and is considered significant. Market share of the subject imports has significantly increased and that for domestic industry has decreased. The Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject country.

Recommendations

- 114. After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
 - (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below normal value.
 - (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject country.
 - (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject country.
- 115. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.

116. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as specified in Col 8 of the duty table appended below.

Duty Table

No.	Heading/ Subheading	Description of goods *	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	40112010	New/unused pneumatic radial tyres with or without tubes and/or flap of rubber (including tubeless tyres) having nominal rim dia code above 16" used in buses and lorries/trucks" <i>excluding tubes and or flaps imported without New/Unused pneumatic radial tyres</i>	China PR	China PR	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	403.21	MT	US\$
2.	-do-	-do-	China PR	China PR	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	M/s. Cantop International (Qingdao) Co., Ltd	403.21	MT	US\$
3.	-do-	-do-	China PR	China PR	Shandong Yinbao Tyre Group Co., Ltd	Tiremart (Qingdao) Inc.	403.21	MT	US\$
4.	-do-	-do-	China PR	China PR	Aeolus Tyre Co., Ltd	Aeolus Tyre Co., Ltd	277.53	MT	US\$
5.	-do-	-do-	China PR	China PR	Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	277.53	MT	US\$
6.	-do-	-do-	China PR	China PR	Qingdao Yellow Sea Rubber Co., Ltd	Tiremart (Qingdao) Inc.	277.53	MT	US\$
7.	-do-	-do-	China PR	China PR	Shandong Hengfeng Rubber &	Shandong Hengfeng Rubber &	245.35	MT	US\$

No.	Heading/ Subheading	Description of goods *	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
					Plastic Co., Ltd.	Plastic Co., Ltd.			
8.	-do-	-do-	China PR	China PR	Non-Sampled Producer/ exporters as per list given below***		316.10	MT	US\$
9.	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination other than S. No. 1 to 8		452.33	MT	US\$
10.	-do-	-do-	China PR	Any country	Any	Any	452.33	MT	US\$
11.	-do-	-do-	Any country other than those subject to anti- dumping duty	China PR	Any	Any	452.33	MT	US\$

***List of Non Sampled Producers/Exporters is as under:

S.No.	Producer	Exporter
1.	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd
2.	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd	Tiremart (Qingdao) Inc
3.	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd	Koryo International Industrial Limited
4.	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd	Qingdao Nama Industrial Co. Ltd
5.	Shandong Wanshine Tyre Co., Ltd	Winshine Industrial Co. Ltd
6.	Zhongce Rubber Group Co. Ltd	Zhongce Rubber Group Co. Ltd
7.	Shandong Cocrea Tyre Co., Ltd	Shandong Cocrea Tyre Co., Ltd
8.	Shandong Cocrea Tyre Co., Ltd	Qingdao Champion International Trading Co. Ltd
9.	Jiangsu General Science Technology Co., Ltd	Jiangsu General Science Technology Co., Ltd
10.	Shandong Yongtai Group Co., Ltd.	Shandong Yongtai Group Co., Ltd.
11.	Shandong Hengyu Science & Technology Co., Ltd.	Shandong Hengyu Science & Technology Co., Ltd.
12.	Shengtai Group Co., Ltd	Shengtai Group Co., Ltd
13.	Shengtai Group Co., Ltd	Best Choice International Trade Co., Limited
14.	Shandong Xingyuan Tire Group Co., Ltd.	Shandong Xingyuan Int Co. Ltd
15.	Good Friend Tyre Co. Ltd	Good Friend Tyre Co. Ltd
16.	Good Friend Tyre Co. Ltd	Qingdao Jinhaoyang Int Co. Ltd
17.	Triangle Tyre Co. Ltd	Triangle Tyre Co. Ltd

117. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

Dr. INDER JIT SINGH, Designated Authority